नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

● बोकारो, गुरुवार, 11 सितम्बर 2025 ● वर्ष : 09 ● अंक : 116 ● पृष्ठ : 12 ● मुल्य : 3.00 रू. ● RNI No.:JHAHIN2017/72655 ● बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात करते अर्जुन मुंडा

82 किमी लंबे मोकामा-मुंगेर रेलखंड के निर्माण पर खर्च होंगे 4447 करोड़ : अश्विनी वैष्णव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के चार-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस- नियंत्रित मोकामा-मुंगेर खंड के निर्माण को हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर मंजूरी दी है। कुल परियोजना लंबाई 82.4 किलोमीटर है और इसका परिव्यय 4,447.38 करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह बक्सर से भागलपुर तक कॉरिडोर का एक खंड है। इसपर 4,447 करोड़ रुपये खर्च होगा। यह दक्षिणी बिहार की एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इसमें अगर हम बक्सर से पटना जाते हैं तो पहले से ही एक अच्छा नेटवर्क है और आगे पटना से फतुहा और फतुहा से आगे बेगूसराय तक, यह परियोजना लगभग पूरी हो

चुकी है। कुछ छह लेन और कुछ चार लेन की हैं। आज जिस खंड को मंजूरी दी गई है वह मोकामा से मुंगेर तक 82 किलोमीटर और आगे मुंगेर से भागलपुर तक है। श्री वैष्णव ने कहा कि आजादी के बाद रेलवे कार्गो लगातार घट रहा था। 27% के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद अब यह बढ़ने लगा है। अब मॉडल शेयर लगभग 29% तक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल में स्वीकृत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की कुल संख्या लगभग 11 लाख करोड़ रुपये की है और एक बहुत ही महत्वपूर्ण बदलाव हो रहा है। आप क्षेत्र में देख सकते हैं कि कैसे काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। कैसे इसके माध्यम से रोजगार पैदा हो रहा है और कैसे ये परियोजनाएं लोगों के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव ला रही है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर- दुमका-रामपुरहाट एकल रेलवे लाइन खंड (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी है। इसकी कुल लागत 3,169 करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह तीनों राज्यों को जोड़ने वाली एक बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना भी है। अगर हम इस परियोजना को मानचित्र पर देखें तो यह बिहार से शुरू होकर रामपुरहाट में झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ती है। अभी चलने वाली अधिकतम ट्रेन भागलपुर से मालदा टाउन और रामपुरहाट होते हुए हावड़ा जाती है। इस दोहरीकरण के बाद कई ट्रेनें भागलपुर से दुमका और वहां से सीधे रामपुरहाट जा सकेंगी। कई पैसेंजर ट्रेनें, मेल एक्सप्रेस ट्रेनें इससे होकर जा सकेंगी और यह देवघर के तीर्थ स्थान को भी जोड़ती है। एक तरह से, दक्षिण बिहार को कोलकाता की ओर जिस कनेक्टिविटी की आवश्यकता है, वह इस परियोजना द्वारा प्रदान की जाती है।

हजारीबाग : पेट्रोल पंप लूट की साजिश नाकाम, तीन आरोपित गिरफ्तार

पहले भी लूट को दिया था अंजाम

50,000 नकदी बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस ने पेट्रोल पंप लूट की साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कार्रवाई की जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, 9 सितंबर 2025 को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि रितेश कुमार यादव अपने सहयोगी पंकज कुमार के साथ खिरगांव होते हुए मिशन अस्पताल क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप की लूट की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) अमित आनंद के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। मिशन रोड स्थित मजार के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक बिना नंबर प्लेट स्कूटी आती दिखाई दी। पुलिस को देख चालक भागने लगा, लेकिन पुलिस ने पीछा कर दोनों आरोपितों को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्त रितेश कुमार यादव (20 वर्ष), पिता–केशो यादव, निवासी–देवरिया खुर्द, थाना–केरेडारी और पंकज कुमार (22 वर्ष), पिता–बिरजू महतो, निवासी–बांका, थाना–कटकमदाग बताए गए। उनके पास से एक देशी पिस्टल, तीन जिंदा गोलियां, तीन मोबाइल और एक एक्टिवा स्कूटी बरामद की गई। पूछताछ में पंकज कुमार ने 15 अगस्त 2025 को खिरगांव पेट्रोल पंप मैनेजर के साथ हुई लूट में भाग लेने की बात कबूल की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने पेट्रोल पंप कर्मचारी राहुल कुमार (20 वर्ष), पिता–मेघन साव, थाना–कटकमदाग को भी गिरफ्तार किया। उसके पास से 50,000 नकद बरामद हुआ। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि इस कार्रवाई से पेट्रोल पंप लूट की बड़ी साजिश नाकाम हुई और अपराधियों के नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद, प्रभारी बड़ा बाजार ओ.पी. पंकज कुमार, सुधीर कुमार एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

सोशल मीडिया पर राजनीतिक पोस्ट शेयर करने के आरोप में बड़गड़ प्रखंड के लिपिक निलंबित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। बड़गड़ प्रखंड कार्यालय में पदस्थापित उच्चवर्गीय लिपिक अमित तिवारी को सोशल मीडिया पर राजनीतिक कटाक्ष से जुड़ा समाचार पत्र की कतरन शेयर करने के आरोप में अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है। मामले में उपायुक्त, गढ़वा की ओर से स्पष्टीकरण मांगा गया था। प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से तिवारी ने जवाब प्रस्तुत किया, लेकिन असंतोषजनक पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, किसी भी सरकारी सेवक द्वारा सोशल मीडिया पर राजनीतिक कटाक्ष या इस तरह की पोस्ट शेयर करना झारखंड सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 और कार्मिक विभागीय परिपत्र संख्या-624 (दिनांक 04.02.2025) का उल्लंघन है। यह आचरण अशोभनीय माना गया और कर्तव्य के प्रति निष्ठा की कमी का द्योतक बताया गया। नियमों के उल्लंघन के आधार पर तिवारी को झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2016 के नियम-9 के तहत निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्रखंड कार्यालय धुरकी निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। साथ ही, प्रखंड विकास पदाधिकारी बड़गड़ को एक सप्ताह के भीतर आरोप पत्र गठित कर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

किसानों के हाथों में अब डिजिटल शक्ति : 'बिहार कृषि' मोबाइल एप लॉन्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। किसानों को तकनीक से जोड़ने और योजनाओं की सुविधा सरल बनाने के लिए बिहार सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को जानकारी दी कि राज्य सरकार ने 'बिहार कृषि' मोबाइल एप विकसित किया है, जो किसानों के लिए एक बहुउद्देशीय डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि इस एप के माध्यम से किसान विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ घर बैठे उठा सकेंगे।

झारखंड एटीएस ने बोकारो से एक युवक को किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। झारखंड एटीएस, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और रांची पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बोकारो जिले के पेटवार प्रखंड, बुंडू पंचायत निवासी अशहर दानिश को गिरफ्तार किया गया है। आशंका जताई जा रही है कि दानिश का संबंध आतंकी संगठन आईएसआईएस से है। सूत्रों के मुताबिक दानिश लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियों में शामिल था और उस पर खुफिया एजेंसियों की नजर बनी हुई थी। बोकारो पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया कि दानिश एक अच्छे परिवार से ताल्लुक

रखता है और रांची में रहकर पढ़ाई करता था। हालांकि बोकारो से किसी आतंकी गतिविधि का सीधा लिंक अभी सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि रांची में उसकी गतिविधियों और संपर्कों की जांच की जा रही है। चूंकि वह काफी समय से रांची में रहकर पढ़ाई और तैयारी कर रहा था, इसलिए वहीं से उसके नेटवर्क और संभावित लिंक तलाशे जा रहे हैं। एसपी ने साफ किया कि यदि दानिश के खिलाफ आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता के पुख्ता सबूत मिलते हैं, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल एटीएस और दिल्ली पुलिस की टीम मामले की गहन जांच कर रही है। गिरफ्तारी के बाद इलाके में सुरक्षा एजेंसियों की चौकसी और सतर्कता और बढ़ा दी गई है।

पत्रकार राजदेव रंजन हत्याकांड में दोषियों को उम्रकैद

सीवान (नबिटा ब्यूरो)। जिले के पत्रकार राजदेव रंजन हत्याकांड में आज सीबीआइ की अदालत ने तीन दोषियों को सजा सुनाई है। सीबीआई कोर्ट ने विजय कुमार गुप्ता, रोहित कुमार सोनी और सोनू कुमार गुप्ता को आजीवन कारावास और 30 हजार आर्थिक दंड की सजा सुनाई है। 30 अगस्त को अदालत ने सुनवाई पूरी करने के बाद विजय कुमार गुप्ता, रोहित कुमार सोनी और सोनू कुमार गुप्ता को हत्या का दोषी ठहराया था। वहीं, सबूतों के अभाव में लदन मियां, राजेश कुमार और रिशु कुमार जायसवाल को बरी कर दिया था।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के छह अधिकारियों का तबादला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 6 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। आईएएस नर्मदेश्वर लाल को गन्ना उद्योग विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा बुधवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की गयी है। 2008 बैच के आईएएस बी. कार्तिकेय धनजी को लघु जल संसाधन विभाग का सचिव बनाया गया है। उनका गन्ना उद्योग विभाग से ट्रांसफर किया गया है। इसी तरह पदस्थापना की प्रतीक्षा में रहीं छिरिंग वाई. भूटिया को स्वास्थ्य विभाग में अपर सचिव बनाया गया है। 2014 बैच के आईएएस यशपाल मीणा को भी स्वास्थ्य विभाग में अपर सचिव के पद पर तैनात किया गया है। उनका जल संसाधन विभाग से तबादला किया गया है। वहीं, आईएएस रजनीश कुमार सिंह को स्थानांतरित करते हुए निबंधक, सहयोग समितियां, बिहार की जिम्मेदारी दी गई है। अंशुल अग्रवाल को निबंधक, सहयोग समितियां के पद से स्थानांतरित करते हुए मद्य निषेध विभाग में निबंधन महानिरीक्षक सह उत्पाद आयुक्त बनाया गया है। बता दें कि नर्मदेश्वर लाल 1998 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे अभी लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव के पद पर तैनात थे। अब उन्हें गन्ना उद्योग विभाग में भेजा गया है। उनके पास सामान्य प्रशासन विभाग के जांच आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार पूर्ववत रहेगा।

एसआइटी ने आठ आरोपितों को दबोचा

मामला बड़कागांव में हत्या और अपहरण का

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र में हत्या और अपहरण से जुड़े गंभीर आपराधिक षड्यंत्र का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। इस मामले में आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कार्रवाई की जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 8 जुलाई 2025 को संगीता देवी, पत्नी दिनेश प्रजापति, ग्राम पिपराडीह ने थाने में लिखित आवेदन दिया। आवेदन में आरोप लगाया गया कि 6 जुलाई की सुबह 8 से 9 बजे के बीच उनके पति दिनेश प्रजापति को 1,00,000 के लेन-देन के विवाद को लेकर सुभाष प्रजापति और उनके पिता महेश

प्रजापति ने अपहरण कर लिया। इस आवेदन के आधार पर बड़कागांव थाना में कांड संख्या 180/25 दर्ज किया गया। अनुसंधान के क्रम में 10 जुलाई को अपहृत दिनेश प्रजापति का शव कुम्हरडीहा स्थित एक कुएं से बरामद हुआ। इसके बाद 11 जुलाई को बड़कागांव थाना में कांड संख्या 185/25 दर्ज किया गया। इस कांड में महेश प्रजापति और उनके सहयोगियों पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने घर से किसी को घसीटकर पीटा, घर में लूटपाट और आगजनी की, तथा पुलिस के साथ झड़प की। घटना की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बड़कागांव के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (एसआइटी) का गठन किया गया। एसआइटी ने लगातार छापामारी अभियान चलाकर आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में देवकी प्रजापति (35), शिबु यादव उर्फ पिन्टु उर्फ छोटु (37), महानन्द प्रजापति (31), दिनेश प्रजापति उर्फ दिनेश्वर प्रजापति (38), बड्डु गोप उर्फ सिकन्दर गोप (40), गोपजी उर्फ घनश्याम यादव (38), गणेश यादव (40) और राजु प्रजापति (30) शामिल हैं। सभी आरोपित ग्राम पिपराडीह, थाना बड़कागांव के निवासी हैं। कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में बड़कागांव, केरेडारी, डाडीकला, सिकरी और अन्य थाना प्रभारी तथा पुलिस बल और सशस्त्र जवान शामिल थे। एसआइटी की त्वरित कार्रवाई के चलते हत्या, अपहरण और आपराधिक षड्यंत्र के इस जघन्य मामले में बड़ी सफलता हासिल हुई है। पुलिस ने बताया कि आगे आरोपितों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी और मामले में शामिल अन्य अज्ञात सहयोगियों की पहचान के लिए छापामारी जारी रहेगी। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की दिशा में भी संदेश गया है कि पुलिस किसी भी आपराधिक षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं करेगी।

जर्जर आवास गिरने से तीन की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद (झरिया)। बुधवार को लोदना आठ नंबर बीसीसीएल क्वार्टर में एक बड़ा हादसा हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हुए। जानकारी के अनुसार, जोरदार बारिश के दौरान कुछ बच्चे क्वार्टर में छिपे हुए थे, तभी जर्जर आवास अचानक गिर गया। इसके चलते बच्चे और अन्य लोग दब गए। घायलों को फुसबंगला मुस्कान हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार के बाद धनबाद पीएमसीएच रेफर किया गया। वर्तमान में उनका इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। सूचना मिलते ही झरिया विधायक रागिनी सिंह घटना स्थल पर पहुंचीं और प्रभावित परिवारों से हालात की जानकारी ली। अधिकारियों ने बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन मामले की जांच कर रहे हैं, जबकि राहत और बचाव कार्य जारी है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बनाये गये 90712 मतदान केंद्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सभी 38 जिलों में मतदान केंद्रों का निर्धारण कर दिया गया है। विधानसभा चुनाव में 243 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 90712 मतदान केंद्र निर्धारित हुए हैं। निर्वाचन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक राज्य में सबसे अधिक 14 विधानसभा क्षेत्र वाले पटना जिले में सर्वाधिक 5665 मतदान केंद्र बनाये गये हैं। वहीं, एकमात्र विधानसभा क्षेत्र वाले शिवहर जिले में मात्र 368 मतदान केंद्र होंगे। निर्वाचन विभाग के मुताबिक पटना सहित आठ जिलों में दस या उससे अधिक विधानसभा क्षेत्र हैं। वहीं, पांच या उससे अधिक और 10 से कम विधानसभा क्षेत्र वाले 17 जिले जबकि पांच से कम विधानसभा क्षेत्र वाले 13 जिले हैं। पटना के बाद मुजफ्फरपुर जिले में सबसे अधिक 4186 मतदान केंद्र बनाये गये हैं। इसके बाद पूर्वी चंपारण, मधुबनी, गया, समस्तीपुर और दरभंगा में सर्वाधिक मतदान केंद्र बने हैं। सबसे कम मतदान केंद्र वाले जिलों में शिवहर, शेखपुरा, अरवल, लखीसराय, जहानाबाद शामिल हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार राज्यभर में 12817 नये मतदान केंद्र जोड़े गये हैं। 1200 से कम मतदाता पर मतदान केंद्र का निर्धारण करने से यह संख्या बढ़ी है। पहले मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम सीमा 1500 थी, जिसे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अधिकतम 1,200 कर दिया गया है। इसके चलते बिहार में मतदान केंद्रों की कुल संख्या पहले 77,895 से बढ़कर 90,712 हो गई। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने इस साल सभी 90712 मतदान केंद्रों पर लाइव वेब-कास्टिंग की व्यवस्था की है।

कोई भी योग्य सामाजिक पेंशनधारी नहीं छूटे : नीतीश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के एक करोड़ 13 लाख लाभार्थियों के खाते में 1263 करोड़ 95 लाख रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जून माह से सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं विधवा महिलाओं को हर माह मिलने वाली पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये प्रतिमाह कर दी गयी है। सभी 38 जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि मुख्यमंत्री ने आज डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों को राशि ट्रांसफर कर दी है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में पिछले माह की तुलना में 1 लाख 23 हजार नये लाभुकों को स्वीकृति प्रदान की गई है। जून से अगस्त तक कुल पेंशनधारियों की संख्या में 2.22 लाख की वृद्धि हुई है। नीतीश कुमार ने कहा कि कोई भी योग्य सामाजिक पेंशनधारी छूटे नहीं इसका विशेष ख्याल रखें। आज सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों को अगस्त माह की 1100 रुपये की पेंशन राशि उनके खाते में अंतरित की गई है, इसके लिए मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं आप सभी को बधाई देता हूं। समय पर पेंशन की राशि लाभुकों के खाते में पहुंचने से उन्हें सहूलियत होती है। सभी के जीवन को सम्मानजनक तथा बेहतर बनाने के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। बिहार में 6 प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों के खाते में राशि भेजी जा रही है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत 35,38,296 पेंशनधारियों के खाते में आज कुल 389 करोड़ 30 लाख 96 हजार रूपये की राशि अंतरित की गयी है। वहीं मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के तहत 51,98,211 पेंशनधारियों के खाते में 585 करोड़ 86 लाख 97 हजार 900 रूपये, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के अंतर्गत 6,35,719 पेंशनधारियों के खाते में 70 करोड़ 31 लाख 93 हजार 100 रूपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना के अन्तर्गत 1,10,319 पेंशनधारियों के खाते में 12 करोड़ 13 लाख 79 हजार 700 रूपये, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 8,81,680 पेंशनधारियों के खाते मैं 97 करोड़ 97 लाख 82 हजार 700 रूपये एवं बिहार निःशक्तता पेंशन योजना के तहत 9,78,483 पेंशनधारियों के खाते में 108 करोड़ 33 लाख 2 हजार

सीएम ने 1433 करोड़ 77 लाख की लागत वाली योजनाओं का किया शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को पटना जिला अंतर्गत 1433 करोड़ 77 लाख रुपये की लागत से कुल 06 योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने दीदारगंज एवं बाढ़ जाकर आयोजित कार्यक्रम स्थल से विभिन्न योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया।

इसके अंतर्गत 1065 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से राज्य उच्च पथ संख्या 106-दीदारगंज-फतुहा-बख्तियारपुर-करजान पथ का 4-लेन में चौड़ीकरण, 9 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से बाढ़ के उमानाथ मंदिर परिसर के समीप श्मशान घाट का विकास और विद्युत शवदाह गृह के निर्माण कार्य तथा 249 करोड़ 88 लाख रुपये की लागत से बख्तियारपुर-बाढ़-मोकामा पथ के 45.70

किमी अथमलगोला से मोकामा बाटा चौक तक पथ का चौड़ीकरण कार्य शामिल है।

साथ ही 11 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से बख्तियारपुर में हिदायतपुर एवं मंझौली के बीच घोबा नदी पर पुल का निर्माण कार्य, 67 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत से बाढ़ के उमानाथ मंदिर परिसर का सौंदर्गीकरण एवं नागरिक सुविधाओं का विकास कार्य तथा 29 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बाढ़ वाटर ड्रेनेज का निर्माण कार्य शामिल है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि दीदारगंज से करजान तक फोरलेन पथ के चौड़ीकरण हो जाने से यातायात में सुविधा होगी। बख्तियारपुर में एलिवेटेड बाईपास तथा फतुहा में फ्लाईओवर बनने से लोगों का आवागमन और सुगम होगा। मुख्यमंत्री बख्तियारपुर के सीढ़ी घाट भी गये और सीढ़ी घाट पर कराये जा रहे विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने दीदारगंज-फतुहा बख्तियारपुर-करजान पथ के बाईपास का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर के श्री राधे कृष्ण मंदिर एवं बाढ़ के उमानाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, विधायक ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव कुमार रवि, पथ निर्माण संसाधन विभाग के सचिव संदीप कुमार आर. पुदकलकुट्टी आदि उपस्थित थे।

एरोबिक जिमनास्टिक नेशनल चैंपियनशिप में झारखंड के खिलाड़ियों का जलवा, जीते 21 पदक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। केरल के कोच्चि में 7 से 10 सितंबर तक आयोजित एरोबिक जिमनास्टिक नेशनल चैंपियनशिप 2025-26 में झारखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 21 पदक अपने नाम किए। इनमें जूनियर वर्ग में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल तथा सीनियर वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। झारखंड टीम की इस उपलब्धि को खास माना जा रहा है क्योंकि खिलाड़ियों ने सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर यह सफलता हासिल की। देशभर से सैकड़ों खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। नेशनल डेवलपमेंट कैटेगरी में धनबाद के पृथ्वी देव भट्टाचार्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया में चौथा स्थान प्राप्त किया। उनका पैतृक घर धनबाद के कांजीडीह में है और वर्तमान में वे रांची में रहकर पढ़ाई के साथ जिमनास्टिक का अभ्यास कर रहे हैं। सब-जूनियर वर्ग में आदित्य राज, हर्षित राज, अनमोल कलिता, आथर्व गुप्ता, दिव्यांश कुमार और आरव तिवारी ने शानदार तालमेल और दमखम दिखाया। वहीं, यूथ कैटेगरी में सौम्य सशांक कुजूर, रुद्र कुमार, आदित्य राज, हर्षित राज और आथर्व गुप्ता ने फाइनल में जगह बनाई। इस वर्ग में प्रतिस्पर्धा सबसे अधिक कड़ी मानी जाती है और झारखंड के खिलाड़ियों का प्रदर्शन राज्य के लिए गौरव का विषय बना। झारखंड जिमनास्टिक संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन आने वाले समय में राज्य के खेल परिदृश्य को नई दिशा देगा।

आयुक्त ने की समीक्षा बैठक दिए जरूरी दिशा-निर्देश

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं अन्य विकास योजनाएं तथा आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाओं को विभागीय समन्वय एवं समयसीमा में पूर्ण करने का दिया गया निर्देश पारदर्शिता एवं सुनियोजित तरीके से उक्त सभी योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा शत-प्रतिशत लाभुकों को लाभान्वित करना सुनिश्चित किया जाए विकास कार्य प्रभावित न हो, योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लाभुको को लाभान्वित करने में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी:- उपायुक्त उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की निरीक्षण करने के निर्देश दिए उपायुक्त ने विकासात्मक योजनाओं अंतर्गत किए जा रहे कार्यों में आने वाली समस्याओं पर चर्चा कर आपसी समन्वय स्थापित करते हुए संबंधित विभाग से सम्पर्क स्थापित कर कार्य करने की बात कही समाहरणालय सभागार में आज जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समन्वय-सह-समीक्षा बैठक का आयोजन किया।

उपायुक्त ने विभिन्न विभागों अंतर्गत किए जा रहे कार्यों से संबंधित पूर्व में किए गए बैठक में दिए गए दिशा-निदेर्शों की समीक्षा करते हुए कार्य प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए लंबित कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि जिला में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, पेयजल और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से कोई भी नागरिक वंचित न रहे, आवश्यक आधारभूत संरचना का निर्माण सही समय पर हो यह जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से कहा कि वे जनहित को सर्वोपरि रखते हुए टीम भावना के साथ कार्य करें और अपने-अपने स्तर पर निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुंचे। बैठक में उपायुक्त ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की बारी-बारी समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया गया। आगे उन्होंने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत पीएचसी, सीएचसी, हेल्थ सब सेंटर, भू अर्जन, एनएचएआई, सहकारिता विभाग, समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्र की अद्यतन स्थिति, कल्याण विभाग अंतर्गत छात्रावास जीर्णोद्धार, छात्रवृति योजना, साइकिल वितरण, जाहेरस्थान, आदि कर्मयोगी अभियान, बिरहोर विद्यालयों, भूमि संरक्षण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं, आपदा एवं हिट एंड रन केस, कृषि विभाग, योजना विभाग, शिक्षा विभाग, विद्युत विभाग, राजस्व, परिशोधन पोर्टल, पीजी पोर्टल, सीपी ग्राम्स, ई रेवेन्यू कोर्ट, इंटर डिपार्टमेंट एंड लैंड ट्रांसफर के तहत श्रम विभाग, ऊर्जा विभाग, शिक्षा विभाग के लिए भूमि संबंधी समस्याओं, मनरेगा के तहत कार्यान्वित योजनाओं में अबुआ आवास, लेबर इंगेजमेंट, बिरसा हरित ग्राम योजना, बिरसा हरित सिंचाई कूप संवर्धन योजना, पौधारोपण, वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना, डोभा, पीएम आवास, पीएम जनमन समेत विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की बारी-बारी समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि बरसात के दिनों में खराब हुई सड़कों की मरम्मती जल्द से जल्द कराएं। साथ ही पचम्बा फोरलेन को लेकर निमार्णाधीन सड़क की प्रक्रिया में तेजी लाने हेतु सख्त निर्देश दिया गया। वहीं पचम्बा में विवाह भवन से ओवरब्रिज तक पीसीसी का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू कराएं। वहीं उपायुक्त ने विभिन्न विभागों अंतर्गत किए जा रहे कार्यों में आने वाली समस्याओं पर चर्चा कर आपसी समन्वय स्थापित करते हुए संबंधित विभाग से सम्पर्क स्थापित कर कार्य करने की बात कही। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी विभागों को सख्त निर्देश दिया कि विकास कार्य प्रभावित न हो, योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लाभुको को लाभान्वित करने में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएं एवं प्रगति सुनिश्चित करें।बैठक में पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, निदेशक डीआरडीए, जिला आपूर्ति पदाधिकारी समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, सभी कार्यपालक अभियंता समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों को दी गई गुड और बेड टच की जानकारी

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बरगंडा स्थित ब्लूमिंग बड्स प्ले स्कूल में 'गुड टच और बैड टच' विषय पर बच्चों को संवेदनशीलता और सुरक्षा की दृष्टि से जागरूक करने हेतु इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा एक महत्वपूर्ण वार्ता आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को यह समझाना था कि कौन सा स्पर्श सुरक्षित और स्वागतयोग्य है (गुड टच), और कौन सा स्पर्श अस्वीकार्य या अवांछनीय हो सकता है बैड टच यह साझेदारी बच्चों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। वंही सत्र के अंत में, सभी उपस्थित छात्रों को उपयोगी स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई, जिससे उनका शैक्षिक सहयोग सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर क्लब की पीडीसी पूनम सहाय, प्रेसिडेंट कविता राजगढ़िया, सचिव स्मृति आनंद तथा सदस्य तनुजा भूषण उपस्थित रहीं। बहरहाल इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन की यह पहल बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने, सामाजिक जिम्मेदारी निभाने और आपसी सहानुभूति बढ़ाने के दृष्टि से अत्यंत सराहनीय है।

लूट की योजना बना रहे चार लुटेरों को छतरपुर पुलिस ने हथियार व वॉकी-टॉकी के साथ किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक ने प्रेस के सामने चारों लुटेरों को किया प्रस्तुत

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। छतरपुर पुलिस ने लूट की योजना बना रहे चार लुटेरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इनके पास से कई असलहा व वॉकी- टॉकी बरामद किया है। उक्त जानकारी पलामू की पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने दी। उन्होंने छतरपुर पुलिस द्वारा पकड़े गए चारों लुटेरों को पत्रकारों के सामने प्रस्तुत किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी की चार संदिग्ध व्यक्ति असलहा के साथ लूट व डकैती की योजना बना रहे हैं।

उन्होंने छतरपुर के एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम का गठन कर छापामारी का निर्देश दिया। छतरपुर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की। साथ ही काफी सूझबूझ से चार व्यक्ति को हथियार, जिंदा गोली, वाकी-टाकी के साथ गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर वर्ष 2024 में छतरपुर थाना अंतर्गत सरईडीह मोड़ स्थित सीएसपी बैंक से लूटे लैपटॉप व इसी वर्ष अगस्त में छतरपुर थाना अंतर्गत सड़मा सीएसपी बैंक से लूटे मोबाइल को बरामद किया गया। इसी वर्ष अगस्त में छतरपुर थाना अंतर्गत सड़मा सीएसपी बैंक में लूट में प्रयुक्त स्कूटी वाहन को भी बरामद कर लिया गया है। पूर्व में सड़मा सीएसपी बैंक में लूटपाट के दौरान प्रयुक्त एक देशी कट्टा को बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि छतरपुर थाना के भीखही गांव के 19 वर्षीय रंजन उरांव उर्फ मुन्ना, भीखही गांव के ही 22 वर्षीय विकेश कुमार उर्फ विकाश व छतरपुर के ही लक्ष्मण डोम का 22 वर्षीय पुत्र छोटू कुमार उर्फ सागर राज को गिरफ्तार किया गया है। जबकि चार अन्य फरार हो गए।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार छोटू कुमार उर्फ सागर राज का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। मंजीत कुमार, छतरपुर के अरर गांव का 19 वर्षीय छोटू कुमार पर शहर थाना, डालटनगंज कांड संख्या-242/24, धारा-303 (2) बीएनएस, छतरपुर थाना कांड संख्या-229/21, धारा-414/34 भादवि, छतरपुर थाना कांड संख्या- 220/ 24, धारा- 115 (2)/ 117 (2)/352/ 351 (2)/ 3(5) बीएनएस, खलारी थाना कांड संख्या- 04/25, दिनांक 12. 01.2025 धारा-87 /3(5) इठर & 8/12 पास्को एक्ट दर्ज है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अपराधियों के पास से एक देसी कट्टा, एक रिवाल्वर, दो जिंदा गोली, वर्ष 2024 में छतरपुर थाना अंतर्गत सरायडीह मोड़ स्थित सीएसपी बैंक से एक लूटा हुआ लैपटॉप, इसी वर्ष अगस्त में छतरपुर थाना अंतर्गत सडमा सीएसपी बैंक से एक लूटा हुआ मोबाईल, चार अन्य मोबाइल फोन, एक स्कूटी वाहन व चार वॉकी टॉकी बरामद किया गया है। इनके विरुद्ध छतरपुर थाना कांड संख्या 182/2025 दिनांक 10/09/2025 धारा 310 (4) (5) इठर 2023 & 25 (1-इ) /26/ 35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया है।

■ कई सीएसपी के लूटे गए लैपटॉप सहित अन्य सामान बरामद

उन्होंने बताया कि छापामारी दल में छतरपुर के पुअनि सह थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, पुअनि सुशील उरांव, सअनि राजीव कुमार, छतरपुर थाना, सअनि परमानंद पाल, छतरपुर थाना, सअनि रेवा शंकर राणा, पलामू की तकनिकी शाखा सहित छतरपुर थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

खास महाल की भूमि को फ्री होल्ड करे राज्य सरकार : आशीष भारद्वाज

■ खास महाल भूमि फ्री होल्ड करा के मानेंगे, कहने वाले पूंजीपति अब लीज नवीनीकरण के संभावित प्रस्ताव पर थपथपा रहे हैं अपनी पीठ

■ व्यवसाइयों को गुमराह करना बंद करें

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। युवा समाजसेवी आशीष भारद्वाज ने झारखंड सरकार से मेदिनीनगर शहर के व्यवसायियों की चीर- परिचित खास महाल की भूमि को फ्री होल्ड करने की मांग को पूरा किया जाए। आशीष भारद्वाज ने कहा कि पलामू उनका घर -द्वार है। जब शहर उनकी है तो उनकी भूमि की मलकियत किसी और का क्यों व कैसे रहेगा।

आजादी के 79 सालों के बाद भी जमीन के टुकड़े के लिए लागातार संघर्ष करना पड़ रहा है, जिस पर उनके पूर्वजों ने कई पीढ़ी पहले अपने भविष्य को सुरक्षित करने को अपना घर-द्वार व व्यापार खड़ा किया। आज भी खास महाल अंग्रेजों की गुलामी का एक प्रतीक के रूप में हमारे समक्ष खड़ा है। छोटानागपुर के सबसे पुराने शहर होने के बावजूद भी खास महाल की वजह से शहर का विकास रुका हुआ है। खास महाल के नाम पर सरकार मेदिनीनगर वासियों व व्यवसायी बंधुओं का लगातार दोहन कर रही है। आप जब लीज नवीनीकरण करवाने जाइएगा तो पदाधिकारियों को

अंडरटेबल उतना देना पड़ेगा, जितने में आप शहर के अन्य हिस्से में लीज नवीनीकरण कराने जा रहे भूमि से ज्यादा भूमि खरीद सकते हैं। लीज नवीनीकरण के नाम पर इतना बड़ा भ्रष्टाचार फैला है उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। शहर में कुछ पूंजीपति लोग लगातार व्यवसायियों व नगरवासियों को भ्रमित कर बेवकूफ बनाने का काम कर रहे हैं। पहले ऐसे ही लोगों ने हल्ला मचा रखा था कि खास महाल की भूमि फ्री होल्ड करा के मानेंगे। आज लीज नवीनीकरण के संभावित प्रस्ताव पर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। ये सरासर नगरवासियों को ठगने की बात हुई। झारखंड सरकार इस प्रदेश में रहने वाले हरेक प्रदेश वासियों के गार्जियन है। आशीष भारद्वाज ने सरकार से खास महाल की भूमि को फ्री होल्ड कर नगरवासियों व हमारे मेहनतकश व्यवसाई बंधुओं को उनके अपने भूमि का मालिकाना हक दे। इससे वे शहर के विकास में अपना समुचित योगदान दे सकें।

रानी लक्ष्मी बाई मध्य विद्यालय में पाठ्य सामग्री का वितरण

सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें बच्चे : अरविंद

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रानी लक्ष्मी बाई मध्य विद्यालय गिरिडीह में आज बच्चों के बीच शिक्षा विभाग की ओर से मिले पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रेड क्रॉस के चेयरमेन अरविंद कुमार कार्यक्रम में शामिल हुए। विद्यालय परिवार की ओर से बुके देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया व स्कूल की बच्चियों ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। इस दौरान विद्यालय की लगभग 200 छात्र-छात्राओं के बीच पाठ्य सामग्री व टॉफी का वितरण किया गया। अपने संबोधन में श्री कुमार ने बच्चों को सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि परीक्षा में मिलने वाला मार्क्स आपके जज्बे व हुनर का पैमाना नहीं होता है। इसलिए कभी अपेक्षा से कम अंक मिल भी जाये तो निराश होने की जरूरत नहीं है। इस दौरान उन्होंने जल्द ही विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर लगवाने की भी बात कही ताकि बच्चियों में हीमोग्लोबिन की जांच व समुचित स्वास्थ्य समाधान हो सके धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने किया जबकि संचालन शिक्षिका भवानी कुमारी ने किया। इस मौके पर शिक्षिका पल्लवी प्रबोध, प्रियंका श्रीवास्तव, अध्यक्ष प्रकाश दास, शिक्षक ऋषिकेश भारती समेत कई लोग मौजूद थे।

झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज कुछ लोगों के स्वार्थ को पूरा करने के लिए बनाया गया : उषा कुमारी

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज बैनर तल्ले दिनांक 7.9.25 हुए सम्मान एवं शपथ ग्रहण समारोह में महिला कमिटी का गठन किया गया तथा घोषणा की गई जिसमें जिला अध्यक्ष के रूप में उषा कुमारी को बनाया गया उषा कुमारी ने बुधवार समाज के महिला के साथ प्रेस वार्ता में कई गंभीर आरोप लगाते हुए अन्य महिला के साथ अपना इस्तीफा सौंप दी। उन्होंने का कहा कि झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज कुछ लोगों की स्वार्थ को पूरा करने के लिए बनाया गया। समाज में महिला सम्मान की बात करते है लेकिन वह सिर्फ कहने को है।

महिला को कठपुतली के तरह इस्तेमाल करना चाहते है जो हम सभी बर्दाश्त नहीं कर सकते। हमारा लक्ष्य समाज को जगाने की रहेगी और महिला को खासतौर पर अपने हक और अधिकारों के लिए घर से बाहर निकाल कर कदम से कदम मिलाकर कार्य करने का प्रयास करेंगे। आने वाले दिनों में इसकी बानगी दिखाई देगी आने वाले दिनों में कुछ लोग जो मनमाने तरीके से समाज को चला रहे वैसे व्यक्तियों का क्रियाकलाप को भी उजागर किया जाएगा। चाहे वह पंचायती के नाम पर घूसखोरी हो या बंद कमरे में निर्णय लेने की बात हो। चाहे समाज के वोट को बेचने की बात हो चाहे समाज को अपमानती करने वाले को दोस्त बनाने की बात

हो। यह लड़ाई बंद कमरे थी लेकिन कुछ हिटलर शाही लोग सोशल मीडिया में डाल कर समाज को कमजोर करने का प्रयास किए वैसे लोगो को मंशा उजागर किया जाएगा। हम समाज से भी आग्रह करते हैं कि आप जागे और अच्छे उद्देश्यों के लिए गहन चिंतन करें तथा जो शोषण और इस्तेमाल करते है उनका बहिष्कार करें। कुछ लोग अपने स्वार्थ के लिए मनमाने ढंग से चलाना चाह रहे हैं तो उन्हें कह देते है कि हम समाज की बेटी है जो टेढ़ी कील को भी सीधा कर समाज में गढ़ने का काम करेंगे। रेखा देवी, संजना शर्मा समेत अन्य महिला ने इस्तीफा गिरिडीह जिलाध्यक्ष को दे दी। प्रेस वार्ता के दौरान सरिता देवी ललिता देवी आरती आर्यन राणा वर्षा कुमारी शर्मा सोनिया शर्मा सविता शर्मा तारा देवी समेत महिला उपस्थित थी।

विद्यार्थियों के हित में विश्वविद्यालय फैसला लेगा तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा : नीरज चौधरी

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गिरिडीह के द्वारा पुन गिरिडीह महाविद्यालय के प्राचार्य को स्नातक सेमेस्टर 1 (2024-28) के परीक्षा परिणाम को सुधार कर दुबारा परिणाम घोषित करने को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

अभाविप के नगर मंत्री नीरज चौधरी ने कहा कि कुछ दिन पूर्व हमने इस विषय को लेकर सुबह 8 बजे से रात्रि 9 बजे तक धरना प्रदर्शन किए जिसके बाद प्राचार्य के द्वारा हमें आश्वासन दिया कि इस पर निर्णय लिया जाएगा लेकिन 7 दिन बीत जाने के बाद भी विश्वविद्यालय के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं दिया गया है । इस लिए आज पुनः हम सुबह 8 बजे से भूख हड़ताल में बैठे हुए है सुबह से हमने 1बूंद पानी तक नहीं पिया है। हमारा मुख्य मांग है कि स्नातक सेमेस्टर 1 में गिरिडीह

महाविद्यालय गिरिडीह के लगभग 50% विद्यार्थियों को प्रमोट कर दिया गया है। पूर्व में दिए गए परीक्षा परिणाम को रद कर के पुनः परिणाम विद्यार्थियों के हित में देख के जारी किया जाए । अभाविप के नगर सह मंत्री अनीश रॉय ने कहा कि ना ही गिरिडीह कॉलेज में सभी सब्जेक्ट के शिक्षक है और न ही विश्वविद्यालय समय पे विद्यार्थियों का परीक्षा लेती है। जब तक हमें एक ठोस आश्वाशन नहीं मिलेगा की विद्यार्थियों के हित में विश्वविद्यालय फैसला लेगी तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। अभाविप हमेशा विद्यार्थियों के साथ खड़ा है और रहेगा। मौके पे नगर सह मंत्री सदानंद राय, अभिजीत सिंहा, कृष्ण कुमार, विवेक कुमार, अंकुश सिंह, अंजलि कुमारी सावित्री कुमारी, दयानन्द कुमार, रितेश हेंब्रम, विकाश वर्मा, विशाल, विनोद, आनंद ,सचिन, सोनू ,आदि छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

मजदूर की मौत से भड़का लोगों का गुस्सा, मुआवजे की मांग को लेकर किया जाम

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उदनाबाद स्थित शिवम आयरन एंड स्टील प्लांट में एक बड़ी दुर्घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। फैक्ट्री के ओपनकास्ट यूनिट में काम कर रहे मजदूर खोलते पानी मे गिरने से मे मृत्यु हो गई, जिसके बाद परिजन और स्थानीय लोग आक्रोश में आकर फैक्ट्री के बाहर जमकर हंगामा करने लगे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उदनाबाद निवासी 25 वर्षीय मुकेश वर्मा उर्फ लालू रोज की तरह फैक्ट्री के ओपनकास्ट यूनिट में काम कर रहे थे। इसी दौरान खोलते पानी मे गिरने से हादसा हुआ और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद साथी मजदूरों और फैक्ट्री प्रशासन ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। मजदूर की मौत की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।दुर्घटना के बाद मृतक के परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में फैक्ट्री गेट पर इकट्ठा हो गए। लोगों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मृतक परिवार को उचित मुआवजा और आश्रित को स्थायी नौकरी देने की मांग उठाई। हंगामा बढ़ता देख स्थिति तनावपूर्ण होती गई।सूचना पाकर मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित भीड़ को शांत कराने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने

के साथ फैक्ट्री प्रबंधन और मृतक परिवार के बीच वार्ता शुरू कराई। जेएमएम केंद्रीय सदस्य सह जिला उपाध्यक्षअजीत कुमार पप्पू दिलीप उपाध्याय रॉकी सिंह अनूप सिंह कन्हैया सिंह भारत यादव दिलीप रजक इन लोगों के द्वारा फैक्ट्री प्रबंधक से वार्ता जारी थी और मुआवजा राशि पर सहमति बनाने की कोशिश की जा रही थी। स्थानीय लोगों ने कहा कि फैक्ट्री प्रबंधन मजदूरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है, जिसकी वजह से आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं। लोगों का आरोप है कि श्रम कानूनों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिसका खामियाजा मजदूरों की जान देकर चुकाना पड़ रहा है। मुकेश वर्मा की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो और मृतक परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले जेएमएम के केंद्रीय सदस्य सह जिला उपाध्यक्षअजीत कुमार पप्पूने कहा जिलें मे एक कमिटी बनाई जाएगी जो हर फैक्ट्री की समय समय पर जाँच करेंगी जो मजदूरों की सुरक्षा का ध्यान रखती है कि नहीं इसकी निगरानी कमेटी करेगी और फैक्टरी मालिकों को कारखाना एक्ट नियमों का पालन करने की हिदायत देगी बैठक में बात 25 लख रुपए पर बनी और ?50000 का संस्कार के लिए दिया गया।

आदिवासियों की जमीन को लूटने नहीं देंगे : अशोक पासवान

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। माले को बहुत आगे लेकर जायेंगे,गरीब,किसान, मजदूर,मजबूर को एक मंच पर लाएंगे प्रखंड कमिटी गाण्डेय , गिरिडीह, बेंगाबाद एवं गिरिडीह सदर प्रखंड कमिटी तथा गिरिडीह गाण्डेय विधान सभा क्षेत्र के जिला कमेटी सदस्यों को लेकर एक संयुक्त बैठक कोरबंधा, केनारी ग्राम में कामरेड संतोष बास्के के आवास में हुई जिसमें पार्टी के जिला सचिव कामरेड अशोक पासवान और अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कामरेड पुरन महतो उपस्थित थे।

बैठक की शुरूआत साथी रामा सिंह सहीत हाल ही में गिरिडीह, जमुआ के दिवंगत हुए कामरेडों के प्रति एक मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात गाण्डेय विधान सभा प्रभारी कामरेड शंकर पाण्डेय ने विगत 2 सितम्बर, 2025 को बिरनी में जिला स्टैंडिंग कमिटी के निर्णयों से सम्बन्धित जिला सचिव द्वारा जारी सर्कुलर का पाठ किया गया। उसके बाद जिला कमेटी सदस्य सह असंगठित मजदूर मोर्चा के केन्द्रीय सचिव कामरेड कान्हाई पाण्डेय ने 1 सितंबर को धनबाद में सम्पन्न अंसगठित मजदूर मोर्चा के राष्ट्रीय सम्मेलन, गिरिडीह फैक्ट्री एरिया में मजदूरों के हक व अधिकार और दुर्घटना में मारे ग?ए मजदूरों के आश्रितों को मुआवजा दिलाने में संगठन के उपलब्धियों पर विस्तार से बताया और आगामी 23 सितम्बर को जिला मुख्यालय में जनमुद्दों के साथ साथ पुलिसिया जुल्म के खिलाफ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन की सफलता को लेकर

सुझाव दिया। कामरेड पुरन महतो बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हेमंत सरकार ने पिछले विधानसभा चुनाव में स्थानीयता, फोरेस्ट लैण्ड में बसे दलित आदिवासी और पिछड़े वर्ग सहित सभी लोगों का कच्चा मकान पक्का करने का वादा किया। वन भूमि में सदियों से बसें आदिवासियों सहित सभी ग्रामीण गरीब गुरूबो को वन पट्टा देकर जमीन का मालिकाना हक देने और झारखंड में रोजगार का अवसर देकर झारखंड से पलायन को रोका जायेगा परन्तु ऐसा हुआ नहीं बल्कि थाना ब्लॉक में बिचौलिया हाबी है। पुलिसिया जुल्म जारी है। इसलिए हमारी पार्टी ने 23 सितम्बर को जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन कर आम जनता के सवाल को जोरदार ढंग से डीसी के माध्यम से सरकार के समक्ष रखेंगे गिरिडीह भाकपा-माले के जिला सचिव कामरेड अशोक पासवान ने अपने सम्बोधन में कहा कि मोदी सरकार ने जिस तरह से संवैधानिक संस्थाओं को कब्जे में ले कर तानाशाही राज्य कायम कर लोकतंत्र और संविधान पर लगातार चोट पहुंचाई गई है जिसे हमलोग खुली आंखों से बिहार में मतदान के अधिकार से गरीब गुरूबो और प्रवासी मजदूरों को बेदखल करने की कोशिश की जा रहीं हैं। हमारी पार्टी के अगुवाई में तमाम लोकतंत्र पसंद आम जनता मोदी सरकार के हर जन विरोधी, लोकतंत्र विरोधी कार्रवाई और मतदान के अधिकार को सुरक्षित करने के लिए हर मोर्चे पर लड़ रही है। एसआईआर के नाम पर एक खास समुदाय के प्रति विभाजनकारी राजनीति से माहौल को दूषित करने का जो प्रयास किया जा रहा है। हमारी पार्टी का नारा' वोट चोर गद्दी छोड़, का नारा बिहार से निकल कर पूरे देश में फैल चुका है। इसलिए अभी से ही एसआरआई यानि विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण के नाम पर वोट के अधिकार को सुरक्षित करने हेतु हर मतदाताओं को जागरूक करने में मदद करना होगा। हर बुथ पर पार्टी के तरफ से बीएलए बहाल कर वोट के अधिकार को बचाने में हमलोगों को आगे बढ़कर काम करने की चुनौती को स्वीकार करना ही होगा। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में गिरिडीह जिला से 5,00,000 (पांच लाख) कोष बिहार राज्य पार्टी कमेटी को देना है जिसे प्रखंडवार कोष संग्रह का लक्ष्य दिया गया है। गाण्डेय विधान सभा से 50000 देना है। 23 सितम्बर को जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन में गाण्डेय बेंगाबाद के साथी बड़ी गोलबंदी के साथ भाग लेने के लिए अपील किया।कामरेड राजेश सिन्हा, गाण्डेय प्रखंड सचिव कामरेड दारा प्रसाद सिंह, पीरटांड़ प्रखंड संयोजक कामरेड अजीत राय, गिरिडीह प्रखंड सचिव कामरेड मसूदन कोल्ह के अलावे प्रखंड कमिटी सदस्य कामरेड हिमांशु शेखर सिंह, संतोष बास्के, रोबिन बास्के, लखी प्रसाद सिंह, नवीन पाण्डेय, गुन्दवा देवी, सुनील बास्के ने भी अपने अपने सुझाव विचार को रखा विचारों उपरांत निम्नांकित प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया जो निम्नवत है प्रस्ताव संख्या -(१) प्रखंड कमिटी गाण्डेय के सांगठनिक मजबूती और जन संगठनों के विस्तार करने हेतु 19 सदस्यीय प्रखंड कमिटी में से 9 सदस्यीय प्रखंड स्थायी कमेटी का गठन करने का निर्णय के आलोक में निम्न अंकित सदस्यों को प्रखंड स्टैंडिंग कमिटी में शामिल कर गठन किया गया दारा प्रसाद सिंह -प्रखंड सचिव महताब अली मिर्जा -सदस हिमांशु शेखर सिंह लखी प्रसाद सिंह नवीन पाण्डेय।संतोष बास्के-लोबिन बास्के हीरालाल पंडित सुनील बास्के।प्रस्ताव संख्या गाण्डेय प्रखंड के मौजा कोरबंधा, केनारी में सदियों से बसें आदिवासियों - दलितो, पिछड़ों सहित अन्य समुदाय के ग्रामीण गरीब गुरूबो जो जल जंगल जमीन की सुरक्षा और परती भूमि पर जोत कोड़ कर खेती किसानी और मजदूरी कर जीवन यापन कर रहें हैं। हाल के दिनों में दबंगों भू-माफिया लगातार दलित आदिवासी को जमीन से बेदखल करने की कोशिश कर रहे है। वन भूमि का फर्जी कागजात बनाकर जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। वन अधिकार कानून के तहत सरकार वन भूमी में बसे लोगों को वन पट्टा नहीं दे रहे हैं फलस्वरूप जंगल को संरक्षित कर आबाद कर रहे यहां के लोगों को क?इ तरह के समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है अत?एव आज की बैठक में निर्णय लिया गया है कि आगामी 14 सितम्बर, 2025 को कोरबंधा गांव के फुटबोल मैदान में एक बड़ी सभा अखिल भारतीय किसान महासभा के तत्वावधान में आयोजित की जाएगी। सभा में राजधनवार के पूर्व विधायक कामरेड राजकुमार यादव और जिला कमिटी सदस्य कामरेड रामलाल मुर्मू को सभा में विशेष रुप से आमंत्रित किया जाय।

पत्रकार राजदीप आर्यन की माता के इलाज हेतु इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन ने दी आर्थिक सहायता

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्थानीय पत्रकार राजदीप आर्यन की माता योगीता देवी पिछले कुछ दिनों से गंभीर रूप से बीमार चल रही हैं। उनकी दोनों किडनी में पथरी होने के कारण स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता गया, जिस पर चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें तुरंत विश्वनाथ नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है।

चिकित्सकों के अनुसार उनका ऑपरेशन सोमवार रात को होना तय है इस कठिन समय में राजदीप आर्यन ने समाज से सहयोग की अपील की थी। उनकी अपील पर इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन की सदस्याओं ने आगे बढ़कर मानवीय पहल करते हुए आर्थिक मदद प्रदान की। क्लब की ओर से 10,000 का योगदान दियो पत्रकार राजदीप आर्यन ने इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन के सहयोग के लिए सभी सदस्याओं के प्रति आभार जताया और कहा कि इस दुःख की घड़ी में मिला यह सहयोग उनके लिए संबल का काम करेगा इस अवसर पर क्लब की पीडीसी पूनम सहाय, प्रेसिडेंट कविता राजगढ़िया, संगीता सिंहा , तनुजा सहाय, संगीता सिंह, तनुजा भूषण उपस्थित रहीं।

इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन की यह पहल सामाजिक जिम्मेदारी निभाने और आपसी सहानुभूति बढ़ाने के दृष्टि से अत्यंत सराहनीय है।

फिल्म स्टार डेजी शाह व अंजलि अरोड़ा के संग मेदिनीनगर की बहने खेलेंगी डांडिया : प्रियंका सिंघानिया

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर 27 एवं 28 सितंबर को मां दुर्गा के आगमन पर डांडिया नाइट का आयोजन किया जाएगा। इसमें 27 सितंबर को हमारी बहनें पूरे देश में धूम मचाने वाली यू -ट्यूब सुपरस्टार अंजलि अरोड़ा व 28 सितंबर को कई फिल्मों में हीरो सलमान के साथ काम कर चुकी फिल्म स्टार डेजी शाह के साथ शहर की बहनें डांडिया खेलेगी।

उक्त बातें पलामू चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज के लेडिज विंग की अध्यक्ष प्रियंका सिंघानिया ने कही। वे बुधवार को स्थानीय शिवाय ब्लू होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि लेडीज विंग के तत्वावधान में दुर्गा पूजा के अवसर पर डांडिया नाइट 2025 की तैयारी जोर-शोर से जारी है। कार्यक्रम को पलामू चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सारे सदस्यों का बड़ा सपोर्ट मिल रहा है । शहर के कई स्पॉन्सर अपना सहयोग दे रहे हैं । साथ ही मेदिनीनगर की प्रथम महापौर अरुणा दीदी, जिनके सहयोग के बिना

■ माननीय वित्त मंत्री करेंगे कार्यक्रम का उद्घाटन

■ प्रथम महापौर अरुणा शंकर होंगी मुख्य अतिथि

यह कार्यक्रम संभव नहीं होता, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उनका अभूतपूर्व सहयोग मिल रहा है। वे कार्यक्रम की मुख्य अतिथि होंगी?। उन्होंने बताया कि प्रवेश पत्र सीमित है। प्रवेश पत्र बाजार स्थित नवदीप वस्त्रालय, आनंद मोटर्स नवाटोली, गांधी उद्यान टिकट काउंटर, होटल निवार्ना व होटल शिवाय ब्लू परिसर स्थित रेशम बाई संध्या में उपलब्ध रहने तक मिलेगा। मौके पर चैंबर लेडीज विंग की सचिव शिखा अग्रवाल ने कहा कि शहर की बहनों को इस बार मुंबई व कोलकाता की मशहूर डीजे प्लेयर श्रेया के धुन पर डांडिया खेलने का अवसर मिलेगा। चेंबर की एग्जीक्यूटिव सदस्य टीना आनंद व संध्या जायसवाल ने तैयारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के उद्घाटन की स्वीकृति झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने दे दी है।उन्होंने कहा कि सांसद अभी दिल्ली गए हैं। उनके लौटते ही उन्हें भी उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया जाएगा । कहा कि कार्यक्रम गांधी उद्यान के प्रांगण में होगा। इसे अभूतपूर्व तरीका से सजाया जा रहा है ।कार्यक्रम में कोलकाता की मशहूर एंकर अंशिका व शहर की मशहूर एंकर शालिनी श्रीवास्तव मंच को बेहतर संचालन करेंगी। बताया कि कार्यक्रम स्थल पर नवरात्र के हिसाब से व्यंजन के स्टाल भी लगेंगे। साथ ही गुजरात से मंगाई गई डांडिया स्टिक का स्टॉल फील्ड में उपलब्ध होगा। मौके पर वाइस प्रेसिडेंट कोमल शर्राफ, रंजीता केडिया, ट्रेजर पूजा भिवानिया, प्रोजेक्ट हेड शिवानी आनंद, इवेंट हेड आरती आनंद, एग्जीक्यूटिव संध्या जायसवाल, क्रिएटिव हेड प्रीति राज, एग्जीक्यूटिव अंजू वर्मा, गुंजन अग्रवाल, अलका सिंघानिया सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थी।

एनएबी सुगम्य यात्रा पहली बार पहुंची गिरिडीह

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (दिल्ली) ने ग्लोबल इंडियन वुमन एसोसिएशन (गीवा) के सौजन्य से झारखंड में अपनी प्रमुख पहल सुगम्य यात्रा का विस्तार किया, जिसका उद्देश्य डिजिटल समावेशन जागरूकता और दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना है नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (एनएबी दिल्ली) ने अपनी प्रमुख पहल एनएबी सुगम्य यात्रा को गीवा के सौजन्य से 5, 6 और 7 सितम्बर 2025 को गिरिडीह, झारखंड तक पहुँचाया।

यह ऐतिहासिक कदम महिलाओं के सशक्तिकरण, दिव्यांगजन और दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए जागरूकता, सशक्तिकरण और सुगमता सुनिश्चित करने तथा समाज के साथ गहरा सहयोग बनाने की दिशा में उठाया गया तीन दिवसीय कार्यक्रम में कई इवेंट स्कूल स्टूडेंट्स, महिलाओं और दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए आयोजित किया गया, जहाँ प्रतिभागियों को कई सहायक तकनीकों से अवगत कराया गया अदिति एआई निशुल्क सेवा यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षित और सरल जानकारी ह्वाट्सऐप चैट करे - +91 80765

51617 श्रवण आईवीआर लाइब्रेरी झ टेलीफोन कॉल के माध्यम से मुफ्त पुस्तकें, अखबार और शैक्षिक सामग्री। कॉल करे- 080-71175215 सुगम्य भारत ऐप झ दिव्यांग व्यक्तियों के लिए भारत सरकार द्वारा सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्तियों, नौकरियों और शिकायत निवारण की एकीकृत सुविधा इस यात्रा के अंतर्गत कई महिलाओं को हाइजीन प्रोडक्ट्स और ४५ दृष्टिबाधित बच्चों और वयस्कों को फ्रीडम किट्स वितरित किए गए, जिनमें सफेद छड़ी, ब्रेल स्लेट, ब्रेल पेपर और टेलर फ्रेम शामिल थे। वहीं ब्लाइंड स्कूल को सुलभ अध्ययन सामग्री के लिए एक डेजी प्लेयर भेंट किया गया एनएबी दिल्ली टीम, गीवा टीम के अल्वा, गिरिडीह के प्रतिष्ठ सदस्यों ने इस आयोजन में भाग लिया श्री प्रशांत रंजन वर्मा (महासचिव, एनएबी दिल्ली) ने इस अवसर पे गिरिडीह के ब्लाइंड स्कूल को सहयोग देते ट्रेनर्स को नब दिल्ली में ट्रेनिंग के लिए आमंत्रित किया ताकि वे नहीं असिटिव टेक्नोलॉजी सीख कर गिरिडीह के लाभार्थियों तक पहुचाये और हेल्पलाइन से जोड़ने का आमन्त्रण दिया । इस अवसर पर श्रीमती भावना सहाय डायरेक्टर नब दिल्ली ने कहा एनएबी सुगम्य यात्रा केवल सुगमता की नहीं बल्कि गरिमा, सशक्तिकरण और समान अवसर की यात्रा है। मेरा जन्मस्थान गिरिडीह इसकी शुरूआत है हमारा लक्ष्य है कि कोई भी दृष्टिबाधित व्यक्ति समावेशन की इस यात्रा में पीछे न छूटे वहीं श्रीमती पूनम प्रकाश सहाय ने कहा यह सहयोग दशार्ता है कि हम सब मिलकर समाज के सबसे वंचित वर्गों के लिए कितनी बड़ी उम्मीदें जगा सकते हैं। गिरिडीह में सहायक तकनीकें और संसाधन पहुँचाकर हम आशा के पुल बना रहे हैं और दिव्यांगजनों के लिए नए अवसर खोल रहे हैं नेशनल फेडरेशन फॉर दा ब्लाइंड के महासचिव अरुण कुमार ने झारखंड के सभी दिव्यांगजनों के विकास की बात की । एनएबी दिल्ली के टेक्नोलॉजी ट्रेनर हरप्रीत सिंह ने इस अवसर पर कई साधनों का डेमो दिया । गीवा टीम ने इस अवसर पर आगे भी पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया ।गिरिडीह में हुई एनएबी सुगम्य यात्रा एक नई शुरूआत है — साथ मिलकर, एक-दूसरे के लिए काम करने और उन जगहों तक पहुँचने की, जहाँ इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

रानी लक्ष्मी बाई मध्य विद्यालय में पाठ्य सामग्री का वितरण

सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें बच्चे : अरविंद

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रानी लक्ष्मी बाई मध्य विद्यालय गिरिडीह में आज बच्चों के बीच शिक्षा विभाग की ओर से मिले पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रेड क्रॉस के चेयरमेन अरविंद कुमार कार्यक्रम में शामिल हुए।

विद्यालय परिवार की ओर से बुके देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया व स्कूल की बच्चियों ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। इस दौरान विद्यालय की लगभग 200 छात्र-छात्राओं के बीच पाठ्य सामग्री व टॉफी का वितरण किया गया। अपने संबोधन में श्री कुमार ने बच्चों को सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि परीक्षा में मिलने वाला मार्क्स आपके जज्बे व हुनर का पैमाना नहीं होता है। इसलिए कभी अपेक्षा से कम अंक मिल भी जाये तो निराश होने की जरूरत नहीं है। इस दौरान उन्होंने जल्द ही विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर लगवाने की भी बात कही ताकि बच्चियों में हीमोग्लोबिन की जांच व समुचित स्वास्थ्य समाधान हो सके धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने किया जबकि संचालन शिक्षिका भवानी कुमारी ने किया। इस मौके पर शिक्षिका पल्लवी प्रबोध, प्रियंका श्रीवास्तव, अध्यक्ष प्रकाश दास, शिक्षक ऋषिकेश भारती समेत कई लोग मौजूद थे।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 10-09-2025 21:30 Page 1

विनोबा : अहिंसक क्रांति के अग्रदूत आचार्य

विनोबा भावे का जीवन सत्य, प्रेम एवं करुणा से सिंचित, पल्लवित एवं पुष्पित एक बेमिसाल नजीर था। विनोबा जी बंगाल की क्रांति एवं हिमालय की शांति की खोज में 1916 में वाराणसी पहुंचे और वहां से गांधी जी के पास गए। इन दो महापुरुषों के मिलन ने विश्व मानव के इतिहास को नई दिशा प्रदान की, सभ्यता को उस शिखर पर पहुंचाया, जिनके तेज पुंज के आलोक से युद्ध और हिंसा से झुलसती दुनिया आज भी शीतलता प्राप्त कर सकती है।

विनोबा जी का जन्म 11 सितंबर, 1895 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के एक छोटे-से गांव गागोदा में हुआ था। उनका असली नाम विनायक नरहरि भावे था। माता-पिता उन्हें प्यार से विन्या कहकर पुकारते थे। पिता का नाम नरहरि शम्भू राव भावे और माता का नाम रुक्मिणी बाई (रखुमाई) था। इनके दादा का नाम शंभू राव भावे था। विनोबा का नाम गांधी जी का दिया हुआ है, जिसके माध्यम से पूरी दुनिया उन्हें जानती है। विनोबा जी के दादा शंभू राव एक बड़े भक्त थे। वे प्रतिदिन सुबह शिवजी की पूजा करते थे और विनोबा जी वहीं बैठे रहते थे। एक दिन एक विशेष घटना घटी। दादा नित्य की भांति पूजा में व्यस्त थे, तभी भगवान की मूर्ति पर एक बिच्छू आकर बैठ गया। देखने वाले सभी लोग चिल्लाने लगे, ₹बिच्छू है, इसे मार डालो।₹सभी को रोकते हुए दादा ने कहा, ₹बिच्छू ने भगवान का आश्रय लिया है, इसलिए उसे मत मारो।₹उन्होंने भगवान की पूजा संपूर्ण श्रद्धा के साथ की। बिच्छू वहीं बैठा रहा और थोड़ी देर बाद वहां से उतरकर चला गया। इस घटना का विनोबा जी के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा। जिसने भगवान का आश्रय लिया है, वह हमारे लिए आदरणीय है।

विनोबा जी की मां भक्तहृदय थीं। वे प्रतिदिन पूजा करती थीं और अत्यंत ईश्वरनिष्ठ, परोपकारी एवं सुसंस्कारी महिला थीं। उन्हें सैकड़ों भजन कंठस्थ थे। मां का विनोबा जी पर गहरा प्रभाव था। उनका मानना था कि जो कुछ भी वे हैं, वह अपनी मां की वजह से है। विनोबा जी ने गीता का मराठी अनुवाद ₹गीताई₹ (गीता + आई = गीताश्री) किया, और यह मां के प्रेरित करने के कारण ही संभव हुआ। वे कहते थे कि मां ने उन्हें मानव के आचार धर्म (आचरण के उसूल) की शिक्षा दी। उनका मानना था कि भूदान आंदोलन के दौरान जो भी कार्य हुआ, वह मां की शिक्षा के परिणामस्वरूप ही हुआ।

आजादी के बाद देश उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा था। बंटवारे के कारण देश की स्थिति अत्यंत विषम थी। गांधी जी की शहादत ने देश में घोर निराशा का वातावरण पैदा कर दिया था, और सन्नाटा छा गया था। ₹गांधी के बाद आगे क्या?₹यह एक यक्ष प्रश्न बनकर खड़ा हो गया था। ऐसे में लोगों का ध्यान विनोबा जी की ओर गया। विनोबा जी ने न केवल इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वाह किया, बल्कि सर्वोदय दर्शन और अहिंसा के प्रयोग को नई ऊंचाई पर पहुंचाया। गांधी जी ने अपने प्रयोगों से पहले दक्षिण अफ्रीका और फिर भारत की आजादी की लड़ाई में साबित कर दिया था कि अहिंसा व्यक्ति के साथ-साथ समाज का भी मूल्य हो सकता है। हिंसा का जवाब अहिंसा से दिया जा सकता है। दर्शन के रूप में गांधी जी ने सर्वोदय का विचार लोगों के सामने रखा।

विनोबा ने इन प्रयोगों को आगे बढ़ाया और उन्हें शिखर पर पहुंचाया, जिसका इतिहास में कोई सानी नहीं है, यह बिल्कुल अनोखा और अद्वितीय है।

विनोबा के शब्दों में, ₹अहिंसा की खोज करना मेरा जीवन कार्य रहा। मेरी शुरू की गई प्रत्येक कृति, हाथ में लिया हुआ प्रत्येक कार्य - सब उसी एक प्रयोग के लिए हुए हैं और हो रहे हैं। मैं एक अलग दुनिया का आदमी हूं। मेरे पास प्रेम है। मेरे पास

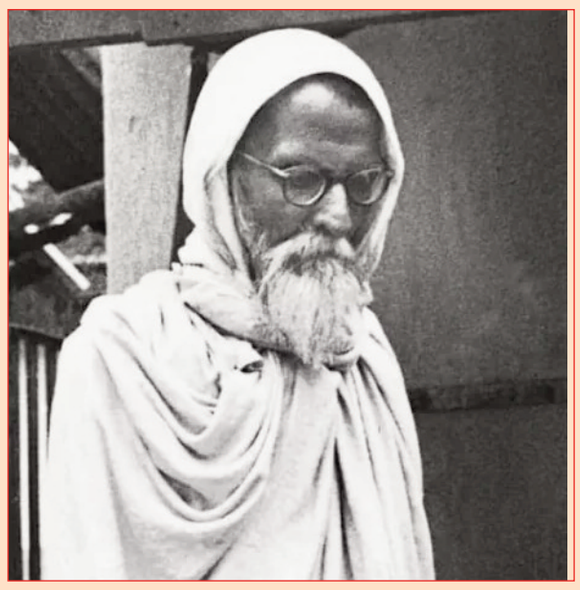

मत नहीं है। मेरे पास विचार है। विचार मुक्त होते हैं, वे बंधे हुए नहीं होते। सज्जनों के साथ विचार विमर्श कर उनके विचार ले सकते हैं और अपने विचार उन्हें दे सकते हैं। प्रेम और विचार में शक्ति है, वह किसी और में नहीं। जिस देश में सत्ता और संपत्ति के लिए महाभारत हुए, जहां जमीन के लिए भाई-भाई के बीच केस-मुकदमा और दुश्मनी आम बात है, वहां प्रेम और करुणा के आधार पर 47 लाख एकड़ से ज्यादा जमीन भूमिहीनों के लिए प्राप्त करना कोई चमत्कार से कम नहीं था।

पोचमपल्ली से निकलने वाली भूदान गंगा की निर्मल धारा न केवल पूरे देश में पहुंची, बल्कि इसकी गूंज विदेशों में भी सुनाई दी। न केवल भूमिहीनों के लिए जमीन मिली, बल्कि ऐसे अनेक चमत्कार हुए, जिसकी कल्पना भी करना कठिन था। तेलंगाना में जमीन के प्रश्न का हल अहिंसा के मार्ग से निकाला गया।

हिंसा की ज्वाला शांत हुई। 900 वर्षों से चंबल घाटी में जारी हिंसा से मुक्ति का मार्ग खुला। जो कार्य तुर्क-मुगल शासन से लेकर अंग्रेजों तक तथा आजादी के बाद की सरकारें करने में नाकाम रहीं, उसे विनोबा भावे ने प्रेम-करुणा के आधार पर करने में सफलता प्राप्त की। भूदान आंदोलन के दौरान ही ग्रामदान का विचार आया। मंगरोठ (उत्तर प्रदेश) पहला ग्रामदानी गांव बना। विनोबा जी ने इसे डिफेंस मेजर कहा। 13 वर्षों तक अनवरत 80,000 किलोमीटर से अधिक की पदयात्रा अपने आप में एक अद्वितीय घटना थी। इस दौरान उन्होंने कई श्रेष्ठ विचार समाज के सामने रखे, जिससे सर्वोदय विचार को नई ऊर्जा और गति मिली। उन्होंने उसमें अर्थ और आश्रय भरे, उसे पुष्ट एवं समृद्ध किया, जिसमें ग्रामदान, संपत्ति दान, सम्मति दान आदि शामिल हैं।

इसी दौरान ₹जय जगत₹, ₹सर्वोदय पत्र₹एवं ₹शांति सेना₹आदि के उदात्त विचार हमें प्राप्त हुए। आंध्र प्रदेश (वर्तमान में तेलंगाना) के जी बी सुब्बाराव, जो भूदान यात्रा में शामिल थे, कहते हैं कि उन्होंने यह संकल्प लिया था कि जिस दिन जमीन दान में नहीं मिलेगी, उस दिन वह भोजन नहीं करेंगे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उस समय का माहौल कैसा था। जैसे पारस मणि के संपर्क में आने से हर लोहा सोना बन जाता है, उसी प्रकार बाबा विनोबा का व्यक्तित्व था, जो भी उनके संपर्क में आया, उनके जीवन में बदलाव और निखार सहज ही हो जाता था। यहां एक घटना का उल्लेख करना प्रासंगिक होगा। चौथी कक्षा में पढ़ने वाला 9 साल का एक लड़के ने पंडित नेहरू को उनके जन्मदिन पर पत्र लिखा: ₹मेरे प्यारे नेहरू चाचा, आचार्य विनोबा भावे गरीबों के लिए जमीन दान मांगते हैं। इसीलिए मैं अपनी पूरी 70 एकड़ जमीन, दो कुएं और एक मकान सब दे रहा हूं। मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि यह सारी जमीन-जायदाद आप फौरन अपने कब्जे में कर लें। यह सारी जायदाद मेरे दादाजी की थी। अब मेरे पिताजी उसके एक मात्र वारिस हैं। मैं उनकी इजाजत लेकर ही यह दान दे रहा हूं।₹उनके पिता ने भी लिखा था कि इस दान को स्वीकार कर बच्चों को आशीर्वाद दें, ताकि आगे चलकर देश का सच्चा सेवक बनें। इससे समझा जा सकता है कि भूदान आंदोलन के कारण देश में किस प्रकार का वातावरण निर्माण हुआ था।

भारत की संस्कृति समन्वय की संस्कृति है। हमारे धर्म के अंदर के उदात्त विचार को रामकृष्ण परमहंस और विवेकानंद ने पूरी दुनिया के पटल पर रखा। विवेकानंद ने शिकागो के धर्म संसद में कहा था कि जिस प्रकार नदियां अलग-अलग मार्गों से चलकर समुद्र में मिल जाती हैं, उसी प्रकार भिन्न-भिन्न धर्म ईश्वर तक पहुंचाने के अलग-अलग मार्ग हैं। विवेकानंद के सर्वधर्म समभाव के विचार को महात्मा गांधी ने आगे बढ़ाया। बाबा विनोबा ने इसका और विस्तार किया। बाबा विनोबा ने विश्व के सभी प्रमुख धर्म ग्रंथों का गहरा अध्ययन कर उनका सार प्रस्तुत किया, जो बाबा विनोबा की समाज के लिए अमूल्य देन है। उन्होंने जिस श्रद्धा और भक्ति से वेद, उपनिषद, गीता का अध्ययन किया, उसी आदर और भक्ति से दूसरे धर्म ग्रंथों का भी अध्ययन किया। कुरान के अध्ययन के लिए अरबी भाषा पढ़ी। बौद्धों के धम्मपद के अध्ययन के लिए पाली पढ़ी। कुरान और बाइबिल का वर्षों तक अध्ययन किया। इस प्रकार विश्व के सभी प्रमुख धर्म ग्रंथों का सार हमें प्राप्त हुआ। सभी धर्म में सत्य का पालन अहिंसा से यानी प्रेम से करना, और जरूरतमंदों की सेवा के लिए दौड़कर जाना, यही मानवता का धर्म है। सत्य, प्रेम और करुणा यही सभी धर्मों का सार है। पूजा पद्धति सभी धर्मों के अलग-अलग आवश्यक है, परंतु मुख्य बात सभी धर्मों में एक ही है। फिर झगड़ा क्यों? यदि यह बात समझ में आ गई, तो एक दूसरे के लिए प्रेम का अनुभव होने लगेगा।

आज जब धर्म के नाम पर लड़ाई-झगड़ों की खबरें समाचारों की सुर्खियां बन रही हैं, ऐसे में विनोबा जी के विचार हमारे लिए तारक हो सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि विनोबा जी ने जो सभी धर्मों के नवनीत हमारे सामने प्रस्तुत किया, उसका अध्ययन कर उसे समाज में फैलाएं, तो समाज में प्रेम, शांति और सद्भावना कायम होगी और सही अर्थों में समृद्धि आएगी।

(अशोक भारत ,लेखक सर्व सेवा संघ प्रकाशन , वाराणसी के संयोजक हैं)।

घर से अगवा कर चालक की हत्या

▶ हत्या के बाद चाकूओं से गोदा ▶ इलाके में दहशत एवं रोष व्याप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार-रविवार की दरमियानी रात घर से अगवा कर हत्या की एक सनसनीखेज घटना सामने आई। मृतक की पहचान मथुरा गांव निवासी अशोक सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अशोक सिंह अपने घर में सो रहे थे, तभी उनके पास के रहने वाले आरोपियों ने उन्हें अगवा किया और फिर गला दबाकर हत्या कर दी। इसके अलावा, सर पर कई बार चाकू से वार किया गया। हत्या की घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या के पीछे डेढ़ साल पहले केला काटने को लेकर हुए विवाद का बदला बताया जा रहा है। मृतक के भतीजे करण कुमार ने कहा कि उसी समय आरोपियों ने अशोक सिंह को जान से मारने की धमकी दी थी और मामले की शिकायत बिदुपुर थाने में भी दर्ज कराई गई थी।

पुलिस ने आरोपी दिलीप महतो के चारों पुत्र गुड्डू, अभिषेक, देवा और सन्नी की मां को हिरासत में लिया, जिन्होंने हत्या की बात स्वीकार कर ली। मृतक के परिवार में दो पुत्र और एक पुत्री हैं। परिवार का भरण-पोषण अशोक सिंह अपनी पिकअप वैन चलाकर करता था। शव को कब्जे में लेकर पुलिस आवश्यक कागजी कार्रवाई कर रही है और इसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा जाएगा। घटना से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

ससुराल गये युवक की गला दबाकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। बिरौल थाना क्षेत्र के हनुमाननगर में मंगलवार की रात ससुरालियों ने गला दबाकर दामाद की हत्या कर दी। घनश्यामपुर थाना के बसौली गांव निवासी सीताराम साह के पुत्र शंभू साह (35) मंगलवार को ससुराल आया था। घटना के पीछे पत्नी का अवैध संबंध बताया जा रहा है। इस बाबत पिता सीताराम साह के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए पुलिस ने पत्नी पिंकी देवी,ससुर रामप्रीत साह एवं सास उषा देवी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि शंभू की शादी वर्ष 2011 में हुई थी। उसे दो बेटा है। एक 13 साल का और दूसरा 10 वर्ष का। गिरफ्तार पत्नी ने बाएं हाथ पर प्रेमी का नाम गोदवाया हुआ है। उसने तीन माह पहले बिरौल कोर्ट में पति के विरुद्ध दहेज के लिए मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था।

चुनाव से पहले अपराधियों पर लगेगा सीसीए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/भागलपुर। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने सक्रियता बढ़ा दी है। मंगलवार को समीक्षा भवन में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी की अध्यक्षता में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में एसएसपी हृदयकांत और एसपी नवगछिया प्रेरणा कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान केंद्रों की भेद्यता और क्रिटिकल स्थिति के आधार पर मैपिंग का कार्य 10 सितंबर तक पूरा करने का निर्देश तीनों एसडीओ और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को दिया।

इस दौरान बताया गया कि 72 एसएसटी, 23 एफएसटी और 295 सेक्टर आफिसरों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अलावा, पांच ईवीएम डिस्पैच सेंटर और दो काउंटिंग स्थल बनाने पर विचार किया जा रहा है। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कुख्यात अपराधियों के खिलाफ सीसीए के तहत क्षेत्र बदर करने के लिए प्रस्ताव भेजने, गैर जमानती वारंटों का त्वरित निष्पादन करने, और सांप्रदायिक, मद्यनिषेध, जातीय विवाद एवं नशाखोरी से संबंधित अपराधियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

आर्म्स के दुष्प्रयोग करने वालों के लाइसेंस रद्द करने, सभी रूटों पर वाहन चेकिंग प्रारंभ करने, और अंतर जिला एवं अंतर राज्य बार्डर पर विशेष जांच करने का भी निर्णय लिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल तथ्यों पर त्वरित कार्रवाई करने, होटल की चेकिंग करने, अवैध शराब के मामलों में तेजी लाने, और आर्म्स की दुकानों की जांच के दौरान गोलियों का हिसाब मिलान करने का निर्देश भी दिया गया।

बैठक में उपविकास आयुक्त प्रदीप कुमार सिंह, सहायक समाहर्ता जतिन कुमार, संयुक्त निदेशक जनसंपर्क नागेंद्र कुमार गुप्ता, उपनिर्वाचन पदाधिकारी श्वेता कुमारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्रवाई की मांग को ले थाना को घेरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा के दीपनगर थाना क्षेत्र के लखरावां गांव में 2 साल के मासूम बिट्टू कुमार उर्फ लाडो की मौत के बाद परिजनों ने थाना का घेराव कर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। मृतक के पिता शशि भूषण कुमार का कहना है कि घटना 16 अगस्त को हुई थी, जब बिट्टू अपने दादा रामचंद्र महतो के साथ किराना सामान लेने जा रहा था।जानकारी के मुताबिक, उसी दौरान गांव के ही अखिलेश कुमार ने साइकिल से जानबूझकर बच्चे को टक्कर मार दी। गुस्साए दादा ने अखिलेश को थप्पड़ मारा, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। अखिलेश के सहयोगियों ने दादा-पोते पर हमला किया और बच्चे को जमीन पर पटक दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, फिर बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया।

इलाज के दौरान बिट्टू कुमार की 25 दिन बाद बुधवार को मौत हो गई। इससे आक्रोशित परिजन बच्चें का शव लेकर दीपनगर थाना पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। दादा रामचंद्र महतो की मानसिक स्थिति भी इस घटना से खराब हो गई है। लखरावां गांव में पिछले एक महीने से तनाव का माहौल बना हुआ है। 24 अगस्त को गांव के ही विनोद प्रसाद के पुत्र सोनू कुमार की फांसी से मौत के बाद भी गांव में झगड़ा और हंगामा हुआ था। इस विवाद में दो लोग जेल गए थे जबकि कई बेकसूर हैं। इस मामले में दादा-पोते पर हमला करने वालों के खिलाफ पुलिस में आवेदन दिया गया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

उप स्वास्थ्य केन्द्र का उद्घाटन

अररिया। फारबिसगंज प्रखंड के आरटी मोहन पंचायत अंतर्गत गुरम्हीं ग्राम में बुधवार को मध्य विद्यालय गुरम्हीं के प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार गुप्ता ने फीता काटकर उपस्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। मौके पर उन्होंने कहा कि किसी भी ग्राम के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य मूलभूत सुविधा होती है, शिक्षा की सुविधा तो था, लेकिन बुधवार से उपस्वास्थ्य केंद्र होने से स्वास्थ्य का भी सुविधा ग्रामवासियों को मिलेगी। सरकार के इस नेक कार्य से ग्रामीणों में बहुत प्रसन्नता वो हर्ष दिखाई दी। इस कार्यक्रम में एएनएम प्रिया भानू, बिन्दु कुमारी, आशा फसलेटर नुसरत जहां, आशा कार्यकर्ता गुलनाज बेगम, किरण देवी ,आंगनबाड़ी सेविका बबिता देवी एवं ग्रामीण सुरेन्द्र सिंह, नविन कुमार सिंह, दुगानंद सिंह, संजीव सिंह, लल्लन कुमार सिंह, प्रमोद मंडल, शिक्षक मिथिलेश कुमार मंडल, रणधीर मंडल जावेद रहमान दिनेश सिंह के अलावा दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

नेपाल की घटना को ले सीमा पर हाई अलर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। नेपाल में तीन दिनों से जारी हंगामे के बीच 18 जेलों से कैदी फरार हो गए हैं। इन 18 जेलों से छह हजार कैदी फरार हो गए हैं। बड़ी संख्या में नेपाल में जेल ब्रेक की घटना के बाद गृह मंत्रालय ने सीमा पर तैनात एसएसबी को अलर्ट कर दिया है। वहीं, सीमावर्ती सभी जिलों में विशेष चौकसी बढ़ाने को कहा गया है।

गृह मंत्रालय ने आशंका जताई है कि नेपाल में सेना द्वारा बागडोर संभालने के बाद जेल से फरार लोगों के लिए जो धड़ पकड़ अभियान शुरू किया गया है इस वजह से अपराधी नेपाल सीमा खुली होने के कारण सीमावर्ती जिलों में आकर शरण ले सकते हैं।

इसके अलावा, बैंक लूट में शामिल अपराधी एवं नेपाल के थानों एवं पुलिस बल के लूटे गए हथियार भी सीमावर्ती इलाकों में लाकर हथियार तस्करों द्वारा छिपाया जा सकता है।

गृह मंत्रालय की इस रिपोर्ट के बाद नेपाल की सीमा पर तैनात एसएसबी के बलों की संख्या बढ़ा दी गई है। नेपाल सीमा पर सख्ती बढ़ाने के लिए एसएसबी की कई अतिरिक्त कंपनियों को भी तैनात किया गया है।

वहीं, राज्य पुलिस मुख्यालय ने भी जेल ब्रेक की घटना के बाद सभी सीमावर्ती जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल भेजा है, ताकि सीमावर्ती इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा सके।

नेपाल सीमा से सटे जितने भी रास्ते हैं सभी पर अस्थायी चेक पोस्ट बनाने एवं ड्रोन कैमरे से सीमावर्ती इलाकों पर नजर रखने को कहा गया है।

नेपाल के भीमफेडी जेल से 208 कैदी जेल से फरार हो गए हैं। जनेश्वर जेल से 572 कैदी, रौतहट जेल से 233 कैदी, पोखरा जेल से 900 कैदी, महोतरी जेल से 576 कैदी फरार हो गए। इस जेल में 577 कैदी थे जिसमें 576 फरार हो गए।

पटना की हवा हुई खराब

पटना। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण की रिपोर्ट पटना के लिए निराशाजनक और चिंताजनक है। रैंकिंग में गिरावट आयी है। 10 लाख से अधिक आबादी वाले 48 शहरों की श्रेणी में पटना 27वें स्थान पर आ गया है। पिछले वर्ष यह रैंकिंग में 10वें स्थान पर था। तीन से 10 लाख की दूसरी श्रेणी की रिपोर्ट में गया का रैंक भी गिरा है। यह आठवें से 11 वें स्थान पर चला गया है। हालांकि मुजफ्फरपुर की आबोहवा कुछ बेहतर हुई है। 2024 की रिपोर्ट में यह शहर 32वें स्थान पर था जो अब 30वें पर पहुंच गया है। बात राजधानी की करें तो पिछली रिपोर्ट में अंतिम रूप से 176 अंक प्राप्त हुआ था, जबकि इस वर्ष यह 164.5 अंक पर है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि, केवल यह नहीं कह सकते कि पटना की हवा ज्यादा दूषित हुई है, यह भी तो हो सकता है कि अन्य शहरों ने हवा को स्वच्छ बनाने के लिए ज्यादा प्रयास किया हो।

राजगीर पहुंचे भूटान के गृहमंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। भूटान के गृहमंत्री लियोन्पो शेरिंग बुधवार को अपने शीर्ष बौद्ध धर्मगुरुओं के साथ राजगीर पहुंचे। उन्होंने राजगीर स्थित वाइल्ड लाइफ जू सफारी और नेचर सफारी का भ्रमण किया और यहां के वन्य जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य को नजदीक से देखा। गृहमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल में उच्च मठ संस्था के प्रमुख बौद्ध गुरु लेक्तशोग लोपोन रिनपोछे, सांगे दोरजी, दाशो थुजी छेरिंग, लाम नामगे तेनज़िन और कुएनजांग चोडेन शामिल थे।

वाइल्ड लाइफ जू सफारी के निदेशक (आईएफएस) रामसुंदर एम ने भूटानी प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत किया और उन्हें सफारी की शासन व्यवस्था, प्रबंधन और कार्यप्रणाली की जानकारी दी। भ्रमण के दौरान उप निदेशक अजय कुमार, पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजीत कुमार और वनक्षेत्र पदाधिकारी शिवम सिन्हा भी मौजूद रहे।

जू सफारी के बस में सवार होकर भूटानी प्रतिनिधिमंडल ने शेर, बाघ, तेंदुआ, भालू और अन्य शाकाहारी वन्य प्राणियों को खुले वातावरण में विचरण करते देखा। प्रतिनिधियों ने सफारी में प्राकृतिक आवास संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

इसके बाद उन्होंने नेचर सफारी यूनिट में स्थित ग्लास स्काई वाक ब्रिज पर चहलकदमी की और उसे रोमांचकारी अनुभव बताया। ग्लास ब्रिज से उन्होंने राजगीर की प्राकृतिक दृश्य को अद्भुत और अनोखा बताया। गृहमंत्री शेरिंग ने कहा कि ₹राजगीर जू सफारी और नेचर सफारी सिर्फ पर्यटन का केंद्र नहीं है, बल्कि यह वन्यजीव संरक्षण और प्राकृतिक पर्यावरण को संजोने का एक सराहनीय प्रयास है। यह संरक्षण और पर्यटन का सुंदर संगम है।

प्रतिष्ठित व्यवसायी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता, हड़कम्प

▶ लावारिस हालत में खड़ी मिली कार ▶ अटकलों का बाजार गर्म ▶ पुलिस तलाश में जुटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मनेर नगर परिषद क्षेत्र के राउत टोला (बालूपर) निवासी और बड़े लैंडलॉर्ड के रूप में पहचाने जाने वाले पूर्व पार्षद संजय कुमार सिंह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। बुधवार अहले सुबह उनकी कार पटना के दीघा घाट के समीप लावारिस हालत में खड़ी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और एसडीआरएफ की टीम गंगा नदी में उनकी तलाश में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक, संजय सिंह बुधवार तड़के करीब 3 बजे अपने राउत टोला स्थित आवास से स्विफ्ट कार से निकले थे। सुबह लगभग 4:30 बजे उनकी भतीजे अंकुर सिंह से अंतिम बातचीत हुई थी। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल सका।

बताया जा रहा है कि संजय सिंह की कार से रुपये और मोबाइल बरामद हुए हैं। वे भाजपा से जुड़े रहे हैं और मनेर नगर परिषद के पार्षद भी रह चुके हैं। जिले में उनके नाम पर कई प्रमुख संपत्तियां और व्यवसायिक प्रतिष्ठान हैं, जिनमें मस्ताना सिंह मार्केट, मैरिज हॉल, कई वाहन शोरूम और बैंक भवन शामिल हैं।

संजय सिंह मनेर के सुप्रसिद्ध जमींदार बाबू शीतल सिंह के पौत्र हैं। उनके परिवार में पुत्र संबंध सिंह, जो इस साल फरवरी में लेफ्टिनेंट बने हैं, और एक पुत्री हैं जो प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। वर्तमान में परिवार दानापुर के गोला रोड, रूपसपुर पुल के समीप रहता है।

घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व सांसद रामकृपाल यादव, पूर्व विधायक श्रीकांत निराला समेत कई राजनीतिक और सामाजिक नेता दीघा घाट पहुंचे। वहीं, मनेर स्थित उनके आवास पर भारी संख्या में लोग जुट गए हैं। परिजनों और समर्थकों के बीच चिंता का माहौल है।

शैक्षणिक सुधार को ले कॉलेज में बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डुमरांव। डीके कॉलेज डुमरांव की प्राचार्य डॉ. वीणा कुमारी की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विभाग के विभागाध्यक्ष सम्मिलित हुए। बैठक को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय का शैक्षणिक सुधार करना नेक एक्रीडिटेशन करना मेरी प्रथम प्राथमिकता है। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि छात्रों की सर्वांगीण विकास हेतु कक्षाओं में अधिगम के साथ-साथ सह शिक्षण कार्यों का होना अति आवश्यक है। उक्त बैठक में पूर्व प्राचार्य डॉ राजू कुमार मोची, भूगोल विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ अरबाज खान, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ उषा कुमारी, वनस्पति विभाग के अध्यक्ष डॉक्टर अवनीश कुमार, अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ अभिषेक कुमार, भौतिक विभाग के अध्यक्ष रुचि वाला, गणित विभाग के अध्यक्ष फैसल खान आदि ने बैठक में अपने-अपने विचार रखे।

शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। मंगलवार को स्कॉटिश पब्लिक स्कूल, रजोखर में इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 10 तक के छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम में जूनियर गर्ल्स श्रेणी में प्रथमः सोमा (कक्षा 3), द्वितीयः समैशी (कक्षा 4), तृतीयः दिव्यांशी (कक्षा 3) सीनियर गर्ल्स श्रेणी, प्रथमः अक्षिता (कक्षा 7), द्वितीयः यति राज (कक्षा 8),तृतीयः आरिफा (कक्षा 6) तथा जूनियर बॉयज श्रेणी में प्रथमः अक्षय (कक्षा 2) द्वितीयः आर्यन (कक्षा 3), तृतीयः आबान (कक्षा 4,) सीनियर बॉयज श्रेणी,प्रथमः सुषांत (कक्षा 8), द्वितीयः दिव्यांशु (कक्षा 7), तृतीयः अनुज (कक्षा 10) सफल रहे। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं को पुरस्कार और मेडल प्रदान किए गए।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक अनुप कुमार ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्कॉटिश पब्लिक स्कूल में हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अन्य गतिविधियों में भी समान अवसर मिले।

शतरंज जैसी प्रतियोगिताएँ न केवल बच्चों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाती हैं, बल्कि उनमें धैर्य, निर्णय लेने की क्षमता और प्रतिस्पर्धी भावना भी विकसित करती हैं। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी पूरे जोश और उत्साह के साथ इसमें भाग ले रहे हैं। भविष्य में भी इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ नियमित रूप से आयोजित की जाती रहेंगी। विद्यालय प्रबंधन ने विजेताओं को शुभकामनाएँ दीं और सभी खेल शिक्षकों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

महागठबंधन में बाहर दिखावा, अंदर खींचतान और गड़बड़झाला : गिरिराज सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की राजनीति में एक बार फिर महागठबंधन की अंतर्कलह खुलकर सामने आ गई है। कांग्रेस ने साफ संकेत दे दिया है कि वह राज्य में अब निर्णायक भूमिका में रहने वाली है और कम से कम 70 सीटें अपने हिस्से में चाहती है। कांग्रेस इन सीटों का चयन भी खुद करेगी और केवल ह्लजिताऊ सीटें ही लेगी। उधर, सहनी की वीआइपी पार्टी 60, माले 40 और

जेएमएम व रालोजपा (पारस गुट) जैसी पार्टियां भी कम से कम 10 सीटों की मांग कर रही हैं। ऐसे हालात में राजद के हिस्से मुश्किल से 53 सीटें ही बचेंगी। महागठबंधन दरअसल वह ट्रेन है जिसकी हर बोगी इंजन बनने की कोशिश में है। यही वजह है कि इस गठबंधन में एकजुटता कम और गड़बड़झाला ज्यादा है। उक्त बातें केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने आज कही। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन की आपसी कलह उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी देखने को मिली। एक तरफ जहां एनडीए एकजुट दिखी, वहीं इंडी गुट के 14 सांसदों ने उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में अपना मत किया। भाजपा के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आगे कहा कि यह वही राजद है जो बाहर से खुद को विपक्ष का अगुआ दिखाने की कोशिश कर रही है, लेकिन भीतर से उसके सहयोगी ही उसके पैरों तले जमीन खींच रहे हैं। हकीकत यह है कि महागठबंधन में अब फैसला राहुल गांधी और कांग्रेस के हाथ में है और तेजस्वी का कद लगातार बौना होता जा रहा है। मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव की मजबूरी है कि अब वो बिहार की अस्मिता पर भी चुप्पी साध चुके हैं। वे कांग्रेस के दवाब में उन नेताओं के साथ मंच साझा करते दिखे जो बिहार का अपमान करते आये हैं। कांग्रेस के पीछे घूमने के बावजूद भी तेजस्वी को असल भाव नहीं मिल रहा है। कांग्रेस इस गठबंधन में रहकर सत्ता की चाभी अब अपने हाथ रखना चाहती है और बिहार में रिमोट वाली सरकार बनाने का इरादा रखती है। मंत्री गिरिराज सिंह ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव बार-बार खुद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बताते हैं, लेकिन राहुल गांधी गोलमोल जवाब देकर सिर्फ इतना कहते हैं कि मजा आ रहा है। उन्होंने कहा कि सच यही है कि कांग्रेस तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

पिछले पांच साल में 50 लाख से अधिक युवाओं को मिली नौकरी-रोजगार : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री और भाजपा के नेता सम्राट चौधरी ने आज कहा कि जिस बिहार को कभी पलायन और बेरोजगारी की पीड़ा से पहचाना जाता था, वही बिहार आज रोजगार, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। राजद के कुशासन और बेरोजगारी के दिनों को पीछे छोड़ते हुए बिहार ने एनडीए के डबल इंजन सरकार के तहत रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास में देश भर में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि आज बिहार की जीडीपी देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में शुमार है और प्रति व्यक्ति आय में भी लगातार वृद्धि हो रही है। एनडीए सरकार होने के कारण बिहार में 'हर हाथ को काम और हर घर को आमदनी' का सपना हकीकत बन रहा है। भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में 50 लाख युवाओं को रोजगार और सरकारी नौकरी का लक्ष्य पूरा किया गया है और आने वाले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का संकल्प है।

बिहार की महिलाएं सशक्तिकरण से भर रही नई उड़ान : डॉ. दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज प्रवासी महिला विस्तारक अभियान की बैठक आयोजित की गई। बैठक में देशभर के विभिन्न राज्यों की वरिष्ठ महिला नेता और महिला विस्तारकों ने हिस्सा लिया। बैठक में संगठनात्मक विस्तार एवं सशक्तिकरण को लेकर गहन चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न विधानसभाओं में 10 सितंबर से 18 सितंबर तक महिला, जीविका, आशा और प्रबुद्ध एवं सामाजिक महिलाओं से संपर्क करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस अभियान का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की महिलाओं से संबंधित योजनाओं को घर-घर पहुंचाना है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने बैठक का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने

विचार साझा करते हुए कहा कि प्रवासी महिलाओं की सक्रिय सहभागिता एवं संगठन के प्रति समर्पण निस्संदेह पार्टी को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक विस्तार एवं महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में यह बैठक एक महत्वपूर्ण कदम बनेगा। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि बिहार की महिलाएं के सशक्तिकरण को लेकर नई उड़ान भर रही हैं। केंद्र की मोदी सरकार और बिहार की नीतीश सरकार कई ऐसी योजनाएं धरातल पर उतारी हैं जिसका प्रतिफल है कि आज सभी क्षेत्रों में महिलाओं की सहभागिता देखने को मिल रही है। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार में महिलाओं के सशक्तिकरण का ही परिणाम है कि कल जो महिलाएं खुद की सुरक्षा की बात करती थीं, आज वे पुलिस विभाग में भर्ती होकर दूसरों को सुरक्षा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समाज में बदलाव महिलाओं की भागीदारी के बिना संभव नहीं है।

मुख्य पार्षद ने डेढ़ करोड़ की लागत से 12 योजनाओं का किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। बुधवार को नगर परिषद के वार्ड 10 व 12 में करीब डेढ करोड की लागत से 12 योजनाओं का उदघाटन मुख्य पार्षद शिल्पी कुमारी व सशक्त समिति सदस्य के प्रतिनिधि सह समाजसेवी धीरज कुमार यादव द्वारा नारियल फोड़कर तथा निर्माण स्थल पर लगाये गये शिलापट्ट का अनावरण कर किया गया। मुख्य पार्षद ने कहा कि वार्ड 10 में एक करोड की लागत से 8 योजनाओं का उदघाटन और वार्ड 12 में 50 लाख से 5 योजनओं का उदघाटन किया गया है। उन्होंने कहा सभी वार्डों में पीसीसी सडक , नाला व गली का निर्माण कराया जा रहा है।

राजस्व महा-अभियान : अब हलकों में लगेंगे अतिरिक्त शिविर

महादलित टोलों और जन प्रतिनिधियों तक प्राथमिकता देकर पहुंचाई जाएगी जमाबंदी पंजी की प्रति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने चल रहे राजस्व महा-अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अहम निर्णय लिया है। विभाग ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अब किसी भी हलके (पंचायत) में आवश्यकता पड़ने पर दो से अधिक अतिरिक्त शिविर आयोजित किए जा सकते हैं। विभाग के सचिव जय सिंह ने सभी जिला समाहर्ताओं को पत्र लिखकर कहा है कि अभियान की प्रगति समीक्षा में यह अनुभव हुआ है कि कई हलकों में मात्र दो शिविरों से सभी आवेदकों की समस्याओं का समाधान संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए अंचल अधिकारी अपने स्तर से अतिरिक्त शिविर आयोजित कर सकेंगे। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि अतिरिक्त शिविरों से अभियान की अन्य गतिविधियां प्रभावित न हों। सचिव ने यह भी निर्देश दिया है कि महादलित टोलों एवं बस्तियों में विशेष ध्यान दिया जाए। वहां तक प्राथमिकता देकर जमाबंदी की प्रति जरूर उपलब्ध कराएं। कई स्थानों पर बंदोबस्त की गई भूमि की जमाबंदी पंजी की प्रति महादलित परिवारों तक समय पर नहीं पहुंच पा रही है। इसलिए अब वितरण दल को प्राथमिकता के आधार पर महादलित बस्तियों में जाकर प्रति एवं आवेदन प्रपत्र उपलब्ध कराने होंगे, ताकि वे शिविरों में उपस्थित होकर त्रुटि-निवारण हेतु आवेदन कर सकें। इसी क्रम में विभाग ने स्पष्ट किया है कि जन प्रतिनिधियों को भी उनके नाम से संबंधित भूमि की जमाबंदी पंजी की प्रति तथा विहित प्रपत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य है। विभाग का मानना है कि रैयतों की तरह जन प्रतिनिधियों को भी यह सुविधा देने से वे अभियान की निगरानी एवं जागरूकता कार्य में और अधिक सक्रिय हो सकेंगे। ज्ञात हो कि 16 अगस्त से शुरू हुआ यह राजस्व महा-अभियान 20 सितम्बर तक चलेगा। इस दौरान ऑनलाइन जमाबंदी पंजी की प्रति एवं विभिन्न प्रपत्रों का घर-घर वितरण, शिविरों में जमाबंदी में त्रुटि सुधार, छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन करने, बंटवारा नामांतरण एवं उत्तराधिकार नामांतरण के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। अतिरिक्त शिविरों की अनुमति मिलने से अधिक से अधिक ग्रामीणों को सुविधा मिलने की संभावना है।

महाप्रबंधक ने किया पटना-गया तथा गया-सोननगर रेलखंड का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा पटना-गया एवं गया-सोननगर रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलमार्ग के स्टेशनों, रेल पुलों, रेलवे ट्रैक, एफओबी, सिगनलिंग सिस्टम सहित यात्री सुविधा/संरक्षा से जुड़े पहलुओं का गहन मुआयना किया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक सोन नगर जंक्शन पहुंचे जहां उन्होंने यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार तथा पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना अपने-अपने क्षेत्राधिकार में उपस्थित थे। निरीक्षण जारी है।

डिजिटल सुशासन के लिए आधार सत्यापन प्रमुख माध्यम : डॉ. सिद्धार्थ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के विकास आयुक्त डॉ. एस. सिद्धार्थ ने कहा कि सुदृढ़ डिजिटल गवर्नेंस के लिए 'आधार' सबसे प्रमुख माध्यम है। इससे लोगों को न सिर्फ विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा सकता है, बल्कि योग्य लाभार्थियों की सही पहचान सुनिश्चित हो सकती है। डॉ. एस सिद्धार्थ बुधवार को राजधानी पटना में बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी विभाग द्वारा 'आधार सत्यापन सह सुदृढ़ डिजिटल सुशासन' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। कार्यशाला को बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह के अलावा विभाग के विशेष सचिव, यूआईडीएआई के उप महानिदेशक सहित वरीय

अधिकारियों ने संबोधित किया। इस कार्यशाला में बिहार सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। डॉ. सिद्धार्थ ने कहा कि आधार सत्यापन के माध्यम से बिहार में कई फर्जी राशन कार्ड की पहचान की गई है और उन्हें रद्द किया गया है। आधार कार्ड का मामला सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति के पास आधार के साथ-साथ कई तरह के कार्ड और उसके नंबर उपलब्ध हैं। जैसे आपके आधार का नंबर कुछ है और आपके मतदाता पहचान पत्र, पैन, बैंक खातों में कुछ और नंबर दिए गए हैं जिससे सही व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करने में कई तरह की समस्याएं सामने आती हैं। यदि एक व्यक्ति के पास एक ही पहचान पत्र और एक ही यूनिक नंबर उपलब्ध हो तो सही लाभार्थी की पहचान करना आसान हो जाएगा। इससे डिजिटल सुशासन में भी पार्दर्शिता आएगी। आधार संख्या किसी भी व्यक्ति के लिए आजीवन वैध होती है और इसे विभिन्न पहचान उद्देश्यों के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है। विकास आयुक्त ने कहा कि आधार में व्यक्ति की जनसांख्यिकीय जानकारी यानी उसका नाम, पता, जन्मतिथि, लिंग और बायोमेट्रिक जानकारियां जैसे फिंगरप्रिंट, आइरिस स्कैन और फोटो शामिल होते हैं, लेकिन बिहार में आधार से जुड़ी कई चुनौतियां भी हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मैं शिक्षा विभाग का कामकाज देख रहा था। मैंने पाया कि बिहार में बच्चों का आधार कार्ड बनवाने में कई तरह की विसंगतियां हैं जबकि यदि बच्चों का आधार उनके जन्म के साथ ही बनवा लिया जाए तो इन विसंगतियों को दूर किया जा सकता है।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में आयकर संबंधी सेमिनार, प्राचार्य व बर्सरों को दी गई जानकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की ओर से स्थानीय जेडी वीमेंस कॉलेज में आयकर विभाग के सहयोग से विश्वविद्यालय से जुड़े सभी कॉलेजों के प्राचार्य, बर्सर और सहायकों के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलसचिव डॉ. अबू बकर रिजवी, वित्त पदाधिकारी देव प्रकाश, सहायक आयकर आयुक्त राज गौरव और आयकर पदाधिकारी महेश कुमार राव ने संयुक्त रूप से किया। सेमिनार में आयकर अधिकारियों ने विस्तार से बताया कि शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के वेतन से आयकर किस प्रकार काटा जाए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार की ओर से किसी वित्तीय वर्ष में नौ या दस माह का ही वेतन दिया गया हो तो उतने ही वेतन पर टैक्स देना होगा। शेष राशि के भुगतान पर अगले वित्तीय वर्ष में टैक्स देना होगा। इसके लिए फॉर्म 89 भरकर एडवांस टैक्स में छूट ली जा सकती है। एरियर भुगतान के मामले में भी फॉर्म 89 भरना आवश्यक बताया गया। इसके साथ ही यह जानकारी दी गई कि ठेकेदारों अथवा अन्य सेवाओं के भुगतान पर 2 प्रतिशत टीडीएस काटना अनिवार्य है जबकि पैन कार्ड न होने पर यह दर 20 प्रतिशत हो जाएगी। शिक्षकों को समय पर फॉर्म-16 जारी करने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के प्राचार्य, उनके प्रतिनिधि, बर्सर और अकाउंटेंट मौजूद थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा की पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन एवं पोठही शाखा का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बैंक ऑफ बड़ौदा की पाटलीपुत्र रेलवे स्टेशन एवं पोठही शाखा का शुभारंभ किया गया। इन दोनों शाखाओं का उद्घाटन सुब्रत कुमार स्वाईं (महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, पटना अंचल) द्वारा किया गया। इस अवसर पर विजय कुमार झा (उप महाप्रबंधक, पटना अंचल), राकेश रंजन सिंह, (उप महाप्रबंधक पटना अंचल), नलिन कुमार (क्षेत्रीय प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक, पटना क्षेत्र), संजय कुमार राय (उप क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक, पटना क्षेत्र) सहित बैंक के अन्य स्टाफ सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्राहकगण उपस्थित थे। इस दौरान उपस्थित

उपस्थित जन समुदाय से अनुरोध लोगों को संबोधित करते हुए अंचल प्रमुख ने बैंक ऑफ बड़ौदा पटना अंचल की 316वीं एवं 317वीं शाखा को ग्राहकगण को समर्पित किया एवं आश्वस्त किया कि इन शाखाओं के माध्यम से ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुसार बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने किया है कि वे बैंक से जुड़कर अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करें। शाखा में हर स्तर पर उत्कृष्ट ग्राहक सेवा उपलब्ध कराई जायगी। शुभारंभ के साथ ही बड़ी संख्या में ग्राहकों ने अपने खाते खोले तथा बैंक द्वारा दी जा रही सेवाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया।

12 साल बाद पटना का नोट्र डेम एकेडमी फंडाजल से जगमगाएगा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना का नामचीन शैक्षणिक संस्थान नोट्र डेम एकेडमी लंबे 12 साल बाद अपने बहुप्रतीक्षित मेला 'फंडाजल' का आयोजन करने जा रहा है। यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि छात्रों, अभिभावकों और समाज के लिए मस्ती और सीख का एक अनोखा संगम प्रस्तुत करेगा। इस बार फंडाजल का विषय है- आइए मस्ती के लिए, जाइए खुशी के साथ और खाइए-खेलिए-आनंद लीजिए, सब एक उद्देश्य के लिए। आयोजन की तैयारियां उत्साहपूर्ण अंदाज में शुरू हो चुकी है। रंग-बिरंगे पोस्टर और आकर्षक लघु वीडियो ने पूरे माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया है। शुभारंभ समारोह में स्कूल समुदाय की प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी ने इसे और खास बना दिया। इस अवसर पर सिस्टर नमिता (मैनेजर), सिस्टर नेहा (प्रिंसिपल), सिस्टर हेमा (हेडमिस्ट्रेस) और सिस्टर नम्रता ने इस अवसर को अपने आशीर्वाद और प्रोत्साहन से गौरवान्वित किया।

किसानों के हाथों में अब डिजिटल शक्ति: 'बिहार कृषि' मोबाइल एप

सरकारी योजनाओं के लिए एकल डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार सरकार कृषि के क्षेत्र में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी एवं सुविधाएं सरल और पारदर्शी ढंग से उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में चतुर्थ कृषि रोड मैप के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 'बिहार कृषि' मोबाइल एप्लीकेशन की सुविधा प्रदान की जा रही है। यह एप किसानों के लिए एक बहुउद्देशीय और उपयोगी डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसके माध्यम से किसान सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 6.90 लाख किसान इस मोबाइल एप को डाउनलोड कर पंजीकरण करा चुके हैं, जो इस एप की लोकप्रियता और किसानों के बीच बढ़ते विश्वास को स्पष्ट दर्शाता है। 'बिहार कृषि' एप्लीकेशन को एकल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है जिससे किसान विभिन्न कृषि योजनाओं में आवेदन करने के साथ-साथ अपने आवेदन की स्थिति और स्वीकृति संबंधी जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। इस एप के माध्यम से किसानों को योजना से जुड़ी सभी सूचनाएं और सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस एप में 'किसान पासबुक' की सुविधा जोड़ी गई है। यह पासबुक बैंक पासबुक की तरह कार्य करता है और इसमें किसान द्वारा कृषि विभाग से प्राप्त अनुदान का पूरा ब्यौरा दर्ज होता है। इससे किसानों को यह जानने में सुविधा होगी कि उन्हें किस योजना के तहत कितना लाभ मिला है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 'सुविधा समागम' का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में सीए निरंजन कुमार, क्षेत्रीय निदेशक की अध्यक्षता में सुविधा समागम का आयोजन किया गया। बैठक में बिहार क्षेत्र के बीमाकृत व्यक्तियों को प्रदान किये जा रहे चिकित्सा हितलाभ, बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ, अंत्येष्टि व्यय एवं प्रसूति व्यय से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत से चर्चा की गयी। इस अवसर पर 5 बीमाकृत व्यक्तियों एवं उनके परिजनों के विभिन्न समस्याओं, विशेषकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति से सम्बंधित मामलों के विषय में जानकारी ली गयी एवं मौके पर ही इसके निराकरण हेतु समुचित निर्णय किए गए। सुविधा समागम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम के द्वारा विभिन्न शाखा कार्यालय एवं औषधालय सह शाखा कार्यालय में उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों का समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया गया। बीमाकृत व्यक्तियों को सूचित किया गया कि आपातकालीन स्थिति में निजी चिकित्सा संस्थानों में इलाज कराकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा करने पर उसे सीजीएचएस/सरकारी दर से सीमित कर दावे का भुगतान किया जाता है इसलिए बीमाकृत व्यक्तियों को यह सलाह दिया गया कि गैर आपातकालीन के मामलों में कर्मचारी राज्य बीमा निगम आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ या कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल सह चिकित्सा महाविद्यालय, बिहटा में पहले इलाज प्राप्त करें वहां चिकित्सा उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में ही निजी संस्थान में इलाज करायें। साथ ही उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों को यह आश्वासन भी दिया गया कि उनकी सुविधाओं में उत्तरोत्तर सुधार हेतु कर्मचारी राज्य बीमा निगम कार्यवायी कर रहा है।

सरकारी मदद से किसान कर सकते हैं गेंदा फूल की खेती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अब बिहार सरकार की मदद से किसान गेंदा के फूलों की खेती कर सकते हैं। बिहार सरकार के कृषि विभाग ने गेंदा विकास योजना से किसानों को लाभांवित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगा है। गेंदा फूल की खेती से किसान कम समय में अधिक मुनाफ कमा सकते हैं। एक किसान को न्यूनतम 0.1 हेक्टेयर और अधिकतम 2 हेक्टेयर तक जमीन पर इस योजना का लाभ मिल सकता है। योजना के तहत इसकी खेती पर इकाई लागत दर 80 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर है जिस पर अनुदान की राशि 50 प्रतिशत है। गेंदा फूल की खेती के लिए किसान के पास जमीन होना आवश्यक है। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों के पास एलपीसी तथा जमीन की अद्यतन रसीद होना आवश्यक है जिन किसानों के पास जमीन उपलब्ध नहीं है, वे एकरारनामा के आधार पर योजना का लाभ ले सकते हैं। वहीं यदि आवेदक का नाम भूमि-स्वामित्व/राजस्व रसीद में स्पष्ट नहीं है तो भूमि-स्वामित्व /राजस्व रसीद के साथ वंशावली भी लगाना होगा।

इसकी खेती करने वाले ले सकेंगे मालवाहक वाहन पर अनुदान

गेंदा फूल की खेती करने वाले किसान को मालवाहक वाहन योजना का भी लाभ मिलेगा। किसान अपने खेतों में उत्पादित गेंदा फूल बाजार भेज सकें इसके लिए उन्हें मालवाहक वाहन खरीदने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। मालवाहक वाहन की अनुमानित लागत 6,50,000 रूपए है जिसका 50 प्रतिशत अर्थात 3,25,000 रुपए या वाहन का वास्तविक मूल्य का 50 प्रतिशत, दोनों में से जो कम हो उस पर अनुदान मिलेगा। इसके लिए आवेदक को खरीद किये जाने वाले वाहन का कोटेशन, जमीन के कागजात तथा गेंदा फूल की खेती से सम्बंधित एकरारनामा, तीनों कागजात को एक साथ कर आवेदन के क्रम में अपलोड करना होगा। इसकी अधिक जानकारी के लिए कृषि विभाग के किसान कॉल सेंटर या नजदीकी कृषि कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

पटना में भोला पासवान शास्त्री स्मृति व्याख्यान

अनुसूचित जातियों की राजनीतिक दावेदारी पर विचार-विमर्श

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विधान परिषद के सभागार में आयोजित भोला पासवान शास्त्री स्मृति व्याख्यान में मगध विश्वविद्यालय, बोध गया के कुलपति प्रोफेसर शशि प्रताप शाही ने मुख्य वक्ता के रूप में अनुसूचित जातियों की राजनीतिक दावेदारी पर गहन चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य श्याम प्रसाद, विशिष्ट अतिथि मोहन सिंह क्षत्रिय कार्यवाहक और राणा प्रताप उपस्थित थे। अध्यक्षता डॉक्टर संजय पासवान, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य ने की। प्रोफेसर शाही ने अपने व्याख्यान में 1950 से लेकर वर्तमान तक बिहार की अनुसूचित जातियों की

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा 1950 में भारतीय संविधान लागू होने के साथ ही अनुसूचित जातियों को सामाजिक न्याय, समान अवसर और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की संवैधानिक गारंटी मिली। उन्होंने इतिहास का जिक्र करते हुए बताया कि राष्ट्रीयकृत संपत्ति शासन था जहां सदियों से दबे हुए और शोषित समूह को लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का अवसर प्रदान किया गया। आरक्षण व्यवस्था, राजनीतिक सीटों का वितरण और मूलभूत अधिकारों ने अनुसूचित जातियों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया। व्याख्यान में प्रोफेसर शाही ने बिहार राज्य पर विशेष जोर दिया जहां अनुसूचित जातियों की राजनीतिक चुनौतियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा बिहार राज्य जो सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों का गढ़ रहा है, अनुसूचित जातियों की राजनीतिक चेतना का केंद्र बना।

संपादकीय

सड़क पर उतरे युवा, हिंसक प्रदर्शन

36 घंटे में ही नेपाल का तख्ता पलट कर दिया। नेपाल में सड़कों पर उतरा युवाओं का गुस्सा अचानक आई प्रतिक्रिया नहीं और न ही सरकार के किसी एक फैसले से उपजा आक्रोश है। यह लंबे वक्त की हताशा है, जो सब्र का बांध टूटने के बाद जाहिर हो रही। नेपाल सरकार को सख्ती के बजाय समस्या की जड़ को समझना चाहिए और युवाओं से बातचीत कर रास्ता निकालने की कोशिश होनी चाहिए। पूर्व पीएम की पत्नी को भी जला दिया गया है। नेपाल सरकार ने स्थानीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराने के कारण बीते हफ्ते 26 सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर बैन लगा दिया। इनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स (पूर्व में ट्विटर), वट्सऐप जैसे बड़े प्लैटफॉर्म भी हैं। सरकार भले सुप्रीम कोर्ट के आदेश और नियमों का हवाला दे रही हो, लेकिन उसके इस कदम ने जनता खासकर युवाओं में दबे आक्रोश को उभार दिया। युवा वर्ग का कहना है कि यह प्रतिबंध सीधे उनके काम और अभिव्यक्ति पर है।जो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म अभी उपलब्ध हैं, उन्हीं के जरिये युवा एक-दूसरे से जुड़े और इस आंदोलन को खड़ा किया। इस दौरान नेपो बेबी ट्रेंड करना बताता है कि भाई-भतीजावाद और करप्शन से लोग किस कदर परेशान हैं। इस साल की शुरुआत में भी ऐसा ही एक आंदोलन हो चुका है, जब देशभर में मांग उठी कि राजशाही की वापसी हो। उस समय भी जनता ने भ्रष्टाचार को लेकर गुस्सा जताया था।नेपाल के अंदरूनी हालात लंबे समय से नाजुक बने हुए हैं। यह देश राजनीतिक अस्थिरता, बेरोजगारी और दूसरे मुद्दों से जूझ रहा है। विडंबना है कि 2008 में इन्हीं सब मुद्दों को लेकर व्यापक जन आंदोलन छिड़ा था, जिसने राजशाही का अंत कर गणतांत्रिक व्यवस्था कायम की। लेकिन, दो दशक भी नहीं बीते और उस सिस्टम से जनता का मोहभंग हो चुका है। चुने हुए नेताओं ने लोगों को किस कदर निराश किया है, समझने के लिए यह बताना काफी है कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। और, पूर्व प्रधानमंत्रियों शेर बहादुर देउबा से लेकर बाबूराम भट्टराई, प्रचंड और मौजूदा पीएम केपी शर्मा ओली तक - तमाम राजनेता किसी न किसी तरह के करप्शन के आरोपों का सामना कर रहे हैं।नेपाल की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन और प्रवासी नागरिकों की ओर से भेजी गई रकम पर निर्भर है, पर हाल में दोनों में कमी आई है। युवाओं में बेरोजगारी दर 19.2प्रतिशत है और 82प्रतिशत आबादी इनफार्मर एम्पालाईमेंट में है। देश की तष्ठकमें मामूली तेजी का अनुमान है, लेकिन सरकार युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में नाकाम रही है। युवाओं को कोरे वादे नहीं, बदलाव चाहिए।

पूर्वजों के पुण्य स्मरण की परंपरा भले ही हमारे यहां श्राद्ध पक्ष के सोलह श्राद्धों के माध्यम से आदि काल से चली आ रही हो पर दुनिया के लगभग सभी धर्मावलंबियों और देशों में किसी ना किसी रुप में पूर्वजों के पुण्यस्मरण की परंपरा अनवरत काल से चली आ रही है। हालांकि हमारे देश के ही कुछ प्रतिक्रियावादी लोग श्राद्ध और श्राद्ध कर्म को लेकर मखौल उड़ाने में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ते पर वह यह भूल जाते हैं कि धरती के साक्षात् देवता हमारे जन्मदाता माता-पिता है। यह साफ हो जाना चाहिए कि माता-पिता के अस्तित्व को लेकर कोई किसी तरह का प्रश्न चिन्ह नहीं उठा सकता। उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। माता-पिता की यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और पीढ़ी दर पीढ़ी उनके स्मरण का हमारा दायित्व हो जाता है।

पंचग्रास में समाहित है संपूर्ण चराचर जगत का कल्याण

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

हमारी शाश्वत परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति पर तीन ऋण होते हैं और उनमें से पहला ऋण देव ऋण है तो दूसरा ऋषि ऋण और तीसरा ऋण पितृ ऋण है। प्रत्येक जन्म लेने वाले व्यक्ति को इन तीनों ऋणों से उऋण होने की शिक्षा दी जाती है तो यह उसका दायित्व भी हो जाता है।

पूर्वजों के पुण्य स्मरण की परंपरा भले ही हमारे यहां श्राद्ध पक्ष के सोलह श्राद्धों के माध्यम से आदि काल से चली आ रही हो पर दुनिया के लगभग सभी धर्मावलंबियों और देशों में किसी ना किसी रुप में पूर्वजों के पुण्यस्मरण की परंपरा अनवरत काल से चली आ रही है। हालांकि हमारे देश के ही कुछ प्रतिक्रियावादी लोग श्राद्ध और श्राद्ध कर्म को लेकर मखौल उड़ाने में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ते पर वह यह भूल जाते हैं कि धरती के साक्षात् देवता हमारे जन्मदाता माता-पिता है। यह साफ हो जाना चाहिए कि माता-पिता के अस्तित्व को लेकर कोई किसी तरह का प्रश्न चिन्ह नहीं उठा सकता। उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। माता-पिता की यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और पीढ़ी दर पीढ़ी उनके स्मरण का हमारा दायित्व हो जाता है। पितृपक्ष और मातृपक्ष दोनों ही पीढ़ियों के स्मरण और श्रद्धा या यों कहे कि श्राद्ध स्वरुप भोजन, वस्त्र, जल आदि आदि पत्र पुष्प के माध्यम से सम्मान स्वरुप स्मरण किया जाता है। श्राद्ध स्वरुप ब्राम्हणों को भोजन कराने और इसी तरह की अन्य व्यवस्थाओं के साथ जुड़ी पंच ग्रास की परंपरा को आलोचकों को ज्ञान ही नहीं होता। श्राद्ध निमित्त ब्राह्मण भोजन से पहले पंच ग्रास का विधान है। पंचग्रास के पीछे के रहस्य को समझना भी आवश्यक हो जाता है। पंचग्रास में गोग्रास, श्वान ग्रास, कोएं को ग्रास, चिंटी आदि को ग्रास और अभ्यागत ग्रास इस तरह से पंच ग्रास का विधान है। अब इसी से समझ सकते हैं कि इस पंच ग्रास में प्रकृति का कोई पक्ष शेष नहीं रह जाता है। गो ग्रास में पशुधन आ जाता है तो श्वान ग्रास में पशु, कोएं के ग्रास से पक्षिगण, चिंटी पतंगा के ग्रास से चिंटी आदि जीव और अंतिम अभ्यागत ग्रास में भिखारी आदि आ जाते हैं। ब्राह्मण भोजन को ढकोसला कह कर समझने वालों को श्राद्ध के मूल की सभी विधानों को समझना होगा। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि पंच ग्रास से अर्थ मात्र औपचारिकता से नहीं लिया जाना चाहिए।

हमारी शाश्वत परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति पर तीन ऋण होते हैं और उनमें से पहला ऋण देव ऋण है तो दूसरा ऋषि ऋण और तीसरा ऋण पितृ ऋण है। प्रत्येक जन्म लेने वाले व्यक्ति को इन तीनों ऋणों से उऋण होने की शिक्षा दी जाती है तो यह उसका दायित्व भी हो जाता है। देव ऋण में सृष्टि के नियंता का स्मरण और उसके प्रति आभार प्रकट करना है। इसके लिए भजन-पूजन, स्मरण, सदाचरण आदि की बात है। जो अपने आप को नास्तिक कहते हैं और किसी शक्ति में विश्वास नहीं करते तो भी उन्हें प्रकृति पर तो विश्वास करना ही होगा। प्रकृति को विकृति से बचाना हमारी जिम्मेदारी होती है और प्रकृति व मानवमात्र के कल्याण की बात करना ही देव ऋण से उऋण होने का एक तरीका है। इसी तरह से हमको शिक्षा प्रदान करने वाले गुरु परंपरा का मान सम्मान और ज्ञान की इस परंपरा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना ही गुरु ऋण से उऋण होने का एक तरीका हो सकता है। जहां तक पितृ ऋण से उऋण होने का प्रश्न है तो इससे उऋण होने का भी आसान रास्ता बताया गया है और वह बच्चे होते ही पूरी होना शुरु हो जाती है और इन बच्चों की शिक्षा और संस्कारित करना और शादी विवाह आदि जिम्मेदारियों का निर्वहन तो आता ही है। यही कारण है कि पौत्र-प्रपौत्र या नाती-नातियों को देखना और पौत्र होने पर सोने की सीढ़ी चढ़ना आदि इसी और इषारा करता है कि हमारे कुल परंपरा में पूर्वजों के श्राद्ध यानी स्मरण करने वाली पीढ़ी हो गई है। कभी मृत्यु के बाद बारह दिन के संस्कारों को देखने का अवसर मिले या फिर बारहवें दिन की सपीण्डी क्रिया देखने को मिले तो कई बातें साफ हो जाती है। सपीण्डी में तीन पितृ पक्ष और तीन मातृ पक्ष के पूर्वजों के स्मरण, पूजा आदि के बाद जब सभी को एकाकार कर दिया जाता है तो उसे सपीण्डी कहा जाता है। हमारी परंपरा यहां तक ही सीमित नहीं रहती। विधान तो यहां तक है कि किसी भी यजन कार्य में पितृ पूजा अवश्य होती है और दोनों ही पक्षों की तीन-तीन पीढ़ी यहां तक कि विवाह संस्कार में भी तीन तीन पीढ़ियों का पुण्य स्मरण किया जाता है।

हमारी शाश्वत परंपरा में व महाभारत व अन्य पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख आता है कि महर्षि अत्रि ने सबसे पहले निमि को श्राद्ध का उपदेश दिया और महर्षि निमि ने सबसे पहले अपने पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म किया। श्राद्ध कर्म में अग्नि को भी खास महत्व दिया गया है और यह माना जाता है कि अग्नि देव के माध्यम से श्राद्ध पूर्वजों को अर्पित किया जाता है। हमारे यहां पूर्वजों के स्मरण या श्राद्ध के खासतौर से दो अवसर होते हैं। पहला अवसर तो जिस दिन दाग तिथि यानि अंतिम संस्कार या यों कहें कि देहावसान की तिथि को प्रतिवर्ष श्राद्ध का विधान है तो दूसरा महालय श्राद्ध यानि की कन्यागत सूर्य के समय के पन्द्रह दिवस। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या के कुल सोलह दिन सोलह श्राद्ध के दिन होते हैं। स्वर्गागमन किसी भी पक्ष में हो पर कन्यागत श्राद्ध जिसे हम बोलचाल की भाषा में कनागत कहते है उन सोलह दिनों की तिथि के अनुसार श्राद्ध निकाला जाता है। जैसे पूर्णिमा को पूर्णिमा तो प्रतिपदा का प्रतिपदा को और इसी तरह से संबंधित तिथि को। यहां एक बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। शास्त्राचार व लोकाचार में एक बात पर अवश्य जोर दिया गया है कि हमारे पूर्वज श्राद्ध के दिन पुत्री पक्ष की उपस्थिति से अधिक प्रसन्न होते हैं। इसमें श्राद्ध भोजन कि निमित्त या अवसर पर दोयते-दोयती, भांजें-भांजी को भोजन कराना अत्यधिक फलदायक बताया गया है। परिवार की पुत्रियों का इस अवसर पर स्वागत और भी अधिक प्रसंसनीय हो जाता है। स्वागत का अर्थ उनकी उपस्थिति से हो जाता है। पुत्रि पक्ष में बहन, बुआ, बेटियां आदि आ जाती है। अब इसे सामाजिक और वैज्ञानिक तरीके से भी समझने का प्रयास करें तो श्राद्ध कर्म परिवार के जुड़ाव और कुल-कुटुंब में प्रेमाचार-भाईचारा बढ़ाने का अवसर है। इससे हमारे पितृगण प्रसन्न होते हैं। अब इसी से समझा जा सकता है कि श्राद्ध के माध्यम से परिवार को एकजुट होने, एक दूसरे से मिलने-मिलाने और प्रेम और स्नेह को बढ़ाने का अवसर मिल जाता है। यह सब में इसलिए लिख रहा हूं कि श्राद्ध के विधान को लेकर तो मर्मज्ञ विस्तार से चर्चा कर ही लेते हैं। यह भी सब जानते हैं कि श्राद्ध को जहां तक संभव हो विसम संख्या में भोजन कराना चाहिए। योग्यता एक अन्य शर्त कही जा सकती है तो शुद्धता भी आवश्यक होती है। इस सबके साथ ही विधान की लंबी फेहरिस्त हो जाती है और धर्म के आलोचक उसको लेकर टीका-टिप्पणी करते ही रहते है। पर श्राद्ध कर्म से दो बातें साफ हो जानी चाहिए कि यह केवल और केवल हमारे यहां ही होता हो तो ऐसा है नहीं चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, फ्रांस में ला टेसेंट, योरापीय देषों में आल सेंट्स डे, बौद्धों में घोस्ट फेस्टिवल आदि पूर्वजों के स्मरण और पूजन आदि के अवसर है।

इसलिए यह साफ हो जाना चाहिए कि श्राद्ध, श्राद्ध पक्ष और श्राद्ध कर्म के पीछे हमारे पूर्वजों की गहन सोच है। यह मात्र औपचारिकता या ब्राह्मण भोजन तक सीमित नहीं है तो भोजन कराने से पूर्वजों तक भोजन पहुंचने को लेकर मजाक उड़ाने वालों को बहुत कुछ समझने और उसके मूल को समझना होगा। यदि यह ढ़कोसला होता तो चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, बौद्ध देशों में घूस्ट फेस्टिवल या योरोपीय देशों में टेसेंट या आल सेंट्स डे आदि नहीं होते। इन सबसे भी इतर हमें हमारे जन्मदाताओं के प्रति कृतज्ञता तो व्यक्त करना हमारा दायित्व हो जाता है और यही तो हम श्राद्ध कर्म के माध्यम से करते हैं। बस श्राद्ध में श्रृद्धा का जो महत्व है उसकी पालना हमें करनी ही होगी। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जागरूकता से आ सकती है आत्महत्या में कमी

डॉ. मधु कुमारी

आज-कल आत्महत्या एक बहुत बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन गई हैं विश्व स्वास्थ्य संगठन के आँकड़े के अनुसार दुनिया में हर साल10 लाख से अधिक लोगों की जान चली जाती है और आत्महत्या के गहरे प्रभाव समाज, परिवार, दोस्त, कार्यस्थल सभी जगहों पर गहरा प्रभाव पड़ता है इस लिए आत्महत्या करने से रोकना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल ÷आत्महत्या रोकथाम दिवस ÷ 10 सितंबर को मनाया जाता है।

2025 का थीम है ÷कार्यवाई के माध्यम से आशा का सृजन÷ जो हमें आत्महत्या रोकने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करता है।यह पूरी दुनिया के लोगों के आत्महत्या जैसे जटिल समस्याओ के प्रति सोच बदलने कि एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है।

आत्महत्या जीवन का सबसे प्राणघातक फैसला है।जीवन में ऐसी स्थितिया आती हैं जब इंसान उससे लड़ नहीं पाता। जब उसे अपनी समस्या का समाधान नहीं दिखाई देता है तो उसके पास एक मात्र विकल्प दिखाई देता है।

आत्महत्या को कैसे रोका जा सकता है

आत्महत्या को समय रहते रोका जा सकता है लेकिन इंसान के भीतर ऐसी सोच पैदा नहीं होती।आधुनिक जीवन शैली बहुत ही प्रतिस्पर्धातमक हो गई है।व्यक्ति हर बात को अपनी सफलताओ और असफलताओ से जोड़ देता है जिसकी वजह से इस तरह की घटनाएं होती है। विश्व में होने वाली कुल आत्महत्याओ का 21 फीसदी भारत में होता है।

पूरी दुनिया जिंदगी की बदलती ब्यस्तताओ और कार्य के मानसिक तनाव के साथ जिंदगी का मूल्यांकन अर्थ से जुड़ गया है जिसकी वजह से युवाओं में आत्महत्या की प्रविर्ती सबसे अधिक है।

आत्महत्या के कारण

- आर्थिक तनाव
- सामाजिक अलगाव की स्थिति
- नौकरी छुट जाना
- धार्मिक अनुष्ठानो में शामिल न होना
- घरेलू कलह
- आज के युवा प्रेम प्रसंग में बहुत जान दे रहे है द्य
- इगो की बहुलता द्य
- हीन भावना द्य
- समायोजन की कमी

आत्महत्या के विचार रखने वाले व्यक्ति के लक्षण

- उच्च स्तर का दोष भाव व्यक्त करना।
- असहाय महसूस करना।
- नशे का बहुत ज्यादा सेवन करना।
- परिवार व मित्रों से दूरी बना लेना।
- स्वयं को खत्म करने का मौका तलाश करना।

आत्महत्या निवारण के उपाय

- अध्यात्म से जुड़े रहे क्योंकि अकेले रहने से बहुत तरह का बात मन में ख्याल आते हैं

अपने उत्साह को बनाये रखें

- स्वास्थय संबंधि समस्या होने पर सही समय पर उचित इलाज कराए।
- अपने मानसिक स्वास्थ्य का हमेशा ध्यान रखें।
- स्वस्थ मनोरंजन करें।
- परिवार के साथ समय बिताए।

परिवार की भूमिका

- ऐसे विचार रखने वाले व्यक्ति से बातचीत करे जिससे कि वह अपनी मन की बातो को साझा कर सके।
- उन्हें अकेला कभी न छोड़ें।
- परिवार में कलह न करें।
- परिवार में लम्बे समय तक मन मुटाव न रखें।

शिक्षकों की भूमिका

- छात्रों के कमजोरी को सभी के सामने प्रगट ना करें।
- दूसरे बच्चों से तुलना न करे।
- छात्रों के व्यवहार में असमान्य परिवर्तन होने पर अभिभावक से बात करें।
- छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाए।
- छात्रों को आत्मनिर्भर बनने के लिए शिक्षित करें ।
- कक्षा का वातावरण तनाव रहित रखें।

(लेखिका सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय , औरंगाबाद में मनोविज्ञान विभाग में सहायक प्राध्यापक हैं)

नेता सत्ता के लिए निचले स्तर तक गिरा रहे हैं भाषा की गरिमा

सत्ता पाने के लिए राजनीति में भाषा निम्न स्तर तक पहुंच गई है। आश्चर्य यह है कि ऐसा करने वाले नेताओं में कोई शर्म-लिहाज नहीं बची है। विकास, भ्रष्टाचार और देश की एकता-अखंडता जैसे मुद्दों पर वोट बैंक बटोरने के लक्ष्य की तुलना में नेताओं को स्तरहीन भाषा का प्रयोग करना सत्ता पाने के लिए ज्यादा आसान लगता है। चुनाव समीप आते ही नेताओं की जुबान बेलगाम हो जाती है। बिहार विधानसभा चुनाव समीप हैं।

(योगेंद्र योगी)

बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी ने नेताओं के भाषा विवाद को नैतिकता के निचले पायदान पर पहुंचा दिया है।

सत्ता पाने के लिए राजनीति में भाषा निम्न स्तर तक पहुंच गई है। आश्चर्य यह है कि ऐसा करने वाले नेताओं में कोई शर्म-लिहाज नहीं बची है। विकास, भ्रष्टाचार और देश की एकता-अखंडता जैसे मुद्दों पर वोट बैंक बटोरने के लक्ष्य की तुलना में नेताओं को स्तरहीन भाषा का प्रयोग करना सत्ता पाने के लिए ज्यादा आसान लगता है। चुनाव समीप आते ही नेताओं की जुबान बेलगाम हो जाती है। बिहार विधानसभा चुनाव समीप हैं। ऐसे में प्रतिद्वन्दी राजनीति दल किसी भी सूरत में सत्ता पाने चाहते हैं, बेशक इसके लिए भाषा की मर्यादा को ही तार-तार क्यों न करना पड़े।

बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी ने नेताओं के भाषा विवाद को नैतिकता के निचले पायदान पर पहुंचा दिया है। अफसोसजनक यह है कि राजनीतिक दलों के मुखिया ऐसी हरकतें करने के लिए माफी तक नहीं मांगते। इसके विपरीत दूसरे नेताओं ने कब-कब इस तरह की अमर्यादित और अपमानित करने वाली भाषा का इस्तेमाल किया, इसका बेशर्मी से उदहारण देने लगते हैं। पीएम मोदी के मामले में भी यही तौर-तरीका अपनाया गया।

मौका चुनाव का न हो तब भी नेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए ऐसी हरकतें करते रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह गिरावट तेजी से आई है। देश का शायद ही कोई नेता ऐसा हो, जिसने भाषा की गरिमा को छिन्न-भिन्न नहीं किया हो। भाषा के अलावा नेता जुमलों का इस्तेमाल भी सत्ता स्वार्थ के लिए करते रहे हैं। इसकी फेहरिस्त काफी लंबी है। दिल्ली में निर्भया बलात्कार हत्याकांड के बाद आरोपियों को हुई फांसी की सजा पर समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने एक रैली में कहा था कि जब लड़के और लड़कियों में कोई विवाद होता है तो लड़की बयान देती है कि लड़के ने मेरा बलात्कार किया। इसके बाद बेचारे लड़के को फांसी की सजा सुना दी जाती है। बलात्कार के लिए फांसी की सजा अनुचित है। लड़कों से गलती हो जाती है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने एक पार्टी कार्यक्रम में जयंती नटराजन को टंच माल कह दिया था। दिग्गी ने एक बार राखी सावंत पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि अरविंद केजरीवाल और राखी सावंत जितना एक्सपोज करने का वादा करते हैं उतना करते नहीं हैं। उनके इस बयान पर राखी न उन्हें सठिया गए हैं, कह कर झिड़का था। शरद यादव शरद यादव महिलाओं पर कई बार अभद्र टिप्पणी की। जेडीयू नेता रहे शरद यादव ने बयान दिया था कि बेटियों की इज्जत से वोट की इज्जत बड़ी है, जिसके बाद सभी तरफ से इसका बयान का खंडन किया गया। महिला आरक्षण विधेयक जब पहली बार संसद में रखा गया था तब शरद यादव ने कहा था कि इस विधेयक के जरिए क्या आप परकटी महिलाओं को सदन में लाना चाहते हैं।

भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था महिलाओं को ऐसा श्रृंगार करना चाहिए, जिससे श्रद्धा पैदा हो, न कि उत्तेजना। कभी कभी महिलाएं ऐसा श्रृंगार करती हैं, जिससे लोग उत्तेजित हो जाते हैं। एक अन्य कार्यक्रम में भाजपा नेता विजयवर्गीय ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को महिलाओं का शौकीन बताया था। छत्तीसगढ़ के कोरबा से भाजपा सांसद रहे बंसीलाल महतो ने छत्तीसगढ़ के खेल मंत्री भैयालाल राजवाड़े का नाम लेते हुए कहा था कि वो अक्सर बोला करते हैं कि अब बालाओं की जरूरत मुंबई और कलकत्ता से नहीं है, कोरबा की टूरी और छत्तीसगढ़ की लड़कियां टनाटन हो गई हैं। हरियाणा की एक खाप पंचायत के नेता जितेंद्र छत्तर ने कहा था कि मेरे ख्याल से फास्ट फूड खाने से बलात्कार की घटनाएं बढ़ती हैं।

इसी तरह भाजपा नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने एक बार प्रियंका गांधी के लिए कहा था कि वह बनारस से चुनाव हार जाएंगी क्योंकि बहुत शराब पीती हैं। नेहरू और लेडी माउंटबेटन के संबंधों पर भी स्वामी विवादित टिप्पणी कर चुके हैं। भाजपा नेता श्रीप्रकाश जायसवाल ने एक बार बयान दिया था कि, नई शादी का मजा ही कुछ और होता है और ये तो सब जानते हैं कि पुरानी बीवी में वो मजा नहीं रहता। गोवा के मुख्यमंत्री और भारत के पूर्व रक्षा मंत्री रहे मनोहर पर्रिकर ने लड़कियों के शराब पीने पर चिंता जाहिर करते हुए कहा था मैं डरने लगा हूं क्योंकि अब तो लड़कियां भी शराब पीने लगी हैं। सहने की क्षमता खत्म हो रही हैं।

वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में नेताओं की जुबान ने अपने बयानों से देश को शर्मसार कर दिया था। इसको लेकर चुनाव आयोग ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, आजम खान और मायावती को 72 और 48 घंटों के लिए बैन किया था। गुजरात में हुए विधानसभा चुनाव से पहले कांगेस नेता मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। हालांकि अपने बयान के बाद मणिशंकर अय्यर ने माफी मांग ली थी। गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राहुल गांधी के मंदिरों में बैठने के तरीके और पूजा पर कमेंट किया। बात यहां तक बढ़ी कि राहुल गांधी के गैर-हिंदू से लेकर जनेऊ संस्कार तक को निशाने पर ले लिया गया।

मेरठ में एक कार्यक्रम के भाजपा नेता साक्षी महाराज ने कहा कि देश की आबादी हिंदुओं की वजह से नहीं बढ़ रही है, यह कुछ समुदाय के लोगों की वजह से बढ़ रही है, जो चार पत्नी रखते हैं और 40 बच्चे पैदा करते हैं। भाजपा नेता दयाशंकर सिंह ने बसपा सुप्रीमो मायावती को पर ऐसा बयान दिया था जिसको लेकर उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाना पड़ा था। मायावती पर पार्टी का टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए दयाशंकर सिंह ने कहा था कि बदतर चरित्र की आज मायावतीजी हो गई हैं। नेताओं की गंदी होती जुबान और उस पर पार्टी नेतृत्व की तरफ से अंकुश न लगाया जाना समाज के लिए बेहद घातक हो सकता है। सोशल मीडिया के इस दौर में ऐसे आपत्तिजनक बयान तेजी से वायरल होते हैं, जो लोगों की सोच को प्रभावित करते हैं। अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने वाले नेताओं को पार्टी से बर्खास्त कर देना चाहिए। साथ ही यह नियम भी होना चाहिए कि एक पार्टी से निकाले जाने के बाद उसे दूसरे पार्टी की सदस्यता न मिल सके। ऐसा होने से जो नेता अभी अमर्यादित भाषा बोल रहे हैं, उनकी बदजुबानी पूरी तरह बंद हो जाएगी।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तसर की खेती से मिली निराशा, बढ़ा कर्ज का बोझ

प्रखंड की मोहुलबोना पंचायत के पहाड़पुर गांव में मंगलवार को महिला संवाद का आयोजन किया गया.

रानीश्वर/नवबिहार टाइम्स संवाददता। प्रखंड की मोहुलबोना पंचायत के पहाड़पुर गांव में महिला संवाद का आयोजन किया गया. इसमें तसर की खेती करने वाली महिलाएं पहुंचीं और अपनी समस्याएं रखीं. समाधान कैसे हो सकता है, इस पर भी चर्चा की. इस बार तसर की खेती करने वालों को भारी नुकसान उठाना पड़ा. गांव के सभी लोगों ने काठीकुंड से तसर की खेती के लिए बीज लाये थे. जंगल साफ कर पेड़ों की टहनियों की छंटाई कर खेती की पूरी प्रक्रिया पूरी की गयी थी. अंडे से कीड़ा भी निकला था. लेकिन कीड़ा मर जाने से खेती चौपट हो गयी. इसके कारण सभी को आर्थिक नुकसान हुआ. किसी ने उधार लेकर तो किसी ने सूद पर पैसा लेकर बीज खरीदा था. ऊपर से परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर तीन महीने तक मजदूरी की थी. पर बीज नष्ट हो जाने से न सिर्फ पैसा बर्बाद हुआ बल्कि तीन महीने की मेहनत भी बेकार चली गयी. महिलाओं ने बताया कि तसर की अच्छी खेती होने पर 50 से 60 हजार रुपये तक की आमदनी होती. लेकिन इस बार सभी को नुकसान हो गया. महिलाओं ने बताया कि काठीकुंड के सरकारी संस्थान से ही तसर बीज लाये गये थे. खेती करनेवाली महिलाओं की आपबीती 8000 रुपये में चार पैकेट तसर बीज (अंडा) खरीदे थे. पैसे नहीं रहने पर उधार लेकर खरीदे थे. लेकिन अंडे से कीड़ा निकलने के बाद कीड़ा मर जाने से सारी मेहनत और पैसा बेकार चला गया. ऊपर से ऋण का बोझ चढ़ गया. सानी मुर्मू मैंने भी उधार में तीन पैकेट बीज खरीदा था. सभी सदस्य दो-तीन महीने तक धूप और बारिश में भीग कर खेती के लिए मेहनत की. बीज नष्ट हो जाने से सारी मेहनत और पैसा बेकार चला गया. अब अगले साल तक इंतजार है. मीरु मुर्मू तसर की खेती कर अच्छी आमदनी की उम्मीद थी. लेकिन इस साल निराशा ही हाथ लगी. जंगल साफ कर पेड़ों की टहनियों की कटाई की थी. अंडे से कीड़ा निकला. कीड़ा नष्ट हो जाने से सब बेकार हो गया. कर्ज का बोझ बढ़ गया. झुमरी मरांडी तसर की खेती के लिए चार हजार रुपये में दो पैकेट बीज खरीदे थे. परिवार के सदस्यों ने मिलकर मेहनत की. किस कारण से कीड़ा मर गया, इसका पता नहीं चल सका. रोकथाम के लिए किसी तरह की व्यवस्था भी नहीं थी. लुमसी सोरेन तसर उत्पादन कर अच्छी आमदनी की उम्मीद से प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी अन्य ग्रामीणों के साथ खेती की थी. उधार में 4000 रुपये में दो पैकेट बीज खरीदे थे. लेकिन सब बेकार हो गया. एक साल बेकार चला गया. निरोजिनी मुर्मू इस बार अंडा ठीक नहीं था. काठीकुंड से ही अंडा लाये थे. किन कारणों से अंडे से निकला कीड़ा नष्ट हो गया. ता नहीं चल सका. तसर उत्पादन होने पर 50-60 हजार रुपये की आमदनी होती. मेहनत बेकार हो गयी. सकोदी हेंब्रम अंडा ही शायद ठीक नहीं था. नहीं तो सभी का कीड़ा नष्ट नहीं होता. हमलोग गरीब परिवार से हैं. तसर की खेती कर आमदनी होने से परिवार के खर्च में सहूलियत होती. लेकिन खेती नहीं हुई, ऊपर से ऋण का बोझ है. सुशांति हांसदा जंगली क्षेत्र में तसर उत्पादन कर अच्छी आमदनी का स्रोत है. जिस साल अच्छी उपज होती है, उस साल आमदनी भी ठीक होती है. बेचकर जो भी पैसा मिलता है, उस पैसे को परिवार के लिए खर्च किया जाता है. सब गड़बड़ हो गया. बुदीन मरांडी ग्रामीणों के साथ-साथ मैं भी परिवार वालों के साथ तसर की खेती में जुट गयी थी. उम्मीद के साथ मेहनत कर खेती भी की थी. अच्छी खेती कर आमदनी होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. मैंने भी तीन पैकेट बीज खरीदा था. बेकार हो गया. मीरुदी मरांडी इस बार तसर की खेती से जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई के लिए सरकार को पहल करनी चाहिए. और यह भी जांच होनी चाहिए कि किन कारणों से कीड़ा नष्ट हुआ. इस बार सारी मेहनत और पैसा बेकार चला गया. हुपनी टुडू इस बार ज्यादा नहीं, मात्र दो पैकेट बीज लेकर खेती की थी. इसमें चार हजार रुपये लगा था. ज्यादा बीज लेने से सभी पैसा बर्बाद हो जाता. तसर की खेती के लिए जून से लगना पड़ता है. चिलचिलाती धूप में काम करना पड़ा. सोहागिनी मुर्मू इस उम्र में भी तसर उत्पादन कर आमदनी करने की उम्मीद से ग्रामीणों के साथ खेती की थी. खेती की सारी प्रक्रिया पूरी की थी. पर इस बार सब कुछ गड़बड़ हो जाने से सारी मेहनत बेकार हो गयी.

चाची का अश्लील वीडियो बनाकर करता था ब्लैकमेल, चाचा ने कर दी हत्या, 3 गिरफ्तार

गढ़वा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चाची का अश्लील वीडियो बनाकर उसको शारीरिक संबंध बनाने के लिए कहने वाले भतीजे को उसके चाचा ने अपने दोस्तों के साथ मार डाला. मृतक का शव जादूगोड़ा पुलिस ने बरामद किया. इस मामले में पुलिस ने मृतक के चाचा समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है. पूर्वी सिंहभूम के जिला मुख्यालय जमशेदपुर के बिरसानगर थानांतर्गत जोन नंबर-11 के रहने वाले लापता कृष्णा महतो का शव जादूगोड़ा में नदी किनारे से पुलिस ने बरामद किया है. कृष्णा का हाथ-पांव बंधा हुआ था. पुलिस ने इस मामले में कृष्णा महतो के चाचा राजेश महतो, मुकेश मुर्मू और आसिफ अंसारी को गिरफ्तार किया है. तीनों ने मिलकर हत्या के इरादे से पहले कृष्णा का अपहरण किया. फिर हाथ-पांव बांध कर लुपुंगडीह पुल से नीचे नदी में फेंक दिया. गिरफ्तार तीनों आरोपियों ने गुनाह स्वीकार कर लिया है. तीनों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने रविवार को जेल भेज दिया. इस संबंध में कृष्णा महतो के भाई प्रकाश महतो ने केस दर्ज कराया था. कथित तौर पर कृष्णा ने अपनी चाची का नहाते हुए अश्लील वीडियो बना लिया था. उसके बाद वह उस वीडियो को दिखाकर चाची को शारीरिक संबंध बनाने के लिए कहता था. एक दिन कृष्णा अपने चाचा राजेश के साथ बैठकर शराब पी रहा था. उसी दौरान कृष्णा ने राजेश को वीडियो दिखाया और कहा कि अगर उसकी पत्नी उसके साथ संबंध नहीं बनायेगी, तो वह उस वीडियो को वायरल कर देगा. वीडियो देखने के साथ ही राजेश ने कृष्णा की हत्या करने का मन बना लिया था. इसके बाद राजेश अपने 2 दोस्त आसिफ अंसारी और मुकेश मुर्मू के साथ मिलकर कृष्णा की हत्या की योजना बनायी. सुबह से ही प्रकाश महतो अपने भाई कृष्णा को फोन करके बुला रहा था. काम में व्यस्त रहने के कारण वह उसके पास नहीं गया. रात करीब 7 बजे कृष्णा महतो, राजेश के पास पहुंचा. वहां आसिफ अंसारी और मुकेश मुर्मू पहले से बैठे थे. वहां पहुंचने पर राजेश ने बताया कि उसे गाड़ी लेने के लिए चलना है. इसके बाद सभी एक ही गाड़ी से रवाना हो गये. जब देर रात तक कृष्णा घर नहीं लौटा, तो उसकी खोजबीन शुरू हुई. उसके बारे में जानकारी नहीं मिली. उसके बाद भाई प्रकाश महतो ने राजेश और मुकेश के खिलाफ बिरसानगर थाने में कृष्णा की हत्या की नीयत से अपहरण करने का केस दर्ज कराया.

झामुमो का ऐलान, पेंशन योजना में भेदभाव पर घेरेंगे विधानसभा

भंडरिया/नवबिहार टाइम्स संवाददता। मुख्यालय स्थित पीडब्ल्यूडी डाक बंगला में झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमेटी की बैठक आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड उपाध्यक्ष रवि शंकर कश्यप ने किया. इसमें संगठन विस्तार के साथ-साथ आंदोलनकारियों को लेकर गंभीर चर्चा हुई. बैठक में उपाध्यक्ष रवि शंकर कश्यप ने कहा कि झारखंड आंदोलन में हिस्सा लेने वाले कार्यकताओं को सरकार पेंशन देने की घोषणा कर चुकी है. कई जिलों में आंदोलनकारियों को पेंशन की राशि मिल रही है, लेकिन भंडरिया प्रखंड के असली आंदोलनकारी आज भी इससे वंचित हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रखंड के सभी आंदोलनकारियों की सूची बनाकर राज्यस्तर पर भेजी जायेगी. यदि दो माह के भीतर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है, तो भंडरिया प्रखंड के आंदोलनकारी कार्यकर्ता के साथ मिलकर झारखंड विधानसभा का घेराव करेंगे.

राज्यस्तरीय इआरएमएस खेलकूद में गोड्डा और चाईबासा का दबदबा

वॉलीबॉल, फुटबॉल, एथलेटिक्स और रिले रेस में दिखाया दमखम, जीते पदक

दुमका/नवबिहार टाइम्स संवाददता। दुमका में आयोजित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में गोड्डा, चाईबासा, लोहरदगा, धनबाद और गिरिडीह के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया. वॉलीबॉल और फुटबॉल से लेकर एथलेटिक्स, रिले रेस, शॉटपुट और डिस्कस थ्रो तक खिलाड़ियों ने खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया. वॉलीबॉल प्रतियोगिता में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय तोरसिंदरी चाईबासा की टीम ने बाजी मारी. विजेता टीम में सलोनी बोडरा, अंजू केरकेट्टा, अर्पिता मुर्मू, जोशना मुंडा, पूनम हांसदा, मोहिनी बरदा, अनीशा कारोवा, अमीषा सरदार, शालिनी लुगून और खुशबू मांकी शामिल रहीं. रनर अप एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय तासरिया गोड्डा की टीम रही. इसमें छमी सोरेन, अन्नु किस्कू, मनीषा टुडू, बामनी पाहनिन, रेनूका मुर्मू, रितिका मालटो, बहामुनी पाहनिन, अंजली सोरेन, प्रेमी टुडू और दीपिका मुर्मू ने खेला. छात्राओं के उत्साहबर्द्धन के लिए संताल परगना के पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिन्हा दूसरे दिन के मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे. फुटबॉल में गोड्डा ने जीता खिताब फुटबॉल प्रतियोगिता में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय तासरिया गोड्डा की टीम विजेता रही. टीम में पूनम मुर्मू, निर्मला हांसदा, बिट्टी मुर्मू, प्रियांका हेंब्रम, अंजोली हांसदा, तबीता हेंब्रम, प्रीति हांसदा, नीलू हांसदा, प्रमोदिनी बेसरम, सबीना हांसदा, सोहनी मुर्मू, रितिका किस्कु, दुलार हेंब्रम, पुष्पा किस्कू और मीना हेंब्रम शामिल थीं. जबकि रनर अप एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कुजरा लोहरदगा की टीम रही. वहीं अंडर-19 वर्ग में 1500 मीटर दौड़ में तोरसिंदरी चाइबासा की इंद्रानी नुनिया ने पहला स्थान पाया. 400 मीटर और 100 मीटर दौड़ में गोड्डा की सलोनी मुर्मू और सालोमी मुर्मू विजेता रहीं. 200 मीटर में गोड्डा की पिंकी हांसदा और 800 मीटर में लोहरदगा की सोनाली उरांव ने स्वर्ण पदक जीता. अंडर-14 एथलेटिक्स में गोड्डा का जलवा अंडर-14 वर्ग में 400 मीटर दौड़ में गोड्डा की रंजू किस्कू, 200 मीटर में गोड्डा की ममता मालटो और 100 मीटर में तोरसिंदरी की बसुकी पुर्ती विजेता रहीं. 4.100 मीटर रिले रेस के अंडर-19 वर्ग में गोड्डा की प्रमोदिनी बेसरा, मीना हेंब्रम, सोहनी मुर्मू और सबीना हांसदा की टीम विजेता रही. अंडर-14 वर्ग में भी गोड्डा की ममता मालटो, समिला मुर्मू, रंजू किस्कु और मरियम हांसदा की टीम ने पहला स्थान पाया. जबकि अंडर-14 शॉटपुट में गोड्डा की नेहा किस्कु और डिस्कस थ्रो में मरियम हांसदा ने स्वर्ण पदक जीता. अंडर-19 वर्ग में शॉटपुट में गोड्डा की सबीता बेसरा और डिस्कस थ्रो में लोहरदगा की रोसिका उरांव विजेता रहीं. इधर 3 किलोमीटर वॉकिंग रेस में तोरसिंदरी की सोनम हांसदा ने पहला स्थान पाया. गोड्डा की अंबिका बेसरा दूसरे और दुमका की पार्वती हेंब्रम तीसरे स्थान पर रहीं.बैडमिंटन डबल्स (व-19) बैडमिंटन. भारती और ज्योति हेंब्रम की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता बैडमिंटन डबल्स में तोरसिंदरी चाईबासा की भारती मुर्मू और ज्योति हेंब्रम की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता. रनर-अप धनबाद की वर्षा मरांडी और कुमारी सुहाना टुडू रहीं. लॉन्ग जंप के अंडर-19 वर्ग में गिरिडीह की हिरामुनी कुमारी ने स्वर्ण पदक जीता, लोहरदगा की सोनाली उरांव को रजत और चाईबासा की सुनंदा बिरवा को कांस्य पदक मिला. जबकि गोड्डा की दुलार हेंब्रम विजेता रहीं, चाईबासा की जहानवी हेंब्रम को दूसरा और धनबाद की रीमा हेंब्रम को तीसरा स्थान मिला. ट्रिपल जंप के अंडर-14 वर्ग में चाईबासा की जाह्नवी हेंब्रम ने स्वर्ण पदक जीता. अंडर-19 में चाईबासा की नेहा मुर्मू को स्वर्ण, लोहरदगा की सोनाली उरांव को रजत और गोड्डा की पार्वती उरांव को कांस्य पदक मिला.

माता-पिता देते हैं जीवन, सार्थक बनाते हैं शिक्षक : देव

गढ़वा/नवबिहार टाइम्स संवाददता। गढ़वा श्री बंशीधर नगर अनुमंडल मुख्यालय के अधौरा टीडीएम इंटर कॉलेज में मंगलवार को पुरस्कार वितरण सह शिक्षण सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. महाविद्यालय के अध्यक्ष राजेश्वर प्रताप देव, प्राचार्य धनंजय सिंह सहित अन्य अतिथियों ने उद्घाटन किया. मौके पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए महाविद्यालय के अध्यक्ष राजेश्वर प्रताप देव ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के भाग्य विधाता होते हैं. माता -पिता भले ही उन्हें जीवन देते हैं, परंतु उस जीवन को सार्थक शिक्षक ही बनाते हैं. शिक्षकों का सच्चे मन से सम्मान मात्र से विद्यार्थियों का जीवन धन्य हो जाता है. लेकिन सम्मान में पूर्ण समर्पण की जरूरत होती है.

तकनीकी विशेषज्ञों की टीम पुल की मजबूती व संरचना की जांच करेगी : राजीव

एनएचआइ व आरकेडी कंपनी के अधिकारियों ने झुके पिलर का किया निरीक्षण

सिसई/नवबिहार टाइम्स संवाददता। गुमला-रांची मार्ग पर स्थित नागफेनी पुल के एक पिलर के झुकने की खबर प्रकाशित होने के बाद एनएचआइ (राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) और आरकेडी कंपनी के अधिकारियों में हड़कंप मच गया है. मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों की टीम नागफेनी पुल पहुंच पुल की स्थिति की बारीकी से निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को पुल का एक पिलर झुका हुआ मिला, जिससे उन्होंने संरचना पर दबाव बढ़ने की संभावना जतायी है. सुरक्षा की दृष्टि से अधिकारियों ने तत्काल पुल पर यातायात बंद करा दिया है. साथ ही पुल के दोनों ओर मिट्टी व डस्ट डाल कर बैरिकेडिंग कर दी गयी, ताकि कोई वाहन पुल से न गुजर सके. उसके लिए क्षतिग्रस्त पुल का रास्ता डायवर्ट कर पुराने पुल से जोड़ दिया गया है. एनएचआइ के निदेशक राजीव कुमार ने कहा कि तकनीकी विशेषज्ञों की टीम पुल की मजबूती और संरचना की विस्तृत जांच की जायेगी. जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की मरम्मत या पुनर्निर्माण की कार्रवाई तय की जायेगी. वहीं आरकेडी कंपनी ने दावा किया है कि स्थिति नियंत्रण में है और जल्द तकनीकी उपाय कर समस्या का समाधान कर लिया जायेगा. इधर क्षतिग्रस्त पुल पर की गयी बैरिकेडिंग बनाने और रास्ता डायवर्ट करने वाली व्यवस्था संतोषजनक नहीं है. रांची-गुमला हाइवे महत्वपूर्ण मार्ग है, जिससे रात-दिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं. रात में वाहन की गति काफी तेज होती है, जिसे रोकने के लिए सिग्नल की कोई व्यवस्था नहीं की गयी है. रास्ता डायवर्ट करने की जगह केवल बांस के खूंटा के सहारे प्लास्टिक का फीता बांध दिया गया है. पुल के समीप दोनों ओर मिट्टी का बैरिकेडिंग कर दी गयी है, जो सुरक्षा की दृष्टि से काफी नहीं है. इतना ही नहीं जहां रोड बंद का बोर्ड लगा है, वहां लाइन की व्यवस्था नहीं है. इससे यहां रात को हादसा होने का डर है.

छात्राओं ने हॉस्टल उपलब्ध कराने को लेकर कुलपति को सौंपा आवेदन

दुमका/नवबिहार टाइम्स संवाददता। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो कुनूल कंदीर से एसपी महिला कॉलेज की छात्राओं ने स्थायी हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर आवेदन सौंपा. छात्राओं ने कहा कि वे सभी यूजी सेमेस्टर-छह की छात्राएं हैं और जिस हॉस्टल में वे फिलहाल रह रही हैं, वहां के प्राचार्य ने जल्द से जल्द हॉस्टल खाली करने का आदेश जारी कर दिया है. ऐसी स्थिति में उनकी पढ़ाई बाधित हो सकती है. छात्राओं ने बताया कि इसी महाविद्यालय के कैंपस में एक हॉस्टल लंबे समय से खाली पड़ा है. उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह किया कि इस हॉस्टल को जल्द से जल्द खुलवाया जाए ताकि छात्राओं को स्थायी रूप से रहने की सुविधा मिल सके और उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो. विश्वविद्यालय प्रशासन ने दिया आश्वासनः छात्राओं की समस्याओं को लेकर विश्वविद्यालय में एक बैठक आयोजित की गई. बैठक में संथाल परगना महाविद्यालय छात्रावास अधीक्षक शम्स तबरेज खान, कुलसचिव, छात्र कल्याण अधिष्ठाता और अन्य पदाधिकारी मौजूद थे. बैठक में निर्णय लिया गया कि फिलहाल सभी छात्राएं अस्थायी रूप से अपने वर्तमान हॉस्टल में ही रह सकतीं हैं. साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने आश्वासन दिया कि बालिका छात्रावास का निर्माण कार्य जल्द ही पूरा किया जाएगा और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी.

स्कूल कैंपस व हॉस्टल में लगे सीसीटीवी, बसों में लगे जीपीएस

दुमका/नवबिहार टाइम्स संवाददता। जिले के निजी विद्यालयों को अब बच्चों की सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाने होंगे. मंगलवार को जैक में जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार ने जिले के सभी निजी स्कूलों के प्रबंधकों के साथ बैठक कर भारती कुमारी बनाम भारत संघ मामले में झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन पर विस्तृत चर्चा की. उन्होंने साफ कहा कि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी. बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि हर विद्यालय परिसर और छात्रावास में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाये जायें. कैमरों का कंट्रोल रूम विद्यालय के कार्यालय में होना चाहिए. विद्यालय की बसों में महिला कर्मी की तैनाती की जाये. सभी बसों में जीपीएस की सुविधा उपलब्ध हो और बसों पर टोल फ्री नंबर अंकित होना चाहिए, ताकि अभिभावक और अधिकारी आवश्यकता पड़ने पर सीधा संपर्क कर सकें. गुड टच-बैड टच के बारे में जागरूक किया जाये उन्होंने कहा कि हर विद्यालय में सुरक्षा समितियां बनायी जाएं, जो समय-समय पर सुरक्षा मानकों की समीक्षा करें. बच्चों को यौन उत्पीड़न से बचाने के लिए गुड टच-बैड टच के बारे में जागरूक किया जाये. इस विषय पर शिक्षक-अभिभावक बैठकों में भी चर्चा की जाये.

सीएसपी संचालिका से दिनदहाड़े 2.52 लाख की लूट

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददता। जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 रेलवे स्टेशन रोड डामोडीह शिव मंदिर के समीप स्टेट बैंक के सीएसपी की संचालिका खेलंती कुमारी से दो अपराधी हथियार का भय दिखाकर दो लाख 52 हजार रुपये लूटकर फरार हो गये. घटना मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे की है. सीएसपी संचालिका खेलंती कुमारी ने बताया कि दो युवक सीएसपी ग्राहक बनकर आये और हथियार का भय दिखाकर उनका बैग लूटकर फरार हो गये. उन्होंने बताया कि प्रत्येक दिन की तरह सीएसपी खोलकर बैठी थी, तभी दो युवक वहां आ धमके. इस दौरान दोनों ने कहा कि रुपये निकालना है और अंदर प्रवेश कर गये. प्रवेश करते ही एक युवक ने उनकी कनपटी में रिवॉल्वर सटा दी और बैग छीनकर भाग निकले. बैग में दो लाख 52 हजार रुपये के अलावा चार एटीएम कार्ड और कुछ आवश्यक दस्तावेज थे. इसके बाद घटना की सूचना कटकमदाग थाना को दी गयी. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रमोद कुमार राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और अनुसंधान शुरू कर दिया. पुलिस ने कहा कि अपराधियों को पकड़ने के लिए छापामारी अभियान चलाया जा रहा है. बताया जा रहा है कि दोनों युवक अपाची मोटरसाइकिल से आये थे और चेहरा कपड़े से ढंक रखा था. ज्ञात हो कि दो माह पूर्व नावाडीह गांव में गायत्री देवी नामक महिला से भी दिनदहाड़े चेन लूट की घटना हुई थी.

एनडीए के कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण)/ नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आगामी बारह सितम्बर को मोतिहारी के गांधी ऑडिटोरियम में एनडीए कार्यकर्त्ता का विशाल सम्मेलन होने जा रहा है । सम्मेलन की तैयारी को लेकर बुधवार को बैंक रोड़ मोतिहारी के एक निजी हॉस्पिटल परिसर में राष्ट्रीय लोक मोर्चा का बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता मोतिहारी प्रखंड अध्यक्ष लालबहादुर प्रसाद कुशवाहा एवम संचालन रुपलाल कुशवाहा द्वारा किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ई.रमेश पासवान ने कहा कि राष्ट्रीय लोक मोर्चा के हजारों कार्यकर्त्ता कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र के पुर्व प्रत्याशी रहे राष्ट्रीय लोक मोर्चा चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष डॉ.दीपक कुमार ने कहा मोतिहारी

विधानसभा अंतर्गत आने वाले पिपरा कोठी ब्लॉक, मोतिहारी ब्लॉक एवं महानगर से काफी संख्या में लोग उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे । पुनः एक बार आगामी बिहार विधानसभा में एनडीए की सरकार बनाएंगे । जिला प्रधान महासचिव प्रो सुरेंद्र कुशवाहा ने कार्यक्रम की सफल बनाने की अपील की । मौके पर जिला प्रवक्ता ई.लोकेश कुमार, चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ.शैलेश कुमार, जिला प्रवक्ता वेदप्रकाश गुप्ता, पप्पू कुशवाहा, भूषण कुमार, प्रमुख प्रसाद, पिपरा कोठी प्रखंड अध्यक्ष सुभाष कुशवाहा, महाननगर अध्यक्ष मो. रोज अहमद, रुपलाल प्रसाद, कौशल कुमार, डॉ. राकेश कुमार, मुन्ना यादव, राजकुमार साह, रुनझुन देवी, जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सविता कुशवाहा, नीतीश कुमार, मिंटू कुमार, मंतोष कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विविमें डॉ. जैन द्वारा हेपेटोब्लास्टोमा पर शोध

मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)नव बिहार टाइम्स ब्यूरो। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के प्राणीशास्त्र विभाग के डॉ. बुद्धि प्रकाश जैन ने फ्रांस के बोर्डो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर क्रिस्टोफ ग्रोसेट के साथ सह-लेखक के रूप में हेपेटोब्लास्टोमा के निदान और उपचारात्मक विषय पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया। "ऐल्2 आक्रामक और प्रोलिफेरेटिव हेपेटोब्लास्टोमा में एक प्रमुख निदानात्मक मार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य है" शीर्षक वाला यह शोध पत्र एक अत्यंत प्रतिष्ठित मॉलिक्यूलर कैंसर जर्नल में प्रकाशित हुआ है। डॉ. जैन इस सहयोगात्मक शोध कार्य का हिस्सा हैं, जिसने हेपेटोब्लास्टोमा ट्यूमर कोशिकाओं के प्रसार और एक शक्तिशाली चिकित्सीय विकल्प के रूप में ऐल्2, एक मिथाइलट्रांसफेरेज एंजाइम, के महत्व पर प्रकाश डाला।

संक्षिप्त समाचार

महिला से चेन की छिनतई

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर के अटल चौक के निकट अदिति कुशवाहा नामक महिला से चेन छिनतई की घटना हुई. भुक्तभोगी ने कोर्रा थाना में मामला दर्ज कराया है. बताया है कि वह आठ सितंबर को अटल चौक स्थित अपने फ्लैट में जा रही थी. इसी क्रम में मोटरसाइकिल सवार दो युवक पीछे से आये और गले से चेन खींचकर फरार हो गये. मालूम हो कि सात सितंबर को भी सीमेंट व्यवसायी नरेश साव से चेन छिनतई की घटना हुई थी.

मवेशी लदे वाहन को पकड़ कर पुलिस को सौंपा

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददता। मवेशी लदे एक वाहन को लोगों ने पकड़कर कोर्रा पुलिस को सौंप दिया. इस संबंध में पदमा ओपी क्षेत्र के नावाडीह निवासी पुरुषोत्तम पांडेय ने कोर्रा थाना में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है. आवेदन में पुरुषोत्तम पांडेय ने कहा है कि वह आठ सितंबर की देर रात अपने गांव से शहर के किराये के मकान की ओर जा रहे थे. इसी क्रम में एक तेज रफ्तार वाहन ने सड़क पर बैठे एक मवेशी को धक्का मार दिया. यह देख उस वाहन को पकड़ने के लिए शोर मचाया. टोल प्लाजा के समीप उक्त वाहन को लोगों ने पकड़ लिया व उसके चालक व सह चालक को पकड़कर कोर्रा पुलिस को बुलाकर सौंप दिया गया. उक्त वाहन में 10 मवेशी लदे हुए थे. इधर, कोर्रा थाना प्रभारी अजीत कुमार ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर चालक व सहचालक के पर कार्रवाई की जायेगी.

17 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

इचाक/नवबिहार टाइम्स संवाददता। इचाक पुलिस ने तेतरिया से बरकाखुर्द रोड के बीच तेतरिया नदी पुल के पास छापामारी कर 17 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार युवक विशाल कुमार (पिता तापेश्वर मेहता) ग्राम रतनपुर, थाना इचाक का रहने वाला है. उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. पुलिस उपाधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि इचाक थाना क्षेत्र में कुछ लड़के तेतरिया से बरकाखुर्द जाने वाली सड़क के आसपास अवैध मादक पदार्थ बेचने आने वाले हैं. इसके बाद टीम गठित कर छापामारी की गयी. तेतरिया नदी पुलिया के पास एक मोटरसाइकिल लगी हुई थी. जिस पर एक लड़का बैठा हुआ था, जो पुलिस की गाड़ी को देखकर भागने लगा. जिसे सशस्त्र बल के जवानों ने पीछा कर पकड़ा. तलाशी में उसके पास से 2820 रुपये नकद, एक एंड्राइड मोबाइल फोन, एक इलेक्ट्रानिक वेट मशीन, दो बैटरी सहित 17 ग्राम ब्राउन शुगर व मोटरसाइकिल (जेएच02बीजे-6878) जब्त किया गया. छापामारी दल में थाना प्रभारी राजदीप कुमार, पुअनि मंगलदेव उरांव, सअनि सिदिउ पूर्ति एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

पेट्रोल पंप मैनेजर से लूट मामले में तीन गिरफ्तार

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददता। बड़ाबाजार थाना क्षेत्र के खिरगांव खटाल के समीप पेट्रोल पंप मैनेजर से 2.80 लाख की लूट मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस इन्हें गुप्त स्थान पर रख कर पूछताछ कर रही है. हालांकि इस संबंध में पुलिस ने कुछ भी बताने से इंकार किया है. बता दें कि 15 अगस्त 2025 की रात 8.15 बजे आरआर पेट्रोल पंप के मैनेजर अवधेश कुमार साव दो लाख 80 हजार 290 रुपये लेकर मालिक के घर पहुंचाने जा रहे थे. इसी क्रम में एक बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने खिरगांव खटाल के समीप अवधेश कुमार साव की मोटरसाइकिल में धक्का मारकर उन्हें गिरा दिया. इसके बाद अपराधियों ने मैनेजर अवधेश कुमार साव को गोली मारने की धमकी देकर उनके पास से दो लाख 80 हजार 290 रुपये लूटकर फरार हो गये. इस दौरान अपराधियों ने फायरिंग भी की. घटना को अंजाम देनेवाले अपराधियों की तलाश बड़ाबाजार पुलिस एक माह से कर रही थी. पुलिस ने सूचना के आधार पर तीनों को गिरफ्तार किया है.

गुणवत्तापूर्ण कार्य ही आपकी पहचान बनेगा : डीसी

गुमला/नवबिहार टाइम्स संवाददता। गुमला जिले में स्वास्थ्य विभाग में कुल 35 पदों पर नियुक्तियां हुई हैं, जिसमें आरबीएसके फार्मासिस्ट, वीबीडी टैक्निकल सुपरवाइजर (मलेरिया), एनबीएसयू स्टाफ नर्स, आरबीएसके एएनएम, एआरएसएच काउंसलर, कुक, एएनएम एनयूएचम व एनसीडी स्टाफ नर्स जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां हुई हैं. इधर मंगलवार को उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने समाहरणालय सभागार में सभी नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया. उन्होंने सभी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी. उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत विभिन्न पदों पर नियुक्तियों से गुमला जिले में स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ बनेंगी. इन पदों के भरने से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और अधिक बेहतर होगी. आमजनों को समय पर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी. उपायुक्त ने सभी नवनियुक्त कर्मियों से कहा कि स्वास्थ्य विभाग का कार्य सीधे जनजीवन से जुड़ा है. इसलिए प्रत्येक कर्मी अपनी जिम्मेदारी निष्ठा, ईमानदारी व संवेदनशीलता के साथ निभायें. उपायुक्त ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कार्य ही आपकी पहचान बनेगी. इससे न केवल जिले की स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ होंगी, बल्कि जिले के विकास में भी योगदान मिलेगा. मौके पर सीएस डॉ शंभुनाथ चौधरी समेत स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे.

डाककर्मियों की बैठक में महोत्सव की तैयारी पर हुई चर्चा

दुमका/नवबिहार टाइम्स संवाददता। प्रधान डाकघर दुमका के प्रांगण में मंगलवार को वरीय डाक अधीक्षक दुमका बिनोद कुमार पंडित की अध्यक्षता में दुमका सेंट्रल व दुमका इस्ट अनुमंडल में कार्यरत सभी शाखा डाकपाल व सहायक डाकपाल की डाक जीवन बीमा-ग्रामीण डाक जीवन बीमा समीक्षा बैठक हुई. इसमें 24 सितंबर को होनेवाले महोत्सव की तैयारी पर चर्चा की गयी. याद हो कि डाक जीवन बीमा, डाक विभाग भारत सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी जीवन बीमा योजना है, जो फरवरी 1884 से चली आ रही है. बैठक का मूल उद्देश्य आर्थिक रूप से पीड़ित लोगों को जीवन बीमा करके उन्हें सुरक्षा प्रदान करना है. वैसे जो सरकारी, अर्द्धसरकारी कर्मचारी हैं. इसके बिमित होकर लाभान्वित हो सकते हैं. इसके अलावा जो लोग सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं. ग्रेजुएट नहीं है. वे आरपीएलआइ बीमा कर सकते हैं. मौके पर अन्य कई योजनाओं की चर्चा की गयी. समीक्षा बैठक में राजीव कुमार, नीलकंठ आदि मौजूद थे.

अग्रणी संस्थान टीसीएच एडुसर्व नया बैच 16 सितम्बर से सभी शाखाओं पर शुरू करेगी

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। संस्थान में बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा, सी-टेट, एस टी ई टी एवम एस एस सी रेलवे बैंकिंग कोर्स की तैयारी कराई जाती है पिछले 5 वर्षों में हजारों छात्र इस संस्थान से पढ़कर अपने सपने पूरे किए है । संस्थान के निदेशक सौरव

झा ने बताया कि छात्रों को सभी तरह के सुविधाओं से सुसज्जित पढ़ाई की व्यवस्था है और अभी शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्थान में दाखिला लेने पर 100% तक कि फी माफ की भी स्कीम चल रही है जिससे कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र भी अपनी तैयारी अच्छे से कर सकें। बैच से सम्बंधित अधिक जानकारी हेतु 9835813365 पर सम्पर्क भी कर सकते है।

नप के मुख्य पार्षद ने डेढ करोड की लागत से 12 योजनाओं का किया उद्धाटन

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददता। बुधवार को नगर परिषद के वार्ड 10 व 12 में करीब डेढ करोड की लागत से 12 योजनाओं का उदघाटन मुख्य पार्षद शिल्पी कुमारी व सशक्त समिति सदस्य के प्रतिनिधि सह समाजसेवी धीरज कुमार यादव द्वारा नारियल फोड़कर तथा निर्माण स्थल पर लगाये गये शिलापट्ट का अनावरण कर किया गया. मुख्य पार्षद ने कहा कि वार्ड 10 में एक करोड की लागत से 8 योजनाओं का उदघाटन और वार्ड 12 में 50 लाख से 5 योजनाओं का उदघाटन किया गया है. उन्होंने कहा सभी वार्डो में पीसीसी सडक , नाला व गली का निर्माण कराया जा रहा है. मुख्य पार्षद शिल्पी कुमारी व पार्षद प्रतिनिधि धीरज यादव ने कहा कि परिषद क्षेत्र के सभी 40 वार्डो का विकास ही हमारा लक्ष्य है . विकास के कार्यो में किसी भी हाल में कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. शहर साफ व सुंदर बने. इसके लिए लगातार प्रयास जारी है.

गंगा के रौद्र रूप से सहमे दियारावासी

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददता। गंगा नदी का जलस्तर में चौथी बार वृद्धि होने के बाद दियारा के सात पंचायतों में टापू बना गया है.पिछले दो दिनों से गंगा नदी के जलस्तर में करीब ढाई फुट लगातार वृद्धि हुई है.जबकि गंगा नदी खतरे के निशान से डेढ फुट ऊपर बह रही है.दियारा के सात पंचायत बाढ के पानी से जलमग्न हो गया है और सड़क से लेकर खेतों में बाढ़ का पानी तीन से चार फुट बह रहा है.

अतिरिक्त एजीआर मांग खारिज कराने अदालत पहुंची वोडाफोन आइडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2016-17 तक की अवधि के लिए अतिरिक्त एजीआर बकाया मांगों को रद्द कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। कंपनी ने एक नई याचिका दायर कर दूरसंचार विभाग को 3 फरवरी, 2020 को जारी कटौती सत्यापन दिशा-निर्देशों के अनुसार वित्त वर्ष 2016-17 तक की अवधि के लिए सभी एजीआर बकाया का व्यापक पुनर्मूल्यांकन और समाधान करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। कंपनी ने 8 सितंबर को दायर अपनी याचिका पर शीघ्र सुनवाई की मांग की है। वहीं, दूरसंचार विभाग ने वित्त वर्ष 2018-19 के लिए 2,774 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग उठाई है, जिसकी गणना को कंपनी ने चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने इस साल की शुरुआत में भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया को झटका देते हुए अपने 2021 के आदेश की समीक्षा करने से इन्कार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कंपनियों की ओर से देय समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाये की गणना में त्रुटियों को सुधारने की याचिकाओं को खारिज कर दिया था। शीर्ष कोर्ट ने सितंबर, 2020 में समायोजित सकल राजस्वसे संबंधित 93,520 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रहे दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए सरकार को उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिए 10 साल की समय सीमा तय की थी।

बिना बिके स्टॉक की कीमतों में एफएमसीजी कंपनियों को मिला संशोधन का अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने रोजमर्रा के बचे सामानों के मूल्य को संशोधित करने की मंजूरी दे दी है। जीएसटी दरों में बदलाव के कारण यह फैसला लिया गया है। इससे कंपनियों और ग्राहकों दोनों को फायदा होगा। पहले से पैक वस्तुओं के निर्माताओं, पैकर्स व आयातकों को जीएसटी दरों में संशोधन से पहले निर्मित या आयातित बिना बिके स्टॉक पर संशोधित खुदरा बिक्री मूल्य (एमआरपी) घोषित करना होगा। विभाग ने कहा, संशोधित एमआरपी स्टिकर लगाकर या ऑनलाइन प्रिंट करके घोषित की जा सकती है। बशर्ते मूल एमआरपी प्रदर्शित रहे और संशोधित मूल्य उस पर अंकित न हो। मूल और संशोधित मूल्य के बीच का अंतर कर वृद्धि या कमी की सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए।

डब्बा ट्रेडिंग से कमाए 58.39 करोड़; हवाला चैनल व क्रिप्टो से भी लेनदेन

मुंबई, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुख्यालय जांच इकाई, नई दिल्ली ने डब्बा ट्रेडिंग मामले में 34.26 करोड़ रुपये की चल अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया है। ये संपत्तियां, विशाल अग्निहोत्री, तरुण श्रीवास्तव, हितेश अग्रवाल, धर्मेश रजनीकांत त्रिवेदी, श्रीनिवासन रामासामी, करण सोलंकी, धवल देवराज जैन और उनके परिवार के सदस्यों से संबंधित हैं। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। धाराओं के तहत इंदौर (मध्य प्रदेश) के लसूड़िया पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के आधार पर उक्त केस की जांच शुरू की थी। ईडी की जांच से पता चला कि उपरोक्त व्यक्ति कई संस्थाओं और प्लेटफार्मों का संचालन कर रहे हैं, जैसे वी मनी/वीएम ट्रेडिंग (मेसर्स स्टैंडर्ड ट्रेड्स लिमिटेड), 11स्टार्स, लोटसबुक247, 8 स्टॉक हाइट्स, गोल्डमाइन, वर्टेक्स, गेमबेटलीग, आईबुल कैपिटल लिमिटेड, प्लेबुक, टारगेटएफएक्स, वर्ल्ड777 और अन्य, जो अवैध डब्बा ट्रेडिंग और ऑनलाइन सट्टेबाजी संचालन में शामिल हैं।

सालाना 1 करोड़ की कमाई से बदला हाल

अब हर कोई पूछ रहा बता दो फॉर्मूला

नई दिल्ली, एजेंसी।
सोनिया जैन राजस्थान के झालावाड़ की प्रगतिशील महिला किसान हैं। अपनी सूझबूझ और मेहनत से उन्होंने कृषि व्यवसाय में झंडे गाड़ दिए हैं। सोनिया ने कृषि को भारत में देखने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। वह डेयरी, हर्बल खेती और अलग-अलग कृषि व्यवसायों से हर साल लगभग 1 करोड़ रुपये कमाती हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, सोनिया ग्रामीण समुदायों को मजबूत भी कर रही हैं। वह टिकाऊ और फायदे वाली खेती को बढ़ावा देने में जुटी हुई हैं। महिला उद्यमियों की भी मदद कर रही हैं। उन्होंने इनोवेशन, सीधे बाजार में बिक्री और किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिये भारतीय कृषि को बदलने का काम किया है। वह द लेडी फार्मर ब्रांड के तहत अपने उत्पादों की बिक्री करती हैं। आइए, यहां सोनिया जैन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। सोनिया की सफलता सिर्फ उनके लिए नहीं है, बल्कि यह पूरे ग्रामीण समुदाय के लिए मिसाल है।

लोगों को साबित किया गलत

भारत में कृषि को अक्सर चुनौती भरे और कम मुनाफे वाले सेक्टर के रूप में देखा जाता है। लेकिन, राजस्थान की दूरदर्शी महिला किसान सोनिया जैन ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और इनोवेशन से यह साबित किया है कि खेती सिर्फ जीविका का साधन नहीं, बल्कि सफल और मुनाफे वाला व्यवसाय हो सकती है। झालावाड़ की रहने वाली सोनिया जैन आज एक करोड़ रुपये तक की सालाना कमाई कर रही हैं। उनके इस सफर ने कई लोगों को प्रेरित किया है। उनकी सफलता का राज केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं है।

इनकम बढ़ाने के लिए अपनाया ये मॉडल

सोनिया जैन ने अपनी आय बढ़ाने और जोखिम कम करने के लिए कृषि में डायवर्सिफिकेशन को अपनाया। वह पारंपरिक फसलों जैसे गेहूं, चावल और जौ के साथ दालें, तिलहन, और औषधीय पौधे भी उगाती हैं। उनकी खेती में एलोवेरा, तुलसी, अश्वगंधा और सफेद मूसली जैसे हर्बल पौधे शामिल हैं। इनकी बाजार में अच्छी मांग है। उन्होंने फूलों की खेती और मसालों का भी उत्पादन किया। इन सबके अलावा, उन्होंने डेयरी फार्मिंग में भी कदम रखा। अपने ब्रांड द लेडी फार्मर के तहत उत्पादों को सीधे बाजार में बेचा। इस मॉडल से उन्होंने बिचौलियों को खत्म किया और किसानों के लिए बेहतर दाम सुनिश्चित किए। उन्होंने 4000 वर्ग मीटर के पॉलीहाउस और नेट हाउस का निर्माण करके उत्पादकता और गुणवत्ता को और बढ़ाया।

चुनौतियों से भरा रहा सफर : सोनिया जैन का सफर चुनौतियों से भरा रहा है। लेकिन, उन्होंने हार नहीं मानी। झालावाड़ में पली-बढ़ी सोनिया ने किसानों की समस्याओं को करीब से देखा था। कम मुनाफा, बिचौलियों पर निर्भरता और आधुनिक तकनीकों की कमी, ये सब इसका हिस्सा थे।। इन समस्याओं को दूर करने के लिए उन्होंने रूरल डेवलपमेंट यानी ग्रामीण विकास में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन किया। अपने परिवार की कृषि विरासत को फिर से जिंदा करने का फैसला किया। लेकिन, इस बार एक नए, व्यावसायिक और किसान-केंद्रित मॉडल के साथ। उन्होंने इंटीग्रेटेड फार्मिंग को अपनाया। इसमें जैविक और अजैविक उर्वरकों का सही संतुलन, उन्नत बीज और पानी की बचत वाली तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। आधुनिक उपकरणों जैसे ट्रैक्टर, सीड ड्रिल और स्प्रेयर की मदद से उन्होंने बड़े पैमाने पर खेती को कुशल और टिकाऊ बनाया।

सोच-समझकर कर रहे खर्च

कर छूट के बाद अतिरिक्त आय को बचत-निवेश में लगा रहे कर्मचारी

मुंबई, एजेंसी।
आयकर में छूट मिलने के साथ नौकरीपेशा कर्मचारी वित्तीय नियोजन पर अधिक ध्यान देने लगे हैं।नईकर व्यवस्था लागू होने के बाद करीब 57 फीसदी लोग अपनी अतिरिक्त आय को बचत और निवेश में लगा रहे हैं।

रोजगार के बारे में सूचना देने वाले मंच नौकरी ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा, वित्त वर्ष 2025-26 की नई कर व्यवस्था लागू होने के छह महीने बाद सालाना 12.75 लाख रुपये तक कमाने वाले पेशेवर सोच-विचारकर खर्च की तुलना में बचत, निवेश और कर्ज चुकाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। हालांकि, नईकर व्यवस्था को लेकर सभी लोग जागरूक नहीं हैं। नए लोग सर्वाधिक जानकारी रखते हैं। 64 फीसदी लोगों ने लाभों के बारे में पूरी जानकारी होने की बात कही है।43 फीसदी प्रतिभागियों ने स्वीकार किया कि वे या तो स्पष्ट नहीं हैं या बदलावों से पूरी तरह अनजान हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 30 फीसदी लोग अतिरिक्त आय का इस्तेमाल कर्ज चुकाने में कर रहे हैं। वहीं, कुछ फीसदी लोग ही अतिरिक्त धन को उपभोग में लगा रहे हैं। इसमें 9 फीसदी अपनी जीवनशैली में सुधार पर खर्च कर रहे हैं, जबकि सिर्फ चार फीसदी यात्रा और अवकाश पर खर्च कर रहे हैं।

यह रिपोर्ट देशभर में 12.75 लाख रुपये प्रति वर्ष तक कमाने वाले 20,000 से अधिक पेशेवरों पर किए गए सर्वे पर आधारित है। इनमें से एक भी लोगों पर टैक्स देनदारी अब शून्य है। रिपोर्ट में उद्योग-वार स्पष्ट अंतर भी उजागर किया गया है। इसमें उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र के 76 फीसदी पेशेवर अपनी अतिरिक्त आय बचाने में सबसे आगे हैं। इसके बाद वाहन (63 फीसदी) और औषधि (57 फीसदी) क्षेत्र के पेशेवर हैं।

तालों व हार्डवेयर के मामले में अलीगढ़ की खास पहचान

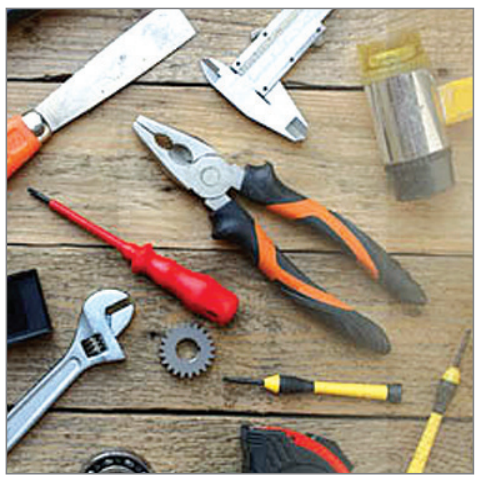

एमएसएमई फॉर भारत के आयोजन से मिलेगी मदद

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की अर्थव्यवस्था में माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज का अहम स्थान है। ये छोटे और मध्यम उद्यम न केवल नवाचार को प्रोत्साहित कर रहे हैं, बल्कि रोजगार के अवसर भी उत्पन्न कर रहे हैं और क्षेत्रीय विकास को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। देशभर में एमएसएमई के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, फाइनेंस तक आसान पहुंच, सप्लाई चेन का आधुनिकीकरण, निर्यात क्षमता, कौशल विकास और नीति सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहराई से विचार-विमर्श के लिए अमर उजाला एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है।

इस कॉन्क्लेव के एजेंडा में भविष्य की फंडिंग, मार्केटिंग व ब्रांडिंग रणनीतियाँ, उभरती तकनीकें, नवाचारी वित्तीय समाधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व डिजिटल अपग्रेडेशन, महिलाओं की भूमिका, भारत के एमएसएमई का अंतरराष्ट्रीय विस्तार और ओडीओपी योजना के तहत स्थानीय उत्पादों को वैश्विक ब्रांड के रूप में विकसित करने की कोशिश होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाकर उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाना। ओडीओपी योजना के तहत देश के हर जिले से एक विशिष्ट स्थानीय उत्पाद को ग्लोबल ब्रांड के रूप में प्रमोट करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रमुख एमएसएमई में लिंक लॉक्स, हैरिसन लॉक्स और गॉडरेज सप्लायर्स प्रमुख हैं। ये फर्म्स स्थानीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लॉक और हार्डवेयर उत्पादों की सप्लाई के जरिए अर्थव्यवस्था में अहम योगदान दे रहे हैं।

अलीगढ़ के तालों की देशभर में पहचान

उत्तर प्रदेश का अलीगढ़ भारत के औद्योगिक नक्शे पर एक जानामाना नाम है। यहां के एमएसएमई सेक्टर की एक अलग ही पहचान है। यह शहर प्रसिद्ध है अपने अनूठे इंडस्ट्रीज लॉक्स, हार्डवेयर, ब्रास प्रोडक्ट्स और इंजीनियरिंग उत्पादों के लिए। अलीगढ़ को विशेष रूप से तालों और हार्डवेयर उत्पादों के निर्माण के लिए जाना जाता है। यहां के उत्पाद देशभर में अपनी गुणवत्ता के लिए मशहूर हैं। सरकारी समर्थन के तहत यहां अलीगढ़ लॉक क्लस्टर, टूल रूम, और ओडीओपी योजना कार्यरत हैं। यह एमएसएमई इकाइयों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वर्क फ्रॉम होम का कल्चर खत्म हो रहा

दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने बुलाया ऑफिस

नई दिल्ली, एजेंसी।
टेक दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने एक ब्लॉग पोस्ट में घोषणा की है कि अगले साल से उसके कर्मचारियों को हफ्ते में कम से कम तीन दिन ऑफिस आना अनिवार्य होगा। यह नई नीति सबसे पहले वाशिंगटन के रेडमंड स्थित कंपनी के मुख्यालय के आस-पास रहने वाले कर्मचारियों पर लागू की जाएगी। माइक्रोसॉफ्ट की चीफ पीपल ऑफिसर एमी कोलमैन के मुताबिक, इस नीति को तीन चरणों में लागू किया जाएगा।

कब शुरू हुआ था वर्क फ्रॉम होम

साल 2020 में कोविड-19 महामारी के बाद जब कंपनियों ने ऑफिस खोले, तो माइक्रोसॉफ्ट ने लचीले काम के घंटों की नीति शुरू की थी। उस समय, बिना किसी मंजूरी के कर्मचारी कम से कम आधा समय घर से काम कर सकते थे, लेकिन असल में यह और भी लचीला था।

पुराने सामान पर नई एमआरपी लिखने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी।
क्या आपने कभी सोचा है कि जब किसी चीज के बनाने की लागत बढ़ जाती है, तो कंपनियां नए दाम कैसे लगाती हैं अब तक पुरानी पैकिंग वाला सामान पुराने दाम पर ही बेचना पड़ता था, भले ही कंपनी को उस पर नुकसान क्यों न हो रहा हो। अब सरकार ने कंपनियों को पुराने उत्पादों के पैक पर नया एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) लिखने की अनुमति दे दी है। यह उन उत्पादों के लिए है, जो अभी तक बिके नहीं हैं। इससे कंपनियों को राहत मिलेगी, क्योंकि वे जीएसटी में कमी का फायदा ग्राहकों तक पहुंचा सकेंगी।

हालांकि, कंपनियों को अपना पुराना सामान 31 दिसंबर तक बेचना होगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने मंगलवार को एक नोटिफिकेशन जारी कर यह अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि

निर्माता, पैकर या आयातक स्टिकर लगाकर, स्टाम्प लगाकर या ऑनलाइन प्रिंटिंग से नया दाम लिख सकते हैं। इससे कंपनियों को जीएसटी में हुए बदलाव के बाद सही कीमत दिखाने में मदद मिलेगी। यह नियम 22 सितंबर से लागू होगा। अब कंपनियों को यह इजाजत मिल गई है कि वे अपने पुराने और अनसोल्ड प्रोडक्ट्स की पैकिंग पर एक स्टिकर लगाकर नया रिवाइज्ड एमआरपी प्रिंट कर सकती हैं। खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कीमत में कोई भी बदलाव सिर्फ टैक्स में बदलाव के अनुसार ही हो सकता है।

टैरिफ से कपड़ा निर्यातकों के अस्तित्व पर संकट

मुंबई, एजेंसी।
अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ ने भारतीय कपड़ा उद्योग की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। निर्यातक टैरिफ के असर को झेलने योग्य नहीं हैं। ऐसे में कपड़ा उद्योग को तुरंत प्रोत्साहन की जरूरत है। एमके रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले के लगाए गए टैरिफ के कारण कपड़ा उद्योग के मार्जिन में गिरावट आई है। वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे उद्योग के मार्जिन में अतिरिक्त टैरिफ के कारण और गिरावट आएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, उच्च टैरिफ से कपड़ा उद्योग को अमेरिका से नए ऑर्डर नहीं मिल रहे हैं। पुराने ऑर्डर भी रद्द हो रहे हैं, जिससे इन्वेंट्री बढ़ रही है। ऐसे में उद्योग और खासकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए सरकारी मदद जरूरी है, क्योंकि बड़े निर्यातकों की तरह इनका खाताबही मजबूत नहीं है। उद्योग को टैरिफ के

झटके सहन करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रासंगिक बने रहने के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन की जरूरत है। अगर तत्काल जरूरी कदम नहीं उठाए गए, तो न सिर्फ छोटी कंपनियों के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो जाएगा, बल्कि बड़ी संख्या में रोजगार भी खत्म होंगे। देश के निटवियर निर्यात में 55-60 फीसदी हिस्सा रखने वाले तिरुपुर क्लस्टर टैरिफ से बुरी तरह प्रभावित है। यहां से करीब 700 अरब रुपये के कपड़े का निर्यात होता है। टैरिफ के कारण तिरुपुर को अमेरिका से मिलने वाले करीब 40 अरब रुपये के ऑर्डर रद्द हो गए हैं।

1 पर 1 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, तारीख 20 सितंबर से पहले

नई दिल्ली, एजेंसी।
5 साल में 1120 प्रतिशत का रिटर्न देने वाली कंपनी टाइम टेक्नोप्लास्ट लिमिटेड ने बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। कंपनी पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर दे रही है। एक शेयर पर एक शेयर कंपनी बोनस दे रही है। बता दें, मंगलवार को बाजार बंद होने के समय पर टाइम टेक्नोप्लास्ट के शेयर 0.29 प्रतिशत की गिरावट के बाद 475.50 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

कब है रिकॉर्ड डेट

1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर कंपनी बोनस दे रही है। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 15 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों के पास इस दिन कंपनी के शेयर रहेंगे उन्हें बोनस शेयर का लाभ मिलेगा। पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर देने जा रही है यह कंपनी 2008 से निवेशकों को डिविडेंड देती आ रही है। 2008 में कंपनी ने एक शेयर पर 3 रुपये का डिविडेंड दिया था।

484 प्रतिशत बढ़ा सोलर कंपनी विक्रम का मुनाफा

सोलर मॉड्यूल्स की सप्लाई के लिए मिला ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी।
सोलर पावर बिजनेस से जुड़ी कंपनी विक्रम सोलर के शेयर बुधवार को रॉकेट बन गए हैं। विक्रम सोलर लिमिटेड के शेयर बुधवार को बीएसई में 13 पर्सेंट से ज्यादा उछलकर 407.85 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विक्रम सोलर के मुनाफे में तगड़ा उछाल आया है। पहली तिमाही में सोलर कंपनी का मुनाफा 484 पर्सेंट बढ़ गया है। विक्रम सोलर हाल ही में शेयर बाजार में उतरी है। कंपनी के शेयर 26 अगस्त को बाजार में लिस्ट हुए हैं।

विक्रम सोलर लिमिटेड को एलएंडटी कंस्ट्रक्शन से एक बड़ा ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर 336 मेगावॉट के हाई-इफीशिएंसी सोलर मॉड्यूल्स की सप्लाई के लिए है। इन सोलर मॉड्यूल्स का गुजरात में खावडा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क में इस्तेमाल किया जाएगा। इस एग्रीमेंट के तहत विक्रम सोलर अपने इनोवेटिव हाइपरसोल जी12आर मॉड्यूल्स की डिलीवरी करेगा, जो कि ह-टाइप टेक्नोलॉजी पर बेस्ड हैं।

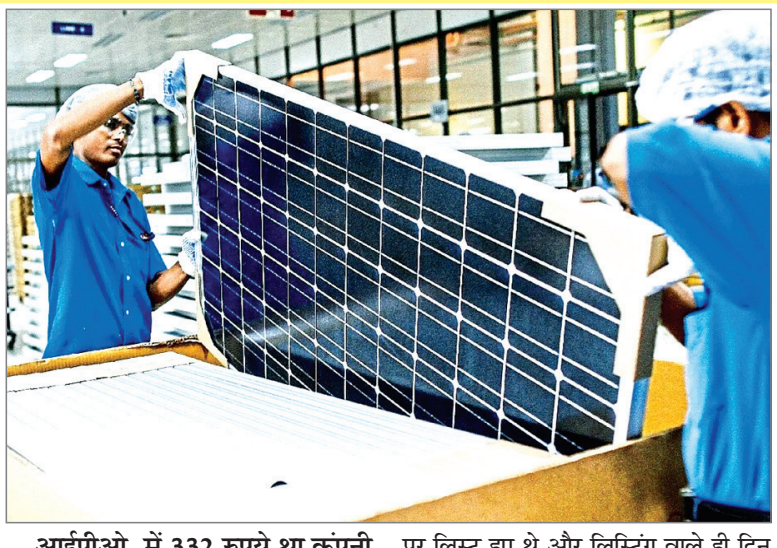

आईपीओ में 332 रुपये था कंपनी के शेयर का दाम: विक्रम सोलर लिमिटेड का आईपीओ दांव लगाने के लिए 19 अगस्त को खुला था और यह 21 अगस्त तक ओपन रहा। आईपीओ में विक्रम सोलर के शेयर का दाम 332 रुपये था। विक्रम सोलर के शेयर 26 अगस्त को 340 लिस्ट पर लिस्ट हुए थे और लिस्टिंग वाले ही दिन उछाल के साथ 381.70 रुपये पर बंद हुए। विक्रम सोलर के आईपीओ पर टोटल 56.42 गुना दांव लगा था। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों का कोटा 7.98 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, एंप्लॉयजी कैटेगरीज में 5.10 गुना सब्सक्रिप्शन मिला।

484 प्रतिशत बढ़ा है सोलर कंपनी का मुनाफा

विक्रम सोलर लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 484 पर्सेंट बढ़कर 133.4 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का प्रॉफिट 22.8 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सोलर कंपनी का रेवेन्यू 79.7 पर्सेंट बढ़कर 1133.6 करोड़ रुपये रहा, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 630.9 करोड़ रुपये था। पहली तिमाही में विक्रम सोलर का इबिट्डा 244 करोड़ रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि के दौरान 114 करोड़ रुपये था।

जेन स्ट्रीट मामला: तीन हफ्ते में जवाब दीजिए, सैट ने सेबी को दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने मंगलवार को अमेरिकी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट मामले में एक अहम आदेश दिया है। सैट ने पूंजी बाजार नियामक सेबी से कहा कि वह अमेरिकी निवेश कोष जेन स्ट्रीट को दस्तावेज उपलब्ध न कराने के बारे में तीन सप्ताह के भीतर जवाब दे। इसके साथ ही न्यायाधिकरण ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 नवंबर की तारीख तय की। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जुलाई में जेन स्ट्रीट को बाजार में कथित हेराफेरी के जरिये अर्जित 4,800 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध कमाई लौटाने और पूंजी बाजार से बाहर करने का निर्देश दिया था। सेबी के इस अंतरिम आदेश के खिलाफ जेन स्ट्रीट ने पिछले सप्ताह सैट में अपील की थी। नियामक पहले ही अमेरिकी निवेश कोष को 10 जीबी का डेटा सौंप चुका है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि तीन जुलाई को पारित आदेश केवल अंतरिम प्रकृति का है और अंतिम निर्णय अभी लंबित है। सेबी का आरोप है कि जेन स्ट्रीट अपनी ट्रेडिंग रणनीति साझा नहीं कर रहा है जबकि वह आंतरिक सर्कुलर की मांग कर रहा है। दूसरी तरफ, जेन स्ट्रीट का कहना है कि बचाव पक्ष की दलील रखने के लिए जरूरी सूचनाएं और दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। अपील में कंपनी ने दावा किया कि सेबी के ही एक विभाग की हालिया जांच में किसी हेराफेरी का निष्कर्ष नहीं निकला है।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 10-09-2025 21:38 Page 1

सहकारी समितियों के सशक्तिकरण विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला

सहकारी समितियाँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। नगर भवन, खूंटी में आज कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग अंतर्गत सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लिमिटेड, खूंटी के तत्वावधान में बहुउद्देशीय सहकारी समिति का सशक्तिकरण विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त आर. रॉनिटा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सहकारी समितियाँ न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं बल्कि सामाजिक एकजुटता और सामूहिक विकास की सशक्त मिसाल भी हैं।

उन्होंने कहा कि जब किसान और वनोपज संग्राहक संगठित होकर काम करते हैं तो उनकी सौदेबाजी की क्षमता बढ़ती है और उन्हें अपने उत्पाद का सही मूल्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि टढउर जैसी संस्थाओं के मजबूत होने से किसानों को उत्पादन, भंडारण, प्रसंस्करण और विपणन तक हर स्तर पर सहयोग मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा कि बदलते समय में समितियों को पारंपरिक ढाँचों से बाहर निकलकर तकनीकी नवाचारों को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों को चाहिए कि वे किसानों को जलवायु-स्मार्ट खेती, ऑर्गेनिक उत्पाद और मूल्य संवर्धन जैसी गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। इससे न केवल किसानों की आय दोगुनी होगी बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और आजीविका के नए अवसर भी निर्मित होंगे। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों से अपील की कि वे समितियों की कार्यशैली को और अधिक सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

कार्यक्रम में सिद्धो-कान्हो सहकारिता संघ की गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुति के माध्यम से दी गई। साथ ही राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं, तकनीकी पक्षों एवं किसानों की आय वृद्धि के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान सिद्धकोफेड की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी गई। जिनमें मुख्य रूप से किसानों एवं वनोपज संग्राहकों को उत्पादन से विपणन तक पूर्ण सहयोग एवं बाजार से जोड़ने की सुदृढ़ व्यवस्था एवं शत-प्रतिशत अनुदान पर टूलकिट्स का वितरण, आदि।

वहीं झारखंड के प्रत्येक ब्लॉक में एमपीसीएस को एफपीओ के रूप में क्रियाशील कर सभी जिला संघों में सक्रिय भागीदारी, एनसीएल और बीबीएसएसएल जैसी राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ साझेदारी स्थापित कर किसानों के उत्पाद को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ना एवं उन्नत किस्म के बीजों की उपलब्धता एवं टिकाऊ खेती/वनोपज संग्रहण को बढ़ावा देना है।

कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों ने कहा कि सहकारी समितियाँ किसानों की उत्पादन क्षमता, आय वृद्धि और बाजार तक पहुँच बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। प्रशिक्षण और योजनाओं के लाभ से किसानों को टिकाऊ आजीविका के नए रास्ते मिल रहे हैं। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी-सह-प्रबंध निदेशक दिलीप कुमार यादव, जिला सहकारिता पदाधिकारी, विभिन्न प्रतिनिधि, किसान, वनोपज संग्राहक एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस के भय से गंगा में कूदे तीन नशेड़ी

एक डूबा, दो निकाले गये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र के मुक्तेश्वर घाट पर मंगलवार की शाम गांजा पी रहे तीन युवक पुलिस के आने की सूचना पर गंगा में कूद गए। इस दौरान दो युवक निकल गए, जबकि जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के छोटा पंचगढ़ तूरी टोला निवासी धीरन तूरी का 19 वर्षीय पुत्र राहुल तूरी डूब गया। बुधवार को उसका शव निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद उसे स्वजनों को सौंप दिया गया।

बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात राहुल अपने दो-तीन दोस्तों के साथ मुक्तेश्वर घाट पर गांजा पीने गया था। तभी किसी ने बताया कि पुलिस इस ओर आ रही है। यह सुन कर सभी युवकों ने गंगा में छलांग लगा दी। दो युवक तैर कर निकल गए जबकि राहुल गंगा में ही समा गया। स्वजनों ने रात में अपने स्तर से उसकी खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चला।

इसके बाद बुधवार की सुबह नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता एवं गंगा नदी थाना पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद दोनों थानों के पदाधिकारी पहुंचे और शव की खोजबीन शुरू कराई।

दोपहर लगभग 12 बजे स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाल लिया गया। गंगा नदी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया जहां डॉ. तबरेज आलम ने शव का पोस्टमार्टम किया।

राहुल के मामा मिथुन तूरी ने बताया कि राहुल भाड़े पर लेकर ई रिक्शा चलाता था। मंगलवार की शाम नशा का सेवन करने के लिए मुक्तेश्वर घाट पहुंचा जहां अपने दोस्तों के साथ नशा सेवन कर रहा था। इसी बीच किसी ने बताया कि तुम्हारा भांजा गंगा में डूब गया है। सभी स्वजन घाट पर पहुंचे और उसकी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।

राहुल का ई-रिक्शा घाट के बाहर लगा हुआ था। घटना किस प्रकार घटी यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। राहुल के दोस्त के घर जाकर पूछताछ भी की लेकिन वह भी स्पष्ट नहीं बता रहा है। इसके बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने राहुल के दोस्त करण को हिरासत में लेकर घटना के बारे में पूछताछ की।

शहर में शाम होते ही शहर में कई जगहों पर नशेड़ियों का जमावड़ा लग जाता है। वहां बैठकर युवक गांजा, शराब, कोरेक्स, हेरोइन, डेंटराइट जैसे नशा का सेवन करते हैं। इस कारण कई घर भी उजड़ चुके हैं। नशे की हालत में युवा अपराध की तरफ भी रुख कर रहे हैं। पैसा नहीं रहने के कारण युवा चोरी-पाकेटमारी जैसी घटना को अंजाम देते हैं। युवाओं को आसानी से गांजा, हेरोइन उपलब्ध हो जाता है।

सूत्रों के अनुसार एलसी रोड, हबीबपुर, अंजुमन नगर, पुरानी साहिबगंज, महादेवगंज सहित अन्य जगहों पर बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री होती है। युवा नशा करने के लिए मुक्तेश्वर घाट, नमामि गंगे घाट, शमशान घाट, माल गोदाम, रेलवे इंस्टीट्यूट, रेलवे स्टेशन, बाटा रोड, रसूलपुर दहला पोखर के पास, सिदो कान्हू स्टेडियम के पास पहाड़ की तहलटी, बस स्टैंड, धोबी झरना, गंगा विहार पार्क के पीछे, मंडल कारा के पीछे, हटिया सहित अन्य इलाकों में जुटते हैं।

दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण को लेकर भूमि पूजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र के जपला रेलवे स्टेशन परिसर में युवा बाल संघ द्वारा दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण तीन लाख की राशि से भव्य पंडाल निर्माण किया जाएगा। समाजसेवी सह व्यवसायी प्रकाश अग्रवाल,युवा बाल संघ के अध्यक्ष जयशंकर गुप्ता,व्यवसायी अंबिका प्रसाद,सुनील गुप्ता, संरक्षक राजेश्वर सिंह,रजनीश कुमार , रवि कुमार यादव आदि ने संयुक्त रूप से पंडाल निर्माण की भूमि पूजन कर विधिवत पूजा अर्चना के साथ नारियल फोड़ कर कार्य प्रारंभ किया। मौके पर संघ के अध्यक्ष जयशंकर गुप्ता ने बताया कि दुर्गा पूजा के अवसर पर स्टेशन परिसर में शांति व सौहार्द के साथ माँ दुर्गा की पूजा अर्चना आराधना के साथ- साथ भव्य पंडाल निर्माण कर ऐतिहासिक बनाने की प्रक्रिया की शुरूआत की गई है। इस मौके पर शंकर गुप्ता,गोल्डेन कुमार, अमन विश्वकर्मा, छोटू शर्मा,पंकज मेहता,दीपू कुमार,शनि विश्वकर्मा, उपेंद्र यादव, सैनिक कुमार,सोनू कुमार,रोहित यादव,सुभाष कुमार,छोटू पासवान, अविनाश कुमार,कौशल कुमार ,कंटेश कुमार आदि शामिल हुए।

बच्चों को पढ़ाया जायेगा साइबर सुरक्षा पाठ

देवघर। डिजिटल युग में साइबर अपराध से बचाव अब पाठशालाओं से ही शुरू होगा। भारत सरकार के वैज्ञानिक संस्थान सी-डैक (सेंटर फार डेवलपमेंट आफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग) ने स्कूली बच्चों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने का बीड़ा उठाया है। देवघर, जो साइबर अपराध के मामलों में लगातार सुर्खियों में रहा है, अब देश में साइबर सुरक्षा की नई पहचान बनाने जा रहा है।

योजना के तहत बच्चों को सीधे प्रशिक्षित करने से पहले स्कूल के शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर बनाया जा रहा है। ये शिक्षक केवल किताबों से नहीं बल्कि रोजमर्रा के डिजिटल जीवन से जुड़े उदाहरणों से बच्चों को साइबर सुरक्षा का पाठ पढ़ाएंगे। यह प्रोजेक्ट मिनिस्ट्री आफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी की ओर से चलाया जा रहा है। इसका क्षेत्रीय समन्वय सी-डैक, पटना के हाथ में है। उद्देश्य हर नागरिक को सुरक्षित डिजिटल नागरिक बनाना है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ तकनीक का उपयोग कर सकें।

कालेज बना जंग का मैदान

एक का सिर फटा, कई छात्र हुए चोटिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। बुधवार को लॉ कालेज धनबाद जंग का मैदान बन गया। छात्रों के दो गुटों में जबरदस्त भिड़ंत हुई। इसमें एक छात्र का सिर फट गया, कई अन्य छात्र भी चोटिल हुए। इसमें लड़कियां भी शामिल थीं। यह सब लॉ कालेज के प्राचार्य कमल किशोर के कार्यालय में हुआ। बीच बचाव करने पहुंचे प्राचार्य और अन्य प्राध्यापकों के साथ भी धक्का मुक्की की गई।

मारपीट में घायल सेमेस्टर तीन के छात्र रितेश मिश्रा को एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। कुछ छात्राओं ने अपने साथ दुर्व्यवहार का भी आरोप लगाया है।

उनका कहना था कि बाहर से आए 25 से 30 लोग मारने के उद्देश्य से ही आए थे। कालेज प्रबंधन ने घटना की सूचना धनबाद थाने को दी। कालेज प्रबंधन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की बात कही है।

रक्षाबंधन से एक दिन पहले आठ अगस्त को कालेज के सेमेस्टर वन के दो छात्रों सौरभ सिंह और रवि के बीच मारपीट हुई।

सेमेस्टर तीन के छात्र रवि मिश्रा और छात्रा पल्लवी ने मध्यस्थता कर मामला खत्म किया।

घटना के तीन दिन बाद सौरव के पिता ने कालेज प्रबंधन को ईमेल कर जानकारी दी कि रितेश मिश्रा ने उनके बेटे के साथ रैगिंग की। इस पर संज्ञान लेते हुए प्राचार्य कमल किशोर ने समझौते के लिए सौरव सिंह के पिता, छात्र रितेश मिश्रा और पल्लवी को बुधवार सुबह कालेज बुलाया।

मीटिंग में बातचीत हो ही रही थी कि कुछ बाहरी छात्र कालेज में आ धमके। सभी सेमेस्टर तीन के छात्र रितेश मिश्रा को पीटने लगे। बीच बचाव करने आए अन्य छात्रों और अध्यापकों से भी मारपीट की।

इस लड़ाई में रितेश का सिर फट गया। कुछ लड़कियों को भी चोट पहुंची। रितेश मिश्रा ने एबीवीपी पर मारपीट का आरोप लगाया है। यह भी कहा कि मारपीट करने वाले कालेज के छात्र नहीं थे। अधिकतर बाहरी थे।

जंगली हाथियों के झुण्ड से ग्रामीणों में हड़कम्प

वनकर्मी कर रहे निगरानी, ग्रामीणों में दहशत व्याप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। चाईबासा सदर वन प्रमंडल अंतर्गत सिंहपोखरिया रेलवे स्टेशन के नजदीक टुटूगुटू तथा कासेया गांव के पास जंगली हाथियों का एक झुंड आकर रुकने से इलाके में हड़कंप मच गया है।

चाईबासा शहर के महज पांच किलोमीटर नजदीक हाथियों के आने से लोगों की भीड़ भी जुटनी शुरू हो गयी है। लोगों ने बताया कि झुंड में करीब 15 जंगली हाथी हैं और बहुत सारे बच्चे भी हैं। सुबह को यह झुंड यहां आया।

ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का यह झुंड झींकपानी प्रखंड के नवागांव के समीपस्थ जंगल से आया हुआ है। अभी तक जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। हाथियों का यह झुंड फिलहाल डाकुवाबासा स्थित जंगलनुमा टीले में शरण लिया हुआ है और सौ मीटर के दायरे में विचरण कर रहा है। सुबह से ही यह झुंड यहीं ठहरा हुआ है।

जैसे ही खबर फैली कि हाथियों का एक झुंड झींकपानी प्रखंड के टुटूगुटू गांव के नजदीक आया हुआ है, आसपास गांवों के ग्रामीणों की भीड़ जुटनी शुरू हो गयी। हरकोई हाथी देखने को बेसब्र हुआ जा रहा था। इधर, सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने भी मौके पर आकर मोर्चा संभाल लिया है। वनकर्मी भीड़ को हाथियों के नजदीक जाने से रोकने के कार्य में जुट गये हैं। वनकर्मी चारों ओर से हाथियों के झुंड की निगरानी भी कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों से कोई बड़ा नुकसान की खबर तो अभी तक नहीं है। लेकिन डाकुवाबासा में एक घर के बाहर रखी साइकिल को तोड़े जाने की बात सामने आयी है। लेकिन मकानों को नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। बहरहाल, हाथियों के आने से टुटूगुटू, कासेया, मडबेड़ा, दुनुमगुटू, कुन्दूबेड़ा, ईचागूटू, सुरजाबासा, अजुर्नाबासा, सिंहपोखरिया, केलेंडे आदि गांवों के किसान दहशत में हैं। उनको डर है कि हाथी कहीं उनके खेतों की फसल को नुकसान ना पहुंचा दे। हालांकि ग्रामीणों की कोशिश कर रहे हैं कि हाथी रिहायशी इलाकों में और खेतों में ना उतर पाये। ताकि नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस 2025 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस 2025 के अवसर पर आज जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला बाल संरक्षण इकाई, एनजीओ, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, झारखंड तथा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकियाट्री, रांची के तकनीकी सहयोग से किया गया। यह कार्यक्रम समाहरणालय परिसर स्थित डीआरडीए सभागार में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, सीआईपी रांची से आए डॉक्टर, असिस्टेंट प्रोफेसर, टेली-मानस सेल के प्रतिनिधि, एनएचएम झारखंड के प्रतिनिधि, सिनी संस्था के प्रतिनिधि समेत अन्य संबंधित उपस्थित रहे। इस वर्ष का विषय थीम निर्धारित किया गया है।

कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या रोकथाम जैसे संवेदनशील विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं कार्यक्रम के दौरान अब तक किए गए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कार्यों की प्रस्तुति दी गई। इसके उपरांत मानसिक स्वास्थ्य के जैव-मानसिक-सामाजिक एवं सामुदायिक दृष्टिकोण पर पैनल चर्चा आयोजित हुई जिसमें डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. महाश्वेता भट्टाचार्य, डॉ. रवि किस्कू तथा कुमार सौरव ने विचार साझा किए। तत्पश्चात श्रीमती शंतना कुमारी, राज्य परामर्शदाता ने मानसिक स्वास्थ्य की आउटरीच सेवाओं पर प्रकाश डाला, वहीं समापन सत्र में डॉ. बुधनयन रॉय (टेली-मानस, झारखंड) ने टेली-मानस सेवाओं की जानकारी दी।

आत्महत्या को पूर्णतया रोकने एवं मानसिक रूप से लोगों को स्वास्थ्य रखने को लेकर आवश्यक सुझाव दिए गए। विशेषज्ञों ने कहा कि केवल डिप्रेशन ही नही, और भी कई कारण हो सकते है, जिसके कारण लोग आत्महत्या के बारे में सोचते है, और आत्महत्या कर लेते है। ऐसे लोगों के समस्याओं को जाने, उनसे बात करें, जिससे उनकी मानसिक स्थिति को समझा जा सके। उन्हें सहयोग करें, मानसिक सपोर्ट से आत्महत्या को रोका जा सकता है। यह हम सभी की जिम्मेवारी है कि हम अपने आस पास अपने समाज में ऐसे चीजो को रोके। किसी भी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए टेली मानस के टॉल फ्री नंबर 14416/1800-89-12216 या सीआईपी सुसाइड प्रीवेंशन हेल्पलाइन नम्बर 93349-15046/15053 पर संपर्क करें।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु लोगों को जागरूक करने, विभागों एवं कार्यरत संस्थानों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से नुक्कड़ नाटक का आयोजन करने, घर-घर जाकर लोगों में जागरूक करने, विद्यालयों में विशेष सत्र एवं सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराने पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने अपने विचार एवं सुझाव साझा किए तथा जिले में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

पशुओं में फैल रही लंपी स्किन डिजीज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड अंतर्गत कोयलांचल क्षेत्र के भुरकुंडा, भदानीनगर और बासल गांवों में गाय-बैलों में लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) नामक गंभीर बीमारी तेजी से फैल रही है। जानकार बताते हैं कि यह संक्रामक वायरल रोग मच्छरों, मक्खियों और जुओं के माध्यम से फैलता है, जिससे पशुपालकों के सामने गंभीर आर्थिक और भावनात्मक संकट पैदा हो गया है।

मवेशियों में बुखार, त्वचा पर गांठें, सूजन, नाक-आंखों से पानी बहना, दूध उत्पादन में कमी और भूख न लगना जैसे लक्षण दिख रहे हैं। इन गांवों में अब तक दर्जनों पशुओं की मौत हो चुकी है, जबकि कई संक्रमित हैं। पशुपालकों का आरोप है कि सरकारी तंत्र की उदासीनता, समय पर दवाइयों और टीकाकरण की कमी ने स्थिति को और भयावह बना दिया है।

स्थानीय पशुपालकों के अनुसार, बीमारी की रोकथाम के लिए न तो पर्याप्त पशु चिकित्सक उपलब्ध हैं और न ही सरकारी पशु अस्पतालों में जरूरी दवाएँ। पशुपालकों ने सरकार से तत्काल राहत, मुफ्त दवाएं, नियमित चिकित्सा शिविरों और टीकाकरण की मांग की है।

जिला प्रशासन से पशु बाजारों पर पाबंदी लगाने और टीकाकरण को तेज करने का निर्देश देने का आग्रह किया है। समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो क्षेत्र की डेयरी अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ सकता है।

भदानीनगर नीचे मार्केट के पशुपालक रितेश कुमार सिंह ने कहा मोहल्ले में कई गायें बीमार हैं, लेकिन पशु अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति से उन्हें बाजार से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि बीमार पशुओं की देखभाल करते समय सावधानी बरतना जरूरी है।

निकाय चुनाव को ले हाईकोर्ट सख्त

पदाधिकारियों को भेजा अवमानना नोटिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने आदेश के बाद भी शहरी निकायों का चुनाव नहीं कराए जाने को लेकर बुधवार को कड़ा रूख अपनाया है।

अदालत ने मामले में मुख्य सचिव अलका तिवारी, तत्कालीन नगर विकास सचिव विनय कुमार चौबे, गृह सचिव वंदना दादेल, नगर विकास विभाग के अपर सचिव ज्ञानेश कुमार को अवमानना का नोटिस जारी किया है।

हाई कोर्ट रूल 393 के तहत इन अधिकारियों पर आरोप गठित किया जाएगा। मामले में अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। अदालत ने उस दिन चारों अधिकारियों को कोर्ट में उपस्थित होने को कहा गया है।

कोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने पर पूर्व पार्षद रोशनी खलखो ने हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की है, क्योंकि सरकार बार-बार

ट्रिपल टेस्ट से संबंधित प्रक्रिया पूरी न होने का हवाला देकर निकाय चुनाव नहीं करा रही थी।

हालांकि अदालत ने चार जनवरी 2024 को राज्य सरकार को बिना ट्रिपल टेस्ट के ही शहरी निकाय चुनाव कराने का स्पष्ट आदेश दिया था। कोर्ट ने टिप्पणी की सरकार कानून के साथ खिलवाड़ कर रही है।

कोर्ट ने दस्तावेज देखने के बाद पाया कि सरकार और उसके अधिकारियों ने कोर्ट के आदेश को जानबूझ कर मंत्री या कैबिनेट के समक्ष नहीं रखा। अधिकारियों ने न सिर्फ कोर्ट के आदेश की अनदेखी की, बल्कि कोर्ट को कई बार यह भरोसा भी दिया कि निकाय चुनाव जल्द होंगे, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

कोर्ट ने राज्य सरकार की फाइलों की जांच में पाया कि अधिकारियों ने हाई कोर्ट के आदेशों की जानकारी मुख्यमंत्री या संबंधित मंत्री तक नहीं पहुंचाई, जिससे सरकार कोर्ट के आदेशों पर अमल नहीं कर पाई।

इस दौरान सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने आदेश का हवाला देते हुए कहा कि इसके मुताबिक ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आरक्षण दिया जा सकता है।

लेकिन हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया कि ट्रिपल टेस्ट के बिना चुनाव कराना गैरकानूनी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को गलत तरीके से ढाल बना रही है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि कोर्ट के आदेश को जानबूझकर दबाया गया। इससे यह प्रतीत होता है कि कोर्ट के आदेश को निष्क्रिय करने की साजिश थी। यह स्पष्ट रूप से अदालत की अवमानना है। कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों के जानबूझकर कोर्ट की अवहेलना साबित होती है।

ऐसे में उन पर अवमानना की कार्रवाई बनती है। कोर्ट ने कहा कि मुख्य सचिव ने 13 जनवरी 2025 को आश्वासन दिया था कि चार माह के भीतर नगर निकाय चुनाव करा लिए जाएंगे, लेकिन अभी तक चुनाव नहीं हुए।

अगले दो वर्षों में जिले के 486 टोले होंगे रोशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिमडेगा। अगले दो सालों में जिले के सभी वंचित 486 टोले बिजली से रोशन होंगे। इसके लिए विभाग के द्वारा पहल शुरू की गई है। मुख्यमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत छूटे हुए गांव-टोलों तक बिजली पहुंचाने की कवायद की जा रही है।इस संबंध में जानकारी देते हुए विभाग के कार्यपालक अभियंता ने यह बताया कि करीब योजना के तहत जिले को करीब 90 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं, जिसके माध्यम से छूटे हुए जिले के गांव अथवा टोलों में बिजली पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।गांवों में बिजली पोल तार लगाने के साथ ही मीटर लगाने का कार्य भी किया जाएगा। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि जिले में अभी करीब 14 हजार घर बिजली सुविधा से वंचित हैं।नई योजना के तहत उन सभी घरों तक बिजली कनेक्शन दिया जाएगा। वर्तमान में जिले में 1,15000 बिजली उपभोक्ता हैं। कार्यपालक अभियंता ने भी बताया कि वर्तमान में जिले में पर्याप्त बिजली मिल रही है।लेकिन अधिक बारिश, हवा एवं वज्रपात से ब्रेक डाउन की समस्या अधिक आती है। आने वाले दिनों में सिमडेगा के कोलेबिरा एवं कुरडेग में दो और ग्रिड मिलेंगे। इस तरह जिले में तीन ग्रिड होंगे और बिजली निर्बाध रूप से आपूर्ति करने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि सभी घरों में बिजली पहुंचे। लेकिन,सिमडेगा के कई क्षेत्रों की दुरुह भौगोलिक स्थिति होने की वजह से बिजली पोल और तार लगाना कठिन होता है। ऐसे गांवों में ज्रेडा के माध्यम से सोलर आधारित ग्रिड बनाकर बिजली दी जा रही है।जिले के कुरडेग समेत मतरामेटा एवं बांसजोर में लंबित विद्युत सब स्टेशन के चालू होने के सवाल पर कार्यपालक अभियंता ने बताया कि तकनीकी जरूरत एवं कमियों को दूर किया जा रहा है।

इन्फ्लुएंसर विवाद केस

कोर्ट ने क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर लगाया 100 रुपए जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। डिंडोशी सेशंस कोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल के खिलाफ कथित मारपीट के मामले में जवाब देने में देरी के चलते भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर 100 रुपए का जुर्माना लगाया है। सपना गिल के वकील अली काशिफ खान का मानना है कि यह कोर्ट की ओर से दिया गया एक बड़ा संदेश है। वकील अली काशिफ खान ने कहा, हमने अपनी क्लाइंट के साथ हाथापाई को लेकर पृथ्वी शॉ और उनके ग्रुप के खिलाफ शिकायत की थी। जब पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की, तो हमने अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट में जाकर मांग की थी कि वह एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दें, लेकिन कोर्ट ने पुलिस को सिर्फ पूछताछ का ऑर्डर दिया। ऐसे में हमने सेशंस कोर्ट डिंडोशी में ऑर्डर को चैलेंज किया। आज करीब एक साल का समय बीच चुका है, लेकिन इस मामले में पृथ्वी शॉ का कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने कहा, सेशंस कोर्ट डिंडोशी के जज ने पृथ्वी शॉ को कई बार जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। इसके बाद से उनके वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए तीन से ज्यादा डेट्स ले ली हैं। बुधवार को जब उनके वकील से जवाब दाखिल करने को कहा गया, तो उन्होंने फिर से वक्त मांगा, जिसे सुनते ही जज ने 100 रुपए जुर्माना भरने का आदेश दिया। यह 1 या 100 रुपए के जुर्माने की बात नहीं है। यह कोर्ट की ओर से दिया गया एक बड़ा संदेश है। कानून सभी के लिए बराबर है। अब पृथ्वी शॉ को जवाब दाखिल करने के लिए 16 दिसंबर की डेट दी गई है। अली काशिफ खान ने कहा, मेरा मानना है कि उनके वकील की ओर से वक्त बर्बाद किया जा रहा है। इस मामले को खींचा जा रहा है। हो सकता है कि शायद उनके पास कोई जवाब ही नहीं हो। हमारा आरोप है कि पुलिस उनके साथ मिली हुई है। बता दें कि फरवरी 2023 में अंधेरी के एक पब में सपना गिल और पृथ्वी शॉ के बीच सेल्फी को लेकर विवाद हुआ था।

मांजरेकर का सनसनीखेज बयान

भारत के महान बल्लेबाजों में फिट नहीं बैठते रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि वनडे कप्तान रोहित शर्मा अपने टेस्ट रिकॉर्ड के कारण भारत के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों की सूची में फिट नहीं बैठते। रोहित ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे से पहले इस टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। रोहित ने 67 टेस्ट मैच खेलने के बाद संन्यास ले लिया और 40.57 के औसत से 12 शतकों और 18 अर्द्धशतकों सहित 4301 रन बनाए। दूरदर्शन के क्रिकेट शो पर मांजरेकर ने रोहित को लेकर सनसनीखेज बयान दिया। उन्होंने रोहित की सफेद गेंद के प्रारूप में निस्वार्थ नेतृत्व क्षमता और टीम के हित को निजी हित से ऊपर रखने के लिए प्रशंसा की। हालांकि, उन्होंने कहा कि रोहित की जगह सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों की सूची में नहीं बनती क्योंकि टेस्ट क्रिकेट को ज्यादा महत्व दिया जाता है। मांजरेकर ने दूरदर्शन पर प्रसारित ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो में कहा, भारत के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों की सूची में रोहित शर्मा शामिल नहीं हैं क्योंकि हम गावस्कर, तेंदुलकर, द्रविड़ और विराट जैसे दिग्गजों की बात कर रहे हैं। रोहित इस सूची में फिट नहीं बैठते, लेकिन अगर आप वनडे क्रिकेट, निस्वार्थता या कप्तानी को देखें, तो आपको रोहित शर्मा का जिक्र करना ही होगा। खासकर 2023 विश्व कप के बाद, लोगों का उनके प्रति प्यार एक अलग ही स्तर पर है।मांजरेकर ने कहा, लोगों ने देखा कि वह कभी अपने बारे में नहीं सोचते थे। वह टीम के फायदे के लिए अपने हितों का त्याग करने को तैयार रहते थे। यही उनकी असली खासियत है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनका सहज दबदबा हमेशा से ही सुखद रहा है।

एशेज सीरीज की तैयारी में जुटे

कमिंस ने चोट से वापसी के लिए समयसीमा तय की

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज से पहले अपनी फिटनेस साबित करना चाहते हैं, उन्होंने बॉलिंग क्रीज पर वापसी के लिए समयसीमा तय की है। जुलाई में कैरेबियन दौरे में खेलने के बाद से पैट कमिंस कमर दर्द से जूझ रहे हैं। उनकी हालिया स्कैन रिपोर्ट में प्रभावित हिस्से में लंबर बोन स्ट्रेस की पुष्टि हुई है। कमिंस को आराम की जरूरत है, लेकिन दौड़ने या गेंदबाजी करने में कोई दिक्कत नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान जानते हैं कि उन्हें एशेज सीरीज से पहले अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 21 नवंबर से होगी। कमिंस को उम्मीद है कि एशेज की शुरुआत से लगभग चार से छह हफ्ते पहले वह दोबारा गेंदबाजी शुरू कर पाएंगे। कमिंस ने बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक स्पॉन्सरशिप प्रोग्राम में कहा, मैं कम से कम एक महीने पहले, शायद छह हफ्ते पहले गेंदबाजी करना शुरू करना चाहूंगा, लेकिन मैंने इस पर अभी ज्यादा नहीं सोचा है। अभी भी इंतजार करना होगा और देखना होगा। हमारे पास पर्याप्त समय है, इसलिए जब चैंपियंस ट्रॉफी थोड़ी नजदीक होगी, तो वापसी का रोडमैप तय करेंगे। अगर पैट कमिंस को शुरुआती टेस्ट से बाहर होना पड़ा, तो ऐसे में तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड उनकी जगह ले सकते हैं। अनुभवी तिकड़ी मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लायन का खेलना लगभग तय है। उन्होंने कहा, मैं फिलहाल अगले कुछ हफ्तों तक ज्यादा कड़ी ट्रेनिंग नहीं करूंगा। मुझे ज्यादा दौड़ना नहीं है और गेंदबाजी बिल्कुल नहीं करनी। 21-25 नवंबर के बीच पर्थ में एशेज सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। 4-8 दिसंबर के बीच ब्रिस्बेन में दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। 17-21 दिसंबर के बीच दोनों टीमें एडिलेड में तीसरे टेस्ट के लिए भिड़ेंगी, जबकि 26-30 दिसंबर के बीच मेलबर्न में चौथा मुकाबला खेला जाएगा।

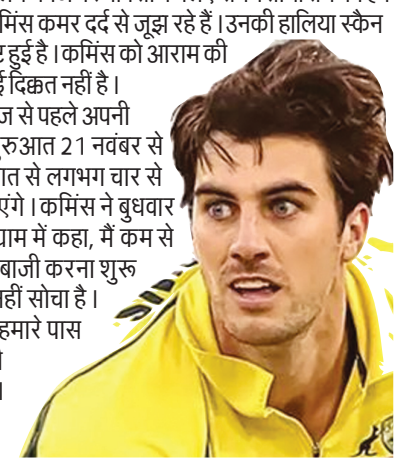

फीफा वर्ल्ड कप

बोलीविया ने ब्राजील को हराया, क्वालिफाइंग प्लेऑफ में प्रवेश किया

एल आल्टो (बोलीविया), एजेंसी। बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। मिगुएल टेरसेरोस ने पहले हाफ में पेनल्टी पर गोल किया जिससे बोलीविया ने मंगलवार को विश्व का फुटबॉल के दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग में ब्राजील को 1-0 से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित की। टेरसेरोस ने 45वें मिनट में गोल करके बोलिवियाई टीम को 2019 के बाद पहली बार घरेलू मैदान पर ब्राजील पर जीत दिलाई। प्लेऑफ टूर्नामेंट में छह देश शामिल होंगे और यह मार्च के अंतरराष्ट्रीय सत्र में खेला जाएगा, जिससे अगले वर्ष अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप के लिए अंतिम दो स्थानों का निर्धारण होगा। बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। क्वालिफायर में तीसरे स्थान पर रहने वाली कोलंबियाई टीम ने स्ट्राइकर लुइस डियाज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेनेजुएला को 6-3 से हराकर बोलीविया की टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में मदद की। डियाज ने चार गोल दागे। क्वालिफाइंग के एक अन्य मैच मे इक्वाडोर ने अर्जेंटीना को 1-0 से हरा दिया। अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग में 38 अंक लेकर पहले, जबकि इक्वाडोर 29 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

गावस्कर ने ब्रोंको टेस्ट को कहा अनुचित, सभी के लिए एक ही मानक रखना लगभग असंभव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की पुरुष टीम में खिलाड़ियों के चयन के लिए ब्रोंको टेस्ट शुरू करने की योजना ने सभी का ध्यान खींचा है। यह एक ऐसा टेस्ट है जो एथलीटों को अपनी हृदय संबंधी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। ब्रोंको टेस्ट क्रिकेट के लिए भले ही नया हो, लेकिन रग्बी में इसका इस्तेमाल लंबे समय से एक उच्च-तीव्रता वाली दौड़ के अभ्यास के रूप में किया जाता रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इसके खिलाफअपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस तरह के टेस्ट के आधार पर खिलाड़ियों का चयन करना काफी अनुचित है। गावस्कर ने अपने एक कॉलम में लिखा, हालांकि यह जानने के लिए कि किसी खिलाड़ी को अपने शरीर को कहां मजबूत करने की जरूरत है, ये टेस्ट करवाना ठीक है, लेकिन राष्ट्रीय टीम में चयन का फैसला इनसे करवाना थोड़ा ज्यादा है। हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है, इसलिए टीम में सभी के लिए एक ही मानक रखना लगभग असंभव है। खिलाड़ी की विशेषता और उसके लिए दी जाने वाली छूट का ध्यान रखना जरूरी है। उदाहरण के लिए एक विकेटकीपर, जो पूरे दिन लगातार घूमता रहता है, उसे दूसरों की तुलना में अलग फिटनेस स्तर की आवश्यकता होती है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप

निखत 5-0 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निखत जरीन ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की युमा निशिनाका को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। निखत के अलावा मीनाक्षी, जदुमणि और अभिनाश जामवाल भी क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

निखत का इस साल का पहला इवेंट 29 साल निखत के लिए यह इस साल का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। पहले राउंड में जापानी खिलाड़ी ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन निखत ने अपनी लय बनाए रखी और जीत हासिल की। मैच के दौरान युमा ने निखत के रिदम को तोड़ने के लिए अत्यधिक क्लिंचिंग (गले लगाकर रुकने) की कोशिश की, जिसके कारण उन्हें दो पेनल्टी पॉइंट्स का नुकसान हुआ। निखत ने जापानी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया और सर्वसम्मति से जीत हासिल की।

48 चल में मीनाक्षी ने चीनी खिलाड़ी को हराया निखत के अलावा अन्य भारतीय बॉक्सरों ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने चीन की वांग क्यूपिंग को 5-0 से हराया। जबकि जदुमणि (57 किग्रा) ने इंग्लैंड की रीडशॉ रीस को 5-0 से पराजित किया। वहीं, अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) ने डोमिनिकन गणराज्य के पीटर यनोआ फर्नांडो डी जीसस को 5-0 से मात देकर अगले दौर में जगह पक्की की।

भारतीय पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग में पदक की दौड़ से बाहर

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला, क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा और उसके सभी तीरंदाज व्यक्तिगत वर्ग के पदक चरण में जगह बनाने में असफल रहे।भारत के तीनों खिलाड़ियों में राहुल ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरे राउंड (अंतिम-32) में जगह बनाई, लेकिन शूट-ऑफ में जॉर्जिया के एलेक्जेंडर माचावरियानी से 5-6 (8-10) से हार गए। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 5-3 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम दो सेटों में वह लड़खड़ा गए, जिससे एक बार फिर रिकर्व वर्ग में दबाव में भारत की मानसिक कमजोरियां उजागर हो गईं। पहला सेट 28-28 से बराबर करने के बाद राहुल ने दूसरे सेट में 30-30 का शानदार स्कोर बनाया और तीसरे सेट में 28-27 से जीत हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली।

चौथे राउंड में उन्हें केवल ड्रॉ की आवश्यकता थी, लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उनके विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का मौका मिल गया। जॉर्जियाई खिलाड़ी ने पांचवां सेट 28-27 से जीतकर शूट-ऑफ कराया, जहां राहुल ने आठ अंक हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी का स्कोर परफेक्ट 10 था। तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला, क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को पहला सेट 29-29 से बराबर करने के बाद 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए न्यूजीलैंड की टीम का ऐलान कर दिया गया है, जिसकी कमान सोफी डिवाइन के पास है। 22 वर्षीय ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर को घरेलू स्तर पर प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद वनडे टीम में शामिल किया गया है। पिछले संस्करण की मेजबानी के बाद से न्यूजीलैंड टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस बार न्यूजीलैंड ने अपने खेमे में छह ऐसी खिलाड़ियों को शामिल किया है, जो पहली बार वनडे वर्ल्ड कप में खेलती नजर आएंगी। इसके अलावा, चार खिलाड़ी ऐसी भी होंगी, जो अपने पहले सीनियर आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

सोफी डिवाइन अपना पांचवां वर्ल्ड कप खेलने जा रही हैं। उनकी साथी सूजी बेट्स भी अपने पांचवें वनडे विश्व कप में खेल रही हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहुहू को चौथे विश्व कप में खेलने का मौका मिला है, जबकि मैडी ग्रीन और मेली केर अपने तीसरे विश्व कप में भाग ले रही हैं। 30 सितंबर से महिला वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत होने जा रही है। टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड का पहला मैच 1 अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। इसके बाद न्यूजीलैंड 6 अक्टूबर को साउथ अफ्रीकी टीम से भिड़ेगी। 10 अक्टूबर को उसका सामना बांग्लादेश से होगा।

न्यूजीलैंड की टीम 14 अक्टूबर को श्रीलंका से भिड़ेगी, जिसके बाद 18 अक्टूबर को टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। यह टीम 23 अक्टूबर को भारतीय टीम को चुनौती देगी, जबकि 26 अक्टूबर को न्यूजीलैंड का सामना इंग्लैंड से होगा।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने टीम में चुने गए सभी खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए कहा, मैं टीम के संतुलन से वास्तव में खुश हूं। मुझे लगता है कि परिस्थितियों और विरोधियों को मद्देनजर रखते हुए हमारे पास सही मिश्रण है, जिससे हम उन सभी चुनौतियों का मुकाबला कर सकते हैं, जिनका हम सामना करेंगे।

न्यूजीलैंड की टीमः सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमैरी मेयर, जॉर्जिया प्लिम्मर और ली ताहुहु।

अफगानिस्तान का विजयी आगाज, एशिया कप के पहले मैच में हॉन्ग कॉन्ग को धोया

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान ने हॉन्ग कॉन्ग को 94 रनों से करारी शिकस्त दी है. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने उमरजई और अटल की शानदार फिफ्टी के दम पर 189 रनों का लक्ष्य हॉन्ग कॉन्ग के सामने रखा था. इसके जवाब में उतरी हॉन्ग कॉन्ग की टीम 94 रन ही बना सकी.

ऐसी रही हॉन्ग कॉन्ग की पारी

189 के जवाब में उतरी हॉन्ग कॉन्ग की शुरुआत बेहद खराब रही. पहले ही ओवर में फारुकी ने अंशुमान रथ का विकेट झटका. अंशुमान अपना खाता भी नहीं खोल सके. इसके बाद दूसरे ओवर में हॉन्ग कॉन्ग को एक और झटका लगा जब उमरजई ने जीशान अली का विकेट झटका. इसके बाद तीसरे ओवर में 13 के स्कोर पर भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा और निजाकत रन आउट हो गए. पांचवे ओवर में भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा. इसके बाद 10वें ओवर में भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा जब किंचित शाह 4 रन बनाकर आउट हो गए. इसके बाद अच्छी लय में दिख रहे बाबर हयात का भी विकेट गिर गया. इसके बाद हॉन्ग कॉन्ग की पारी और लड़खड़ा गई और टीम 20 ओवर खेलकर 9 विकेट गंवाने के बाद केवल 94 रन ही बना सकी. अफगानिस्तान ने 94 रनों से ये मैच जीत लिया.

ऐसी रही अफगानिस्तान की पारी

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी. पारी का आगाज अटल और गुरबाज ने किया. लेकिन तीसरे ही ओवर में अफगानिस्तान को पहला झटका लगा जब गुरबाज 8 रन बनाकर आयुष शुक्ला का शिकार बन गए. इसके बाद चौथे ओवर में इब्राहिम जादरान भी 1 रन बनाकर आउट हो गए. लेकिन फिर नबी और अटल के बीच अच्छी साझेदारी हुई. टीम को तीसरा झटका 77 के स्कोर पर 11वें ओवर में लगा. नबी 33 रन बनाकर किंचित का शिकार बने. फिर नाइब का विकेट 13वें ओवर में गिरा. नाइब 5 रन बना सके. लेकिन अटल को साथ मिला अजमतुल्लाह उमरजई का जिन्होंने शानदार फिफ्टी लगाई. उमरजई ने 53 रन बनाए. दोनों की इस पारी के दम पर अफगानिस्तान ने 188 रन बनाए.

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली एयरपोर्ट से नोएडा-ग्रेटर नोएडा तक चलेंगी लग्जरी बसें

क्या-क्या मिलेंगी सुविधाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एयरपोर्ट से नोएडा और ग्रेटर नोएडा तक की यात्रा अब और भी आसान हो जाएगी। आईजीआई ने बताया कि आसान होने के साथ-साथ यह यात्रा सस्ती होगी और इसमें सुविधाएं भी ज्यादा होंगी। देश में पहली बार दिल्ली एयरपोर्ट ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लिए

लग्जरी बस सेवा शुरू करने की घोषणा की है। यह सेवा एयरपोर्ट ऑपरेटर डीआईएएल और फ्लिक्सबस के सहयोग से चलाई जाएगी। बता दें कि फ्लिक्सबस दुनिया की सबसे बड़ी इंटरसिटी ट्रैवल-टेक कंपनी है। एयरपोर्ट से नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लिए नई पहल यात्रियों को आरामदायक होगी। आरामदायक होने का साथ-साथ यह सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा का विकल्प भी देगी। दिल्ली एयरपोर्ट पहले से ही भारत का सबसे एयपोर्ट है। इस एयरपोर्ट से हर साल 10 करोड़ से ज्यादा लोग आते-जाते हैं। इनमें से करीब 20 प्रतिशत यात्री पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं। अब दिल्ली एयपोर्ट नई शुरूआत करने जा रहा है। आईजीआई लग्जरी बस सेवा से यात्रियों को एयरपोर्ट से नोएडा और ग्रेटर नोएडा तक की यात्रा में बड़ी राहत मिलेगी। फ्लिक्सबस द्वारा चलाई जाने वाली ये लग्जरी बसें 24 घंटे चलेंगी। आईजीआई की तरफ से बताया गया है कि ये बसें एयरपोर्ट से किसी भी समय यात्रा करने वाले लोगों के लिए अच्छा विकल्प बनेंगी। बसों में आरामदेह रिक्लाइनिंग सीटें होंगी। इसके साथ ही स्नक्चार्जिंग पोर्ट, निगरानी, सामान रखने के लिए पर्याप्त लगेज स्पेस दिया जाएगा। इसका साथ ही ट्रेंड स्टाफ मौजूद रहेगा। यात्रियों को पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा का अनुभव मिलेगा। मिली जानकारी के अनुसार, इस बस से यात्रा करने वाले रियल टाइम में ट्रैक कर सकेंगे। ये बसें नोएडा और ग्रेटर नोएडा के प्रमुख स्थानों जैसे सेक्टर 16, बॉटेनिकल गार्डन, गोल्फ कोर्स रोड, गौड़ सिटी, जेपी विशटाउन और परी चौक पर रुकेंगी। ट्रैफिक के आधार पर यात्रा में 2-3 घंटे का समय लग सकता है।

बेटी की जिंदगी छीनने वाले पिता को उम्रकैद

- पत्नी से बदला लेने के लिए किया था मर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुंडका इलाके में पत्नी से बदला लेने के लिए सात वर्षीय बेटी की हत्या करने वाले शख्स को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। तीस हजारी कोर्ट में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौम्या चौहान की अदालत ने दोषी पिता विराज राय को आईपीसी की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न चुकाने पर उसे छह महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अदालत ने कहा कि पिता का कर्तव्य अपनी संतान को आर्थिक, भावनात्मक और शारीरिक सुरक्षा देना होता है, लेकिन यहां दोषी ने अपनी जिम्मेदारी को त्यागकर रक्षक से भक्षक का रूप ले लिया।

अदालत ने कहा कि विराज ने पत्नी के चरित्र पर संदेह करते हुए बेटी का गला घोंटकर उसकी जान ली थी। सुनवाई के दौरान आरोपी के वकील ने अदालत से सजा में नरमी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि विराज की उम्र 47 वर्ष है और वह परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य है। आरोपी जेल जाने से पहले एक निजी कंपनी में हाउसकीपिंग का काम करता था और करीब 13 हजार रुपये मासिक कमाता था। उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और उसने पूरे ट्रायल के दौरान अच्छा आचरण बनाए रखा। आरोपी के वकील का विरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने अदालत से दोषी को फांसी देने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे दुर्लभ से दुर्लभतम श्रेणी का मामला मानने से इनकार कर दिया। आदेश में कहा गया कि हत्या के बाद बच्ची को आरोपी अस्पताल ले गया और पत्नी से फोन पर रोते हुए माफी मांगी।

अब संजय कपूर की मां ने मांगे 10 हजार करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। संजय कपूर की कंपनी सोना कॉमस्टार से जुड़ा विवाद अब और गहराता जा रहा है। करिश्मा-संजय के बच्चों के बाद संजय कपूर की मां रानी कपूर ने अपने बेटे की कथित वसीयत की वैधता को कोर्ट में चुनौती दी है। बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान संजय की मां रानी कपूर के वकील ने कहा कि 80 साल की बूढ़ी मां को संजय कपूर की वसीयत से जुड़े किसी डॉक्यूमेंट की जानकारी तक नहीं दी गई। इस दौरान संजय की मां ने 10 हजार करोड़ रुपए के हिस्से पर दावा जताया है।

इस मामले पर बात करते हुए रानी कपूर के वकील ने आरोप लगाया कि यह सब बेहद असामान्य है। वकील ने कहा कि 10,000 करोड़ रुपये की संपत्ति तो उनकी मां की होनी चाहिए थी। इस मामले पर संजय कपूर की मां की तरफ से बोलते हुए वकील ने कहा कि उन्होंने बेटी की वसीयत को लेकर 15 ईमेल भेजे, लेकिन उनके साथ कोई जानकारी साझा नहीं की गई। सोना कॉमस्टार की संपत्तियों के बिकने का मामला भी सामने आया। वकील वैभव गागर ने बताया कि सोना कॉमस्टर की कुछ संपत्तियाँ बेची गई हैं, लेकिन हमें नहीं बताया गया कि किसने बेचीं। उन्होंने बताया कि 500 करोड़ रुपये के शेयर सिंगापुर की एक कंपनी को बेची गई, पर कोई डॉक्यूमेंट साझा नहीं किए गए।

दिल्ली हाई कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पक्षों को आदेश दिया है कि वे 12 जून (संजय कपूर की मृत्यु की तारीख) तक की प्रॉपर्टी की पूरी डिटेल कोर्ट में पेश करें।

यह मामला तब सुर्खियों में आया जब करिश्मा कपूर के बच्चों सामायरा कपूर और कियान राज कपूर ने अपने पिता की दूसरी पत्नी प्रिया सचदेवा के खिलाफ याचिका दायर की। बच्चों ने आरोप लगाया कि प्रिया ने वसीयत फर्जी और मनगढ़ंत तरीके से तैयार की है। इस मुकदमे में प्रिया सचदेवा के अलावा संजय की मां रानी कपूर और श्रद्धा सूरी मरवाह को भी पक्षकार बनाया गया है। वसीयत की तारीख 21 मार्च 2025 बताई जा रही है।

संजय कपूर की अचानक मौत के बाद रानी कपूर ने शक जताते हुए उनकी मौत को प्राकृतिक नहीं बताया। उन्होंने इस मामले की जांच ब्रिटेन की जांच एजेंसियों से करवाने की बात कही और कहा कि यह हत्या, साजिश और धोखाधड़ी का मामला हो सकता है।

मैं उनकी विधवा हूं और आपने तलाक लिया था; करिश्मा कपूर से कोर्ट में तीखे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। करिश्मा कपूर के एक्स हसबेंड और दिवंगत संजय कपूर की सपंत्ति विवाद मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी मौजूदा पत्नी प्रिया कपूर को समन जारी किया है। सुनवाई के दौरान प्रिया कपूर के वकील ने करिश्मा कपूर का जिक्र करते हुए कहा कि संजय कपूर से अलग होने के बाद वह पिछले 15 साल से कहीं दिखाई नहीं दीं। वहीं, दिल्ली हाई कोर्ट ने संजय कपूर की पत्नी से संपत्तियों की एक लिस्ट दाखिल करने को कहा है।

अब इस मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के बच्चों ने पिता संजय कपूर की संपत्ति में हिस्सा मांगने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पत्नी प्रिया कपूर को संजय की संपत्तियों की एक सूची दाखिल करने को कहा है। हालांकि जस्टिस ज्योति सिंह की पीठ ने संजय की संपत्तियों पर यथास्थिति बनाए रखने का तुरंत आदेश देने से इनकार कर दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नैयर ने यह तर्क दिया था कि यह मुकदमा सुनवाई योग्य नहीं है और आगे यह भी कहा कि मुकदमा दायर करने से 6 दिन पहले दोनों बच्चों को ट्रस्ट से 1,900 करोड़ रुपये की संपत्ति दी गई थी। संजय की मां रानी कपूर ने भी वसीयत की वैधता पर सवाल उठाया। रानी के वकील ने कहा, यह कुछ अविश्वसनीय रूप से गलत है। 10,000 करोड़ रुपये की संपत्ति मेरी होनी चाहिए थी।

दिल्ली से लेकर चेन्नई तक ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी, 350 करोड़ के बैंक फ्रॉड का मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडीने एक बड़े बैंक घोटाले दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में छापेमारी की है। ईडी गुरुग्राम जोन की टीम ने 350 करोड़ रुपये के हाइथ्रो पावर बैंक फ्रॉड केस में दिल्ली-एनसीआर,चेन्नई और बेंगलुरु में छापेमारी और सर्वे शुरू किया। यह कार्रवाई सीबीआई की एक स्नढ्ढक्रके आधार पर की गई, जो इस साल 4 फरवरी को दर्ज की गई थी।

हाइथ्रो पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड और इसके डायरेक्टर्स अमूल गबरानी और अजय कुमार बिश्नोई पर आरोप है कि उन्होंने बैंकों के साथ मिलकर 346.08 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। यह घोटाला 2009 से 2015 के बीच हुआ, जिसमें कंपनी और इसके प्रमोटर्स ने कथित तौर पर फंड्स को अपनी सहयोगी कंपनियों में डायवर्ट किया और बैंकों को भारी नुकसान पहुंचाया। ईडीके मुताबिक, यह एक सुनियोजित साजिश थी, जिसमें आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के तहत भारतीय दंड संहिता और प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। ईडी की टीमें सुबह से ही एक्टिव मोड में थीं। दिल्ली-एनसीआर में 5 जगहों पर, चेन्नई में 3 जगहों पर और बेंगलुरु में 1 जगह पर तलाशी अभियान चलाया गया। सूत्रों के मुताबिक, ये छापे उन ठिकानों पर मारे गए।

ऐश्वर्या के बाद अब अभिषेक बच्चन ने खटखटाया दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अपनी छवि और निजता की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने ्ढ्ढ से बने फर्जी वीडियो और तस्वीरों का दुरुपयोग करने वाली वेबसाइटों पर रोक लगाने की मांग की है।

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अपनी छवि और निजी व्यक्तित्व (पर्सनैलिटी राइट्स) की रक्षा के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने कोर्ट से मांग की है कि उनकी तस्वीरों, व्यक्तित्व और इमेज का दुरुपयोग करने वाली वेबसाइट्स और प्लेटफॉर्म्स पर तुरंत रोक लगाई जाए। खास तौर पर, अभिषेक ने एआई से बने फर्जी वीडियो और अश्लील सामग्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की है। इससे पहले एश्वर्या राय ने भी हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी।

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस तेजस करिया ने अभिषेक के वकील से कुछ सवालों के जवाब मांगे। कोर्ट ने इस मामले को और गहराई से समझने के लिए दोपहर 2:30 बजे अगली सुनवाई तय की। अभिषेक की ओर से वरिष्ठ वकील प्रवीण आनंद ने कोर्ट को बताया कि कुछ लोग उनकी छवि का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कई वेबसाइट्स और प्लेटफॉर्म्स ्ढ्ढ का उपयोग करके अभिषेक के फर्जी वीडियो बना रहे हैं, उनकी तस्वीरों पर फर्जी हस्ताक्षर डाल रहे हैं और यहां तक कि अश्लील सामग्री भी तैयार की जा रही है। आज के डिजिटल युग में ्ढ्ढ तकनीक का दुरुपयोग कोई नई बात नहीं, लेकिन जब यह किसी सेलिब्रिटी की छवि को नुकसान पहुंचाने का हथियार बन जाए, तो बात गंभीर हो जाती है। अभिषेक बच्चन के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। उनकी तस्वीरों और वीडियो को तोड़-मरोड़कर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच रही है।

इस मामले में अभिषेक का पक्ष रख रहे वकील अमीत नाइक, मधु गडोडिया और ध्रुव आनंद ने कोर्ट में जोरदार दलीलें पेश कीं।

टैरिफ विवाद में उतरा इजराइल: बोला-भारत का रूसी तेल खरीदना गलत नहीं

यरूसलम, एजेंसी। अमेरिका और भारत के बीच बढ़ते टैरिफ विवाद और रूसी तेल आयात पर अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच इजराइल ने भारत का मजबूती से समर्थन किया है। इजराइल के वित्त मंत्री बेज़ालेल स्मोट्रिच ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका अपने मतभेदों को आपसी बातचीत से सुलझा सकते हैं और इस मामले में इजराइल भारत के साथ खड़ा है।

स्मोट्रिच ने कहा- रूस पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन भारत और अमेरिका इस मुद्दे को आपस में सुलझा लेंगे। हमारे तीनों देशों भारत, अमेरिका और इजराइल के बीच लंबे और गहरे रिश्ते हैं। मतभेद होना स्वाभाविक है लेकिन यह रिश्तों की मजबूती को प्रभावित नहीं करेगा।उन्होंने आगे कहा कि भारत, अमेरिका और इजराइल को जोड़ने वाले साझा मूल्य, साझा दोस्त, साझा दुश्मन और साझा आर्थिक हित हैं। आपको समझना होगा कि सुर्खियों से परे बहुत कुछ हो रहा है। पर्दे के पीछे आर्थिक सहयोग और रणनीतिक साझेदारी लगातार बढ़ रही है। हाल ही में अमेरिका ने भारतीय आयात पर 50त्न तक टैरिफ लगाया है। इसके साथ ही, रूस से भारत द्वारा आयात किए जा रहे कच्चे तेल पर भी 25त्न अतिरिक्त टैरिफ जोड़ा गया है। अमेरिका का कहना है कि भारत को रूसी तेल खरीद पर रोक लगानी चाहिए, ताकि रूस की अर्थव्यवस्था पर असर पड़े। लेकिन भारत का रुख साफ़ है कि वह अपने ऊर्जा हितों के आधार पर फैसला करेगा। इस विवाद ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता और गहरी कर दी है। इजराइल का भारत के पक्ष में यह बयान इसलिए अहम है क्योंकि भारत और इजराइल रक्षा और तकनीक के बड़े साझेदार हैं। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा, कृषि और साइबर टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में मजबूत सहयोग है।

बाहरी ताकतों का विरोध करें, अपनी राष्ट्रीय पहचान बनाएं

सिंगापुर सिटी, एजेंसी। वैश्विक तनाव के बीच सिंगापुर के पूर्व पीएम ने अपने देश के लोगों से बड़ी अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग बाहरी ताकतों का विरोध करें और एक मजबूत राष्ट्रीय पहचान बनाए रखें। केंट रिज मिनिस्टीरियल फोरम में पूर्व पीएम ली सियन लूंग ने कहा कि सिंगापुर को शक्तिशाली बाहरी ताकतें बहुत अलग दिशाओं में खींच रही हैं।

वैश्वीकरण को या घरेलू दोषों को राष्ट्रीय पहचान की भावना के लिए बड़ी चुनौती मानने के सवाल पर ली ने कहा कि मुसलमान स्वाभाविक रूप से इस्राइल और हमास के बीच युद्ध को लेकर अधिक परेशान हैं। मगर भारत या चीन में होने वाले घटनाक्रम का उन समुदायों पर अधिक प्रभाव पड़ेगा। हमारा काम इसका विरोध करना है और यह याद रखना है कि मैं मुस्लिम हूं या मैं चीनी हूं या मैं भारतीय हूं, लेकिन मैं सिंगापुरी भी हूं। यहां मेरा कुछ स्थान है। मैं यहां का निवासी हूं तथा मुझे यहीं से दुनिया को देखना चाहिए।

सिंगापुर राष्ट्रीय विवि के छात्रों और शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए सिंगापुर के तीसरे प्रधानमंत्री रहे ली ने कहा कि हर पीढ़ी को अपने संकटों से पार पाना होगा। इन्हीं चुनौतियों के माध्यम से सिंगापुर की राष्ट्रीय पहचान मजबूत होगी। सिंगापुर की पहचान पहले से अधिक मजबूत है और अब उसे महाशक्तियों के बीच प्रतिद्वंद्विता और भू-राजनीतिक व्यवधानों का सामना करना पड़ रहा है।

इस्लामिक स्टेट से जुड़े विद्रोहियों ने 60 लोगों का कत्ल किया

लुबेरो , एजेंसी। पूर्वी कांगो में मंगलवार रात को इस्लामिक स्टेट से जुड़े विद्रोही समूह एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स (ष्ठस्न) ने हमला किया, जिसमें कम से कम 60 लोगों की मौत हो गई। यह हमला उस समय हुआ जब लोग एक अंतिम संस्कार में इकट्ठा हुए थे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने मीडिया को बताया, लगभग 10 हमलावर थे। इकट्ठा होने को कहा और फिर उन्हें मारना शुरू कर दिया। मैंने लोगों को चीखते सुना और बेहोश हो गई। लुबेरो क्षेत्र के प्रशासक कर्नल एलन किवेवा ने बताया कि मरने वालों की संख्या 60 के आसपास है, लेकिन अंतिम आंकड़ा अभी साफ नहीं है। उन्होंने कहा, हमने क्षेत्र में सेवाएं भेजी हैं ताकि लोगों की गिनती की जा सके। मंगलवार को ही बेनी क्षेत्र में एडीएफ ने एक और हमला किया था, जिसमें 18 लोग मारे गए थे। कांगो-युगांडा सीमा पर सक्रिय एडीएफ ने 2019 में इस्लामिक स्टेट के प्रति निष्ठा जताई थी। कांगो और युगांडा की कार्रवाइयों के बावजूद यह समूह नागरिकों पर हमले कर रहा है। जुलाई में इतुरी प्रांत में एडीएफ ने दो बड़े हमले किए थे, जिनमें 34 और 66 लोग मारे गए थे। क्षेत्र में कई समूह सक्रिय हैं, जिनमें रवांडा समर्थित एम23 विद्रोही और कांगो सरकार के बीच बड़ा संघर्ष शामिल है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार आयुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा कि सुरक्षा की कमी का फायदा उठाकर एडीएफ हमले कर रहा है।

मेरा होटल जला दिया, लोग टूरिस्ट को भी नहीं छोड़ रहे

नेपाल में फंसी भारतीय महिला की गुहार

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल में चल रहे जेन विरोध प्रदर्शनों के दौरान पोखरा से एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक भारतीय महिला भारत सरकार से मदद की गुहार लगाती दिख रही है।

उपासना गिल नाम की इस महिला ने दावा किया है कि प्रदर्शनकारियों ने उस होटल में आग लगा दी, जहां वह ठहरी हुई थी। वह एक स्पा में थी और बाद में लाठी-डंडे लिए एक भीड़ उसके पीछे दौड़ पड़ी, जिससे उसे अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा।

महिला ने आगे बताया कि वह एक वॉलीबॉल लीग की मेजबानी के लिए नेपाल आई थी। वीडियो में भारतीय महिला कहती सुनाई दे रही है।

उसने कहा, मेरा नाम उपासना गिल है और मैं यह वीडियो प्रफुल्ल गर्ग को भेज रही हूं। मैं भारतीय दूतावास से अनुरोध करती हूं कि कृपया हमारी मदद करें। जो भी हमारी मदद कर सकते हैं, कृपया मदद करें। मैं नेपाल के पोखरा में फंसी हुई हूं। मैं यहां वॉलीबॉल लीग की मेजबानी करने आई थी और जिस होटल में मैं ठहरी थी, वह जलकर खाक हो गया है। मेरा सारा सामान, मेरा सारा सामान, मेरे कमरे में था और पूरे होटल में आग लग गई। मैं स्पा में थी और लोग मेरे पीछे बड़ी-बड़ी लाठियां लेकर दौड़ रहे थे और मैं मुश्किल से अपनी जान बचाकर भाग पाई।

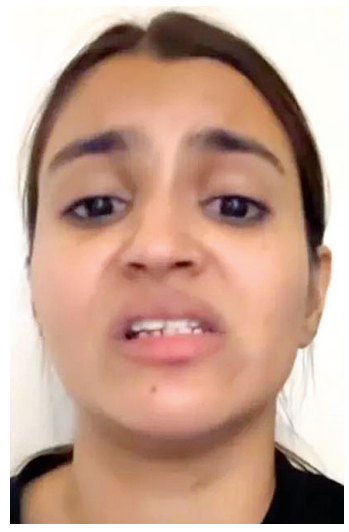

यहां हालात बहुत खराब हैं। हर जगह सड़कों पर आग लगाई जा रही है। वे यहां पर्यटकों को भी नहीं बख्श रहे हैं। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं है कि कोई पर्यटक है या कोई यहाँ काम के लिए आया है। वे बिना सोचे-समझे हर जगह आग लगा रहे हैं और यहां हालात बहुत, बहुत खराब हो गए हैं। हमें नहीं पता कि हम कब तक किसी और होटल में रहेंगे। लेकिन मैं भारतीय दूतावास से बस यही अनुरोध करती हूं कि कृपया यह वीडियो, यह संदेश उन तक पहुंचा दिया जाए। मैं आप सभी से हाथ जोड़कर विनती करती हूं, कृपया हमारी मदद करें। मेरे साथ यहां बहुत से लोग हैं और हम सब यहां फंसे हुए हैं।

इस बीच, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल में अपने सभी नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है कि जब तक स्थिति स्थिर न हो जाए, वे नेपाल की यात्रा स्थगित कर दें। भारतीय दूतावास किसी भी आपात स्थिति या सहायता की आवश्यकता वाले लोगों के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराता है। ङ्ग पर एक पोस्ट साझा करते हुए भारतीय दूतावास ने लिखा, नेपाल में सभी भारतीय नागरिकों से अनुरोध है कि वे किसी भी आपात स्थिति या सहायता की आवश्यकता होने पर संपर्क के लिए भारतीय दूतावास, काठमांडू के निम्नलिखित टेलीफोन नंबरों पर ध्यान दें- 977 - 980 860 2881, 977 - 981 032 6134। विदेश मंत्रालय ने नागरिकों को अपने वर्तमान निवास स्थान पर ही रहने, सड़कों पर जाने से बचने और पूरी सावधानी बरतने की सलाह दी है।

झारखंड विधानसभा सरकारी आश्वासन समिति ने जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ की बैठक

योजनाओं व कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने का समिति ने दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को झारखंड विधानसभा की सरकारी आश्वासन समिति जिला दौरे पर बोकारो पहुंची। जहां बोकारो परिसदन सभागार में समिति के सभापति सह विधायक निरसा अरूप चटर्जी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों एवं संबंधित निजी कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मौके पर सदस्य सह विधायक रामगढ़ ममता देवी एवं सदस्य सह माननीय विधायक सिमरिया कुमार उज्जवल उपस्थित थे।

लंबित सरकारी आश्वासनों और विकास कार्यों की समीक्षा

परिसदन सभागार में आयोजित बैठक में विधानसभा सत्रों के दौरान दिए गए आश्वासनों की समीक्षा और जिले में हो रहे विकास कार्यों की प्रगति की क्रमवार जानकारी संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों से ली। समिति ने गृह कारा एवं आपदा विभाग, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याम विभाग, पथ निर्माण विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, योजना एवं विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, ऊर्जा विभाग, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, पर्यटन एवं खेलकूद विभाग आदि से संबंधित प्रश्नों के उत्तर एवं प्रगति की जानकारी ली। संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों ने बताया कि विधानसभा आश्वासनों पर प्राथमिकता और गंभीरता के साथ कार्य किया जा रहा है। शेष कार्यों को भी समयबद्धता और पारदर्शिता के साथ पूरा कर लिया जाएगा।

10 से 15 दिनों में अद्यतन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें

समिति ने कई लंबित मामलों में प्रगति का अद्यतन प्रतिवेदन तैयार कर 10 से 15 दिनों के भीतर समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को दिया।

योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचना प्राथमिकता

समिति अध्यक्ष एवं सदस्यों ने स्पष्ट किया कि सभी योजनाओं और कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि इनका प्रत्यक्ष लाभ आम लोगों को मिल सके। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार का विलंब जनहित के विपरीत होगा। बैठक के दौरान समिति ने यह भी रेखांकित किया कि विभागीय समन्वय, प्रशासनिक दक्षता और स्थानीय स्तर पर जन भागीदारी से विकास कार्यों की गति और अधिक सशक्त एवं प्रभावी होगी। बैठक में सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। इससे पूर्व, बोकारो परिसदन में समिति सभापति एवं सदस्यों को उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रोबेशनर वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप सींदे और अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

आओ खुल कर बात करें, आत्महत्या को रोके : सिविल सर्जन

बच्चों की बातों को ध्यानपूर्वक सुने और अपनापन का व्यवहार करें

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' के अवसर पर जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली कैंप टू स्थित सिविल सर्जन कार्यालय से समाहरणालय परिसर होते हुए चास चेक पोस्ट तक फिर वापस सिविल सर्जन कार्यालय में आकर समाप्त हुआ। मौके पर उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ एनपी सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रवि शंकर, डीपीसी आशीष डीन, कंचन जिला लेखा प्रबंधक, मो. असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम उपस्थित थे।

समस्याओं को साझा करने से आत्महत्या को रोका जा सकता

सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने लोगो को बताया कि युवाओं में रोड एक्सीडेंट के बाद आत्महत्या दूसरा सबसे बड़ा कारण है। लोगो का यह भ्रम है कि आत्महत्याओं को रोका नही जा सकता है जबकि वास्तविक्ता इसके विपरीत है। खुल कर बात करने और समस्याओं को साझा करने से आत्महत्या को रोका जा सकता है।

मनोचिकित्सक सदर अस्पताल डॉ प्रशान्त कुमार मिश्रा के द्वारा बताया गया कि आत्मा हत्या के लक्षण की पहचान कैसे करें। इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आत्महत्या की चेतावनी संकेत जैसे वह सभी पर बोझ है, जीने का मन नही है या जीने का कोई कारण नही है, परिवार एवं दोस्त से कटाव, अपनी मन पसन्द चीजों को दूसरे को दे देना, अवसाद, चिन्ता एवं अधिक चिड़चिड़ापन जैसे लक्षण दिखे तो वहा पर परिवार के सभी सदस्यों को अलर्ट होने की जरूरत है। सबसे पहले लक्षण को पहचाने, बच्चे की बातो को ध्यानपूर्वक सुने और अपनापन जैसा व्यवहार करें। साथ ही उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025- 26 में बोकारो जिला में 23 लोगो को आत्महत्या रोकथाम पर परामर्शी सेवा दी जा रही है, जिसमे 06 लोगों को आशातीत सुधार हुआ है और 01 लोग का रेफरल किया गया है। इसी लिए इस विषय पर खुल कर बात करें और परामर्शी सेवा के लिये सदर अस्पताल के 8 नं0 ओपीडी में सम्पर्क करें या टेलीमानस नं0 14416 पर काल करें। कार्यक्रम में मुकेश कुमार, आरती कुमारी, मिश्रा छोटेलाल दास, असीम कुमार एवं शहरी सहिया उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीणों की समस्याओ के मद्देनजर जिप अध्यक्ष ने लगवाया नया ट्रांसफॉर्मर

बलियापुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के राजा नगर, गोविंदपुर में पिछले 10 दिनों से ट्रांसफॉर्मर जल जाने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बिजली न रहने से न सिर्फ. घरेलू कार्य बाधित हो रहे थे बल्कि बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की ज़िंदगी भी प्रभावित हो रही थी। ग्रामीणों ने इस समस्या की जानकारी जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह को दी। मामले की गंभीरता को समझते हुए अध्यक्ष महोदया ने तुरंत विभाग को आवश्यक निर्देश दिए। त्वरित कार्रवाई करते हुए नया ट्रांसफॉर्मर लगाया गया और उसका उद्घाटन किया गया। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने इस पहल के लिए शारदा सिंह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष महोदया ने समस्या का शीघ्र समाधान कर क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत दी है। ग्रामीणों ने उनकी सक्रियता और जनसेवा भाव की प्रशंसा करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र की समस्याओं का समाधान हमेशा इसी तरह तेजी से होता रहेगा।

लॉ कॉलेज में छात्रों के दो गुट भिड़े, आधा दर्जन घायल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद लॉ कॉलेज में छात्रों के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में करीब आधा दर्जन छात्र घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए धनबाद सदर अस्पताल भेजा गया है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना मंगलवार की बाई गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कॉलेज परिसर में रैगिंग विवाद को लेकर प्रिंसिपल के साथ बैठक चल रही थी। इसी दौरान अचानक एआईएसए और एबीवीपी के छात्रों के बीच झड़प हो गई। देखते ही देखते दोनों ओर से मारपीट शुरू हो गई। घायल छात्रों ने आरोप लगाया कि विरोधी गुट बाहरी लोगों को भी लेकर आया था और पूरी घटना प्री-प्लानिंग के तहत अंजाम दी गई। लॉ कॉलेज की एक छात्रा ने भी दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। वहीं कॉलेज के प्रिंसिपल ने कहा कि वार्ता के दौरान ही विवाद ने तूल पकड़ लिया और दोनों गुटों में भिड़ंत हो गई। उन्होंने बताया कि मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दे दी गई है। सभी घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है। प्रिंसिपल ने आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई जाएगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद कॉलेज परिसर में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।

डीडीसी ने की पीएम-कुसुम योजना की प्रगति की समीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार की

अध्यक्षता में पीएम-कुसुम योजना की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी एन एस कुजूर, नोडल पदाधिकारी श्री शक्ति कुमार व अन्य उपस्थित थे।

आवेदनों की स्थिति का प्रखंड वार समीक्षा

बैठक के दौरान नोडल पदाधिकारी ने जानकारी दी कि जिले के सभी प्रखंडों से कुल 973 आवेदन पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 849 आवेदनों की सूची को जिला स्तरीय समिति द्वारा अनुमोदित कर जरेडा को भेजने की स्वीकृति दी गई, जबकि शेष 124 आवेदनों को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

किसानों तक योजना का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता

बैठक में उप विकास आयुक्त ने जोर दिया कि पीएम-कुसुम योजना का लाभ जिले के पात्र किसानों तक शीघ्र पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो, यह सुनिश्चित करें।

कोहिनूर मैदान का वेंडिंग जोन होगा सुसज्जित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के विभिन्न क्षेत्र में स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित करने के लिए टाउन वेंडिंग कमिटी की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कोहिनूर मैदान में निर्मित वेंडिंग जोन में 192 दुकानों पर चर्चा की गई। इस पर स्ट्रीट वेंडर्स के प्रतिनिधियों ने कहा कि वहां एक साल तक दुकान लगाने का प्रयास किया गया। परंतु एप्रोच रोड के अभाव में तथा बगल में स्थित एक शौचालय की गंदगी के कारण ग्राहक नहीं पहुंच सके। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने कोहिनूर मैदान के वेंडिंग जोन को मुख्य सड़क से जोड़कर केवल ग्राहकों के आने जाने के लिए एप्रोच रोड का निर्माण करने तथा शौचालय को तोड़कर वेंडिंग जोन को सुसज्जित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सड़क में लगाने वाले ठेले खोमचे एवं स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित करने से शहर की यातायात व्यवस्था में वृहद सुधार होगा। शहर स्वच्छ नजर आएगा। उपायुक्त ने पुलिस लाइन, धैया रानी बांध के बगल में, हीरापुर हटिया, स्टील गेट, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, श्रम नियोजन कार्यालय के आसपास, रणधीर वर्मा चौक, झारुडीह स्थित कार्मल स्कूल के पास, बिनोद बिहारी चौक, जोड़ा फाटक, भूइंफोड़ मंदिर के बगल में, केंदुआ बाजार, निरसा बाजार, गोविंदपुर, बरवाअड्डा, किसान चौक सहित अन्य स्थान पर वेंडिंग जोन बनाने के लिए स्थल चयनित करने का निर्देश दिया। बैठक में स्ट्रीट वेंडर्स के प्रतिनिधियों ने बताया कि स्टेशन रोड से गया पुल अंडर पास तक पीडब्ल्यूडी ने 1982 में नाली का निर्माण किया था। लेकिन स्टेशन रोड तथा रांगाटांड़ के दुकानदारों ने नाली पर कब्जा कर, स्लैब डालकर दुकानों का निर्माण किया है। इसके कारण नाली की सफाई नहीं होती है और सारा पानी अंडरपास में जमा हो जाता है। परिणामस्वरूप गया पुल अंडर पास बारंबार क्षतिग्रस्त होता है। साथ ही बताया कि डीआरएम चौक से धनबाद रेलवे स्टेशन तक एनएच की जमीन पर आरपीएफ ने लगभग 9 फीट अतिक्रमण किया है। इसके कारण सड़क की चौड़ाई कम हो गई है और हमेशा ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है। इसके अलावा बैंक मोड़ सेंटर पॉइंट मॉल ने एनएच की जमीन पर अतिक्रमण किया है। उपायुक्त ने इन मामलों की जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, प्रकाश कुमार, धनबाद सीओ राम प्रवेश, डीसीपी ट्रैफिक अरविंद कुमार सिंह के अलावा पथ निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी तथा स्ट्रीट वेंडर्स की ओर से रामनाथ सिंह, टुन्ना सिंह, श्यामल मजूमदार, समीर दत्ता व प्रियंका के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

माटी शिल्पकारों के बीच विद्युत चाक का वितरण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला उद्योग केन्द्र, कैम्प कार्यालय बोकारो द्वारा बुधवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद ने की। मौके पर विभिन्न पंचायतों के मुखियागण उपस्थित रहे।

90 प्रतिशत अनुदान पर 19 लाभुकों को मिला लाभ

कार्यक्रम के तहत माटी शिल्पकार से जुड़े कुल 19 लाभुकों को 90 प्रतिशत अनुदान पर विद्युत चाक का वितरण किया गया। इसमें चास प्रखण्ड के 09 लाभुक, चंदनकियारी प्रखण्ड के 06 लाभुक, नावाडीह प्रखण्ड के 01 लाभुक तथा पेटरवार प्रखण्ड के 03 लाभुक शामिल रहे।

आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन की दिशा में कदम

मौके पर महाप्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य परंपरागत कारीगरों को आधुनिक साधन उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाना है। विद्युत चाक मिलने से शिल्पकारों की उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में वृद्धि होगी, जिससे उनकी आय में भी सुधार होगा। इस अवसर पर जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक समेत, उतासारा के मुखिया श्री देवेन्द्र नाथ नायक, ई० ओ०डी०बी० प्रबंधक विकास प्रकाश, जिला उद्यमी समन्वयक किशोर रजक, प्रखण्ड उद्यमी समन्वयक श्री सुभाष चन्द्र सिंह, राजेश महतो, मोहन प्रसाद एवं नरेन्द्र शेखर आदि उपस्थित थे।

क्राइम मीटिंग : जिले को भयमुक्त बनाने को बोकारो पुलिस कटिबद्ध

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस कार्यालय में आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी में जिले को भयमुक्त बनाने और अपराध नियंत्रण की नई रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिले के सभी थाना प्रभारियों और वरीय पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान एसपी हरविंदर सिंह ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस की पहली प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और जिले में अपराध पर सख्त लगाम लगाना है। उन्होंने जोर दिया कि पुलिस की कार्यप्रणाली ऐसी होनी चाहिए जिससे आम नागरिक भयमुक्त होकर अपना दैनिक जीवन व्यतीत कर सकें। बैठक में लंबित जघन्य अपराधों के त्वरित उद्भेदन पर विशेष चर्चा हुई। एसपी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी मामलों में समय पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही आने वाले त्योहारों को ध्यान में रखते हुए जिले में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की दिशा में विशेष योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहारों के दौरान असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी ताकि जिले की शांति और कानून-व्यवस्था में कोई बाधा न आए। एसपी हरविंदर सिंह ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य न केवल अपराध नियंत्रण है बल्कि जिले में ऐसा माहौल बनाना भी है, जहां लोग निडर होकर जीवन जी सकें और त्योहारों को शांति और सौहार्द से मना सकें।

राज्य में दलितों की स्थिति आदिम जनजातियों से भी बदतर : रघुवर दास

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री और ओड़िशा के पूर्व राज्यपाल भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने पेशा कानून लागू नहीं किए जाने समेत विभिन्न मुद्दों पर सत्ताधारी कांग्रेस और झामुमो को घेरा है। आज भाजपा के प्रदेश कार्यालय मे पत्रकारों से बातचीत मे श्री दास ने राज्य मे बालू की अवैध कालाबाजारी की सीबीआई जाँच कराने की मांग की। पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने कहा कि राज्य की सत्ता मे बैठे लोग पेशा कानून को लागू करना ही नहीं चाहते। वे नहीं चाहते कि इस कानून मे दिए गए विशेष प्रावधानों का लाभ यहाँ के रूढ़िवादी आदिवासी परिवारों को मिले। साथ ही, श्री दास ने कहा कि राज्य मे दलितों की स्थिति आदिम जनजातियों से भी बदतर है। ऐसे मे राज्य की सरकार नगर निकाय का चुनाव नहीं कराकर उन्हें उनके अधिकारों से वंचित कर रही है। श्री दास ने आगे कहा कि राज्य की झामुमो और कांग्रेस की गठबंधन की सरकार पिछले छह सालों से राज्य मे बालू का अवैध दोहन कर रही है, .. जिससे राज्य को हजारों करोड़ रुपए के राजस्व की क्षति हुई है। श्री दास ने राज्य मे बालू की कालाबाजारी की सीबीआई जाँच कराने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कई अन्य मुद्दों पर भी राज्य सरकार पर सवाल खड़े किए।

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत प्रखंडों में हुआ प्रोसेस लैब का आयोजन

विस्तार से मंथन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को आदि कर्मयोगी अभियान - रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम के तहत के तहत जिले के चास, चंदनकियारी, जरीडीह, बेरमो, पेटरवार, गोमिया, चंद्रपुरा, नावाडीह एवं कसमार प्रखंड में ब्लॉक प्रोसेस लैब का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर समन्वय स्थापित कर संस्थाओं को अधिक सशक्त और प्रभावी बनाना रहा।

विभागीय पदाधिकारियों की रही सक्रिय सहभागिता

ब्लॉक प्रोसेस लैब में प्रशिक्षित प्रखंड विकास पदाधिकारी/ब्लॉक लेबल मास्टर ट्रेनर, पंचायत कर्मी, शिक्षक, आंगनबाड़ी सेविका तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारी सक्रिय रूप से शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों ने ग्राम स्तर पर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने और योजनाओं को जन हितकारी बनाने के लिए विचार साझा किया।

ग्राम स्तर पर विकास को लेकर हुआ

कार्यक्रम के दौरान चिन्हित आदिवासी गांवों के ग्राम स्तर पर सर्वांगीण विकास, पारदर्शिता और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि विभागीय समन्वय और जनभागीदारी से विकास कार्यों की गति को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

वर्कशॉप और विजन एक्शन प्लान का हुआ आयोजन

ब्लॉक प्रोसेस लैब के उपरांत विलेज वर्कशॉप और विलेज विजन एंड एक्शन का आयोजन भी किया गया। इस दौरान गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए ठोस कार्य योजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया।

आत्मनिर्भर और समृद्ध ग्राम समाज की दिशा में कदम

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत आयोजित यह पहल ग्राम स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और स्थायी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आयोजन का उद्देश्य आदिवासी समुदाय को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में ठोस योगदान देना है।

खनन विभागों ने चलाया सघन जांच अभियान, 2 ट्रक जप्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। खनन विभाग द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान जरीडीह थाना अन्तर्गत जैनामोड़ चौक के समीप पथ पर अवैध रूप से कोयला खनिज का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए 02 ट्रक पकड़े गए। दोनों ट्रकों को विधिवत जप्त कर जरीडीह थाना को सुपुर्द किया गया तथा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। साथ ही, दोनों ट्रक चालकों को स्वस्थ हालत में गिरफ्तार कर थाना को सौंपा गया।

बोकरो जनरल हॉस्पिटल में राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन कार्यशाला

मानव संसाधन विकास विभाग सहयोग से कार्यशाला का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकरो जनरल हॉस्पिटल मे मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन आज दिनाँक 10 सितम्बर को किया गया. कार्यक्रम का उदघाटन बी जी एच के प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बिभूति भूषण करुणामय ने किया. कार्यक्रम के आरंभ मे बी जी एच के प्रभारी डॉ बिभूति भूषण करुणामय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आनंद कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिन्दा मण्डल, डॉ इंद्रनील चौधरी, चिकित्सा प्रशासन के प्रभारी डॉ दीपक कुमार, ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के सहायक महा प्रबंधक शशांक शेखर के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की गयी. इस अवसर पर ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के सहायक महाप्रबंधक एवं लीड ट्रेनर शशांक शेखर ने राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के महत्व , इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी. कार्क्रम में अस्पताल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. बी जी एच के प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बिभूति भूषण करुणामय ने अपने सम्बोधन मे कहा कि कर्मयोग की भावना केवल कार्य में दक्षता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक कर्मी को अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और सेवा भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है. इस प्रकार के प्रशिक्षण से हम अपने कार्यक्षेत्र के साथ देश के प्रगति मे भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं. विदित हो कि बोकारो जनरल अस्पताल राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित करने वाला बोकारो इस्पात संयंत्र का पहला विभाग है. इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण के द्वारा दो लीड ट्रेनर एवं तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत कुल 28 मास्टर ट्रेनर को ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के द्वारा प्रशिक्षित किया गया है. कार्यक्रम के प्रशिक्षक डॉ सुबोध कुमार एवं उप प्रबंधक मो. सैफूदुज्जा ने कर्मयोगी मिशन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह पहल प्रशासनिक एवं कार्यस्थलीय सुधार की दिशा में एक सशक्त कदम है. उन्होंने विभिन्न उदाहरणों से प्रशिक्षण के दौरान प्रेरणात्मक व्याख्यान, समूह चर्चा, इंटरैक्टिव सत्र, व्यावहारिक अभ्यास जैसे विषयों के माध्यम से प्रतिभागियों को यह समझाया कि सकारात्मक दृष्टिकोण, संवाद कौशल, टीमवर्क और सेवा-भावना किस प्रकार कार्य संस्कृति को बेहतर बनाते हैं. कार्यक्रम के समापन पर रूपलोक कुंभकर, सुधा गिरि एवं रंजू कुमारी ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार का प्रशिक्षण प्रत्येक कर्मचारी को अधिक सक्षम, संवेदनशील और सेवाभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगा.

'बेसिक ऑफ इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रो हाइड्रोलिक्स' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

मानव ससंसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में संयंत्र के विभिन्न विभागों के अधिशासी और अनधिशासी के लिए 'बेसिक ऑफ इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रो हाइड्रोलिक्स' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 10.09.2025 से 12.09.2025 तक के लिए संयंत्र के विशेषज्ञ और अनुभवी फैकल्टी के सपोर्ट द्वारा किया जा रहा है. इस कार्यक्रम में कुल 23 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम के उदघाटन सत्र मे मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा, महाप्रबंधक बी एन त्रिपाठी, सहायक महप्रबंधक पी वि वि एन प्रसाद उपस्थित थे. ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के प्रबन्धक श्री जय नारायण यादव ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी. मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा ने अपने सम्बोधन मे कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी क्षेत्र में निरंतर बदलाव हो रहा है, ऐसे में प्रत्येक कर्मचारी को अपने ज्ञान और कौशल को समय के साथ अद्यतन करना अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने प्रतिभागियों से सीखने की इस यात्रा को निरंतर जारी रखने का आग्रह किया. महाप्रबंधक बी एन त्रिपाठी ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान को केवल स्वयं तक सीमित न रखें, बल्कि अपने सहकर्मियों के साथ भी साझा करें ताकि कार्यस्थल पर सामूहिक रूप से लाभ मिल सके. साथ ही उन्होंने बी एस एल के हाइड्रॉलिक्स क्षेत्र के विशेषज्ञों के नाम भी साझा किए जिनसे प्रतिभागी तथा ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग आवश्यकता पड़ने पर मार्गदर्शन ले सकते हैं. सहायक महप्रबंधक पी वि वि एन प्रसाद ने अपने वक्तव्य में इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हाइड्रॉलिक्स तकनीक का कार्यस्थल पर अत्यधिक महत्व है. इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान न केवल मशीनों के संचालन में सहायक होगा बल्कि उत्पादन क्षमता एवं कार्यकुशलता में भी वृद्धि करेगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com